FOCUS NEWS
फोकस न्यूज

facebook.com/fnind
x.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in
www.focusnews.co.in
@FocusnewsIn

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। शनिवार 22 फरवरी 2025। नवमी, फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष। 2081 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 12। अंक : 217

मोदी सोमवार को पीएम–किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे, किसानों को मिलेंगे 22,000 करोड़ रुपये

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पीएम–किसान योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इसमें 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में लगभग 22,000 करोड़ रुपये सीधे स्थानांतरित किए जाएंगे।

कोहली फॉर्म में वापसी के लिए खुद पर बहुत अधिक दबाव बना रहे हैं: कुंबले

अनिल कुंबले का मानना है कि विराट कोहली फॉर्म में वापसी के लिए खुद पर बहुत अधिक दबाव बना रहे हैं और उन्होंने इस स्टार बल्लेबाज को तनाव मुक्त रहने की सलाह दी है।

प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा के अनुरूप प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है।

जीवन का लेखा–जोखा

मनीषी कहते हैं कि मृत्यु शैय्या पर पड़े हुए मनुष्य की आँखों के समक्ष उसके जीवनकाल का सारा लेखा–जोखा चलचित्र की भाँति घूम जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो सभी शुभाशुभ कर्म जो उसने अपने जीवनकाल में किए हैं, उसके सामने पर्दे पर चलती हुई रील की तरह घूम जाते हैं।

मलाइका अरोड़ा एक मिस्ट्री मैन संग, स्पेन में

बॉलीवुड की ग्लैमरस डीवा मलाइका अरोड़ा अपनी प्रोफेशनल बातों से ज्यादा अपनी पर्सनल बातों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इस प्लेटफार्म पर उन्हें 19 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

योग आत्म विकास का सबसे बड़ा माध्यम : राज्यपाल बागडे

बागडे ने कहा कि भारत योग की संस्कृति से जुड़ा राष्ट्र है और योग आत्म विकास का सबसे बड़ा माध्यम है। वे यहां 'योग साधक सम्मान' समारोह को संबोधित कर रहे थे।

भारत के पास कर से बहुत पैसा आता है,हम उनको 2.1 करोड़ डॉलर क्यों दे रहे हैं: ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ''भारत में चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने'' के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आवंटन के मकसद पर सवाल उठाया है।

देश को विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक दृष्टिकोण लेकिन भारतीय मानसिकता वाले नेताओं की जरूरत: मोदी

भूटान के प्रधानमंत्री ने नरेन्द्र मोदी को अपना मार्गदर्शक बताया

। कृष्णा अग्रवाल ।

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है और इस गति को बनाए रखने के लिए देश को विभिन्न क्षेत्रों के ऐसे नेताओं की जरूरत है, जिनका दृष्टिकोण वैश्विक हो लेकिन मानसिकता भारतीय हो। राजधानी के भारत मंडपम में 'स्कूल ऑफ अल्टीमेट ली. डरशिप' (सोल) सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय संस्थान केवल एक विकल्प नहीं हैं, बल्कि आवश्यकता हैं। उन्होंने कहा, ''हमें ऐसे व्यक्तियों को तैयार करने की आवश्यकता है जो भारतीय मानसिकता के साथ अंत. रराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य की समझ रखते हों। इन नेताओं को रणनीतिक निर्णय लेने, संकट प्रबंधन और भविष्य की सोच में उत्कृष्टता प्राप्त करनी चाहिए। वैश्विक बाजार में और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए, हमें ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो वैश्विक व्यापार की गतिशीलता को समझते हैं। यह सोल का काम है।'' मोदी ने 'वैश्विक सोच और स्थानीय परवरिश' वाले विभिन्न क्षेत्रों के नेताओं की वकालत करते हुए कहा कि हमें ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो हर क्षेत्र में भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को दर्शाए, चाहे वह नौकरशाही हो या कारोबार या कोई अन्य क्षेत्र। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में नेतृत्व की जरूरत है जो देश के हितों को विश्व मंच पर पेश (शेष पेज दो पर)

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बैठक की तस्वीर साझा की और कहा, ''दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।'' मुख्यमंत्री गुप्ता और उनके छह मंत्रियों ने बृहस्पतिवार को रामलीला मैदान में शपथ ली थी। गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई ने भी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।''

कांग्रेस, 'आप' ने दिल्लीवासियों के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया, हमने पहले ही दिन यह काम किया: रेखा: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने 15 साल तक दिल्ली पर शासन किया और उसके बाद आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में रही लेकिन दोनों ने दिल्ली के लोगों की समस्याओं का कभी समाधान नहीं किया। रेखा ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले दिन ही आयुष्मान भारत योजना को पारित कर दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने बृहस्पतिवार को छह अन्य मंत्रियों के साथ शपथ ली। भाजपा 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली की सत्ता में लौटी है। गुप्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने दिल्ली के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित रखा और कोई वास्. तविक कार्रवाई किए बिना केवल नारे लगाए। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, ''कांग्रेस ने 15 साल तक दिल्ली पर शासन किया और उसके बाद 'आप' ने... फिर भी उन्होंने दिल्ली के लोगों के मुद्दों पर कभी ध्यान नहीं (शेष पेज दो पर)

आप का 10 साल का भ्रष्टाचार खत्म, भाजपा सभी वादे पूरे करेगी: आशीष सूद

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि भाजपा सरकार अपने सभी चुनावी वादे पूरे करेगी लेकिन सब कुछ "पटरी पर लाने" में कुछ समय लगेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नवगठित दिल्ली मंत्रिमंडल में शामिल किए गए सूद ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के दस साल का भ्रष्टाचार समाप्त हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि आप ने जानबूझकर दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू नहीं किया और शहर के लोगों को इसके लाभ से वंचित रखा। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, "यह दस साल के भ्रष्टाचार का अंत है। हालांकि, दिल्ली में सब कुछ पटरी पर लाने के (शेष पेज दो पर)

विचारों में सामंजस्य बनाने की जी–20 की क्षमता वैश्विक एजेंडे के लिए महत्वपूर्ण : जयशंकर

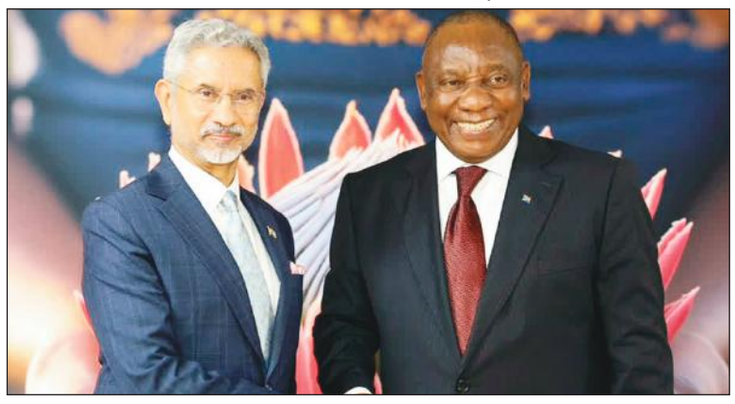

जोहानिसबर्ग, फोकस न्यूज, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भू–राजनीतिक परिदृश्य की वर्तमान जटिलताओं को उजागर करते हुए कहा है कि विचारों में सामंजस्य स्थापित करने की जी–20 की क्षमता वैश्विक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। जयशंकर जी–20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की दो दिवसीय यात्रा पर जोहानिसबर्ग में हैं। 'वैश्विक भू–राजनीतिक स्थिति पर चर्चा' शीर्षक वाले जी–20 सत्र को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि जी–20 विश्व में बहुध्रुवीय स्थिति की एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति है। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा, ''वैश्विक भू–राजनीतिक स्थिति हर तरह से कठिन बनी हुई है। कोविड वैश्विक महामारी, संघर्ष की स्थितियां, वित्तीय दबाव, खाद्य सुरक्षा और जलवायु संबंधी (शेष पेज दो पर)

प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर : योगी

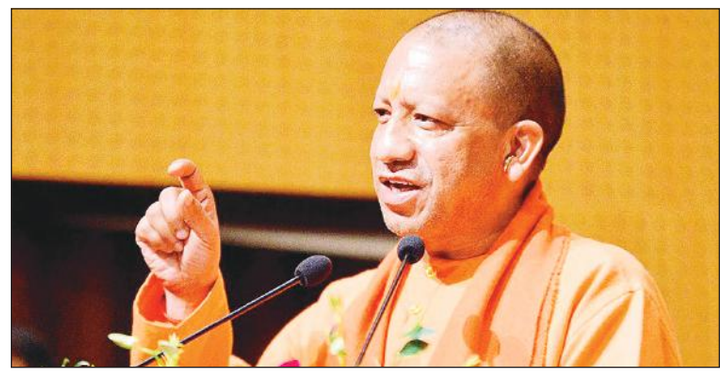

लखनऊ, फोकस न्यूज, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा के अनुरूप प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। योगी ने कहा कि अकेले महाकुंभ के आयोजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हा. `गी। उन्होंने कहा कि दुनिया आज राज्य की क्षमता देख रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक डॉ. रागिनी सोनकर के प्रश्न के जवाब में कहा, "उत्तर प्रदेश ने एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है और भारत तीन नहीं पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है।" उन्होंने सपा सदस्य पर तंज कसते हुए कहा, "आपकी पीड़ा को समझ सकता (शेष पेज दो पर)

सिल्की बालों के लिए

हर महिला की तमन्ना होती है कि उसके बाल काले,घने और सिल्की हों क्योंकि महिलाओं की सुंदरता में बालों का भी अहम योगदान होता हे। अगर आप भी इस तरह के बालों की ख्वाहिश रखती हैं तो फॉलो करें कुछ टिप्स–

– तेल लगाने के बाद अपने बालों को गर्म पानी में भिगोए तौलिये से बांध लें ताकि स्टीम के जरिए बालों का तेल अंदर तक चला जाए।

– बालों की अधिक चमक हेतु बालों पर आलिव आयल से मालिश हल्के हाथों से करें।

–बालों पर तेल गुनगुना कर लगाएं। अगर आपके सिर की त्वचा तैलीय है तो तेल अधिक न लगाएं। अगर खुश्क है तो अधिक ध्यान रखें।

– तेल बालों की जड़ों से आधे इंच की दूरी तक ही लगाएं। जड़ों को ऐसे ही छोड़ दें। – बालों में तेल मालिश उंगलियों के पोरों से करें तो बालों की ग्रोथ अच्छी होगी। – बालों में तेल एक घंटे से ऊपर न रहने दें। – बालों की धुलाई हेतु माइल्ड शैंपू का ही प्रयोग करें। – पानी खूब पियें ताकि प्राकृतिक नमी बनी रहे। – सबसे जरूरी अपने आहार पर ध्यान दें। हमेशा पौष्टिक आहार लें ओर नींद पूरी लें।

उचित देखभाल चाहिए आपकी साड़ियों को

साड़ी प्रत्येक नारी का प्रिय परिधान है। नारी व साड़ी का साथ चोली–दामन जैसा है। भारतीय समाज में साड़ी पहनने की परम्परा बहुत पुरानी है। साड़ी नारी के व्यक्तित्व में भी निखार लाती है किंतु इनकी देखभाल व ठीक तरीके से रखने का तरीका बहुत कम स्त्रियों को आता है। कई स्त्रियां तो हर प्रकार की साड़ी चाहे वह सूती हो या रेशमी या जरी वाली, सब एक साथ ही रख देती हैं। क्या उन्हें इस बात का ज्ञान है कि प्रत्येक साड़ी का रख रखाव अलग–अलग ढंग से किया जाता है।

भारी व कीमती गोटे की, जरीदार साड़ियों को हमेशा उल्टी तह करके सूती कपड़े में लपेट कर रखना चाहिए। ध्यान रहे कि इनके बीच तेज खुशबू या कीटाणुनाशक दवा न रखें। इससे जरी काली पड़ सकती है। इन साड़ियों को हमेशा ड्राइक्लीन ही करवाएं। समय–समय पर इनकी तह बदलते रहें।

ऑरगेंजा, टिश्यू, चंदेरी की साड़ियों की तह को दबाकर नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे वे मोड़े हुए स्थान से कट जाती हैं। यदि साड़ी पर कुछ गिर जाए तो तुरंत उस स्थान को साफ कर देना चाहिये। पूरी साड़ी को धोना नहीं चाहिए अन्यथा साड़ी (शेष पेज दो पर)

अपना स्वास्थ्य अपने हाथ

आज की तेज भागती जिंदगी में हम यदि अपने स्वास्थ्य पर ध्यान न दें तो जीवन के दिन इतने तेजी से निकल जायेंगे कि हमें पता भी न लग पायेगा। समय का अभाव तो हमेशा ही रहता है और रहेगा। फिर भी जिस प्रकार हम अपनी पार्टियों या कार्य के लिए समय बखूबी निकाल लिया करते हैं, ठीक उसी प्रकार जरा सा समय निक. ालकर निम्न बातों को अपनी दिनचर्या में शामिल कर लें तो 80 वर्ष की आयु में भी कोई यह प्रश्न पूछने से नहीं कतरायेगा कि 'आपके स्वास्थ्य का राज क्या है?' कुछ इस प्रकार से करें दिन की शुरूआत:– प्रातः नित्य 10–20 मिनट तक खुली हवा में जाकर जॉगिंग करें या फिर 4–5 कि. मी. की दूरी चलकर ही तय करें। ऐसा करने से मन और तन दोनों को ही लाभ मिलेगा। , कुछ पलों (शेष पेज दो पर)

काम के साथ–साथ आहार पर भी ध्यान दें

आज की व्यस्तता भरी जिंदगी में व्यक्ति के पास इतना समय नहीं बच पाता कि वह इस बात पर गहराई से ध्यान दे सके कि वह सही भोजन ले रहा है या नहीं लेकिन हमारे शरीर को ढंग से कार्य करने के लिए एनर्जी की आवश्यकता की पूर्ति तो सही भोजन ही करता है।

कई बार तो व्यक्ति को इतना भी समय नहीं मिलता कि वह समय निकाल ढंग से लंच करे और इतने समय तक भूखे रहने के कारण हमारा शरीर थक कर इतना चूर हो जाता है कि लगता है कि थकान के कारण कहीं गिर ही न पड़ें।

प्रस्तुत हैं कुछ स्वास्थ्य टिप्स जिससे आपके शरीर को काम करने के साथ–साथ स्वस्थ डाइट भी मिलती रहे:–

द्य सबसे पहले तो सुबह ब्रेकफास्ट अवश्य लें क्योंकि सारी रात इतने लम्बे समय तक भूखे रहने के कारण आपके शरीर में एनर्जी की कमी हो रही होती है। अगर ब्रे. कफास्ट के लिए आपके पास समय का अभाव हो रहा है तो ऑफिस जाते–जाते बस पकड़ते समय रास्ते में कोई भी फल लें और उसे खाएं। इससे कम से कम आप भूखे तो नहीं रहेंगे और आपके शरीर को कुछ (शेष पेज दो पर)

देश को... (पेज एक का शेष) करते हुए वैश्विक जटिलताओं और जरूरतों का समाधान ढूंढ सके। प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है और यह गति हर क्षेत्र में तेज हो रही है। इस विकास को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए, हमें विश्व स्तरीय नेताओं की आवश्यकता है। सोल संस्थान इस परिवर्तन में गेम–चेंजर हो सकते हैं। इस तरह के अंतरराष्ट्रीय संस्थान केवल एक विकल्प नहीं हैं, बल्कि आवश्यकता हैं।'' उन्होंने कहा, ''राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिकों का विकास जरूरी है, व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण, जन से जगत...किसी भी ऊंचाई को प्राप्त करना है, तो आरंभ जन से ही शुरू होता है। हर क्षेत्र में बेहतरीन नेतृत्व का विकास बहुत जरूरी है और यह समय की मांग है।'' मोदी ने कहा कि सोल की स्थापना 'विकसित भारत' की विकास यात्रा में एक बहुत महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि आज हर भारतीय, 21वीं सदी के 'विकसित भारत' के लिए दिन–रात काम कर रहा है और ऐसे में 140 करोड़ लोगों के देश में भी हर क्षेत्र में और जीवन के हर पहलू में उत्तम से उत्तम नेतृत्व की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रगति का लक्ष्य रखने वाले किसी भी देश को न केवल प्राकृतिक संसाधनों बल्कि मानव संसाधनों की भी आवश्यकता होती है और 21 वीं सदी में देश को ऐसे संसाधनों की आवश्यकता है जो नवाचार और कौशल को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकें। इस संदर्भ में उन्होंने गुजरात का उदाहरण दिया और कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण अलग राज्य के रूप में इसके भविष्य को लेकर सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, राज्य आज अपने नेताओं के कारण बहुत अच्छा कर रहा है। उन्होंने कहा कि यहां हीरे की खदान नहीं है, लेकिन दुनिया में 10 में से नौ हीरे गुजराती के हाथों से गुजरते हैं। उन्होंने कहा, ''हर क्षेत्र में कौशल की आवश्यकता होती है और नेतृत्व विकास कोई अपवाद नहीं है। इसमें नई क्षमताओं की जरूरत है। हमें वैज्ञानिक रूप से नेतृत्व विकास में तेजी लानी चाहिए और सोल इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।'' उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जब कूटनीति से लेकर प्रौद्योगिकी नवोन्मेष तक एक नए नेतृत्व को आगे बढ़ाएंगे तो सारे क्षेत्रों में भारत का प्रभाव कई गुना बढ़ेगा। उन्होंने कहा, ''यानी एक तरह से भारत का पूरा दृष्टिकोण और भविष्य एक मजबूत नेतृत्व वाली पीढ़ी पर निर्भर होगा, इसलिए हमें वैश्विक सोच और स्थानीय संस्कारों के साथ आगे बढ़ना है।'' सम्मेलन में मुख्य भाषण भूटान के प्रधानमंत्री दासो शेरिंग तोग्बे का हुआ। दो दिन के इस सम्मेलन में राजनीति, खेल, कला, मीडिया, आध्यात्म, लोकनीति, व्यापार और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी हस्तियां अपनी सफलता की गाथा साझा करेंगी।

दिल्ली की... (पेज एक का शेष) दिया और अब हमारे सत्ता में आने के एक दिन बाद ही उन्होंने हमारी सरकार पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है।'' उन्होंने अपनी पार्टी के त्वरित निर्णय लेने पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''हम वही हैं जिन्होंने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना पारित की। हमने शपथ ली और उसी दिन उस योजना को मंजूरी दी जिसे 'आप' ने वर्षों से रोक रखा था।'' उन्होंने सुझाव दिया कि दोनों दलों को अपने–अपने पार्टी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। रेखा गुप्ता ने कहा, ''उनके कई सदस्य पार्टी छोड़ने के लिए तैयार हैं और वे चिंतित हैं क्योंकि हम अपने सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

गुप्ता ने यह भी दावा किया कि विपक्ष उनकी सरकार की पारदर्शिता से भयभीत है। उन्होंने कहा, ''वे डरे हुए हैं क्योंकि प्रथम सत्र में हम ऐसी रिपोर्ट पेश करेंगे जो पहले कभी पेश नहीं की गई। उनके कार्यों की सच्चाई लोगों के सामने आ जाएगी।'' मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी द्वारा किया गया हर वादा पूरा किया जाएगा और उन्होंने लोगों के कल्याण के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, ''हमने पहले दिन यमुना घाट का दौरा करके अपना काम शुरू किया और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे शत प्रतिशत वादे पूरे हों।''

आप का... (पेज एक का शेष) लिए हमें कुछ समय की आवश्यकता होगी।" सूद ने बृहस्पतिवार को मंत्री पद की शपथ ली। उन्हें छह विभाग– शिक्षा, उच्च शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, गृह और प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा– दिए गए हैं। मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की प्रमुख पहल आयुष्मान भारत योजना को बृहस्पतिवार को पहली कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा, "अब दिल्ली के लोगों को भी इसका लाभ उठाने का अवसर मिलेगा"। मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर करेगी और इसका पूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगी।

काम के... (पेज एक का शेष) एनर्जी तो मिलेगी। सारा दिन आपके व्यस्तता भरे समय में आपको एनर्जी की आवश्यकता की पूर्ति भी हो जाएगी। – दिन में अधिक से अधिक पानी पिएं। प्रायः लोग काम करते वक्त ऑफिस में चाय, कॉफी व कोल्ड ड्रिंक्स आदि पेयों को पीते हैं जो मूत्रावर्धक होते हैं और शरीर को निर्जल करते हैं इसलिए इसकी बजाय नींबू पानी, सादा पानी, जूस आदि पेय लें जो आपके शरीर के लिए फायदेमंद है।

– ऑफिस की व्यस्तता में अगर आपके पास खाना बनाने के लिए कम समय है तो आप बाहर ही लंच आर्डर करते हैं। बाहर से अगर आप खाना मंगा रहे हैं तो आप जो खाना मंगाएं, वह ऐसा होना चाहिए कि उसमें ताजा सलाद, कच्ची या उबली सब्जी हो जिस पर आप नींबू, सिरका आदि लगा कर उसे अच्छा स्वाद दे सकते हैं। भोजन ऐसा हो जो आपको एनर्जी भी दे। – अगर सुबह आपको नाश्ता बनाने का समय नहीं मिल रहा तो रात को दालें पानी में भिगो कर अंकुरित कर लें और सुबह यह पौष्टिक नाश्ता करें। – ऑफिस के बीच में समय निकाल कर या ऑफिस के कार्य के लिए बाहर आते–जाते हुए मिल्क शेक, लस्सी, जूस आदि लें।

प्रधानमंत्री की... (पेज एक का शेष) हूं, क्योंकि आपके नेता बोलते थे कि भारत कभी विकसित देश नहीं बन सकता इसलिए आप उनका अनुसरण हीं करेगी।" योगी ने कहा, "भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और 2027 में भारत पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है और दुनिया की सबसे तेजी उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में सर्वाधिक विकास दर के साथ भारत आज दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है और इस पर 140 करोड़ भारतवासियों को गौरव का अहसास होना चाहिए।" उन्होंने कहा, "लेकिन प्रधानमंत्री की प्रेरणा के अनुरूप प्रदेश ने एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में एक बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है।" सपा विधायक रागिनी सोनकर ने प्रश्न किया था कि प्रदेश को एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की क्या कार्य योजना बनाई गई है और ये लक्ष्य कब तक प्राप्त कर लिया जायेगा? योगी ने सोनकर के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा राज्य की अर्थव्यवस्था को एक हजार अरब डॉलर के स्तर पर ले जाने के लिए सरकार ने लक्ष्य को 10 सेक्टर में विभाजित किया है। उन्होंने कहा कि 10 सेक्टरों में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, कृषि उत्पादन, सामाजिक सुरक्षा, नगरीय विकास, ग्राम विकास, राजस्व संग्रह, शिक्षा(चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पर्यटन एवं संस्कृति और विविध बनाकर इसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक सेक्टर के लिए अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों को प्रभारी नामित किया गया है और इन सेक्टरों की विभिन्न स्तरों पर नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री डेस्क के माध्यम से इसकी समीक्षा होती है और हर तीसरे माह मैं खुद इसकी समीक्षा करता हूं। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि पिछले तीन वर्ष के अंदर हमने जो लक्ष्य निर्धारित किए थे उसे हासिल कर लिया है।" योगी ने सरकार के प्रयासों का परिणाम बताते हुए कहा कि जब हमारी सरकार (वर्ष 2017) आयी थी तो प्रदेश की 12 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था थी, जो इस वित्तीय वर्ष के अंत में 27.50 लाख करोड़ की बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि यह उन स्थितियों में हो रहा है जब पूरी दुनिया कोविड–19 वैश्विक महामारी के बाद आर्थिक मंदी के दौर से गुजरी है। योगी ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में हमारी सरकार ने छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की है। योगी ने कहा कि अकेले महाकुंभ से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि होगी और दुनिया आज राज्य की क्षमता देख रही है।

विचारों में... (पेज एक का शेष) चिंताओं की चुनौतियां हैं।'' जयशंकर ने कहा कि इसके अलावा, केंद्रित आपूर्ति श्रृंखलाओं, व्यापार एवं वित्त के शस्त्रीकरण और डेटा प्रवाह की पारदर्शिता को लेकर भी चिंताएं हैं। उन्होंने कहा, ''कृत्रिम मेधा (एआई) और 'इलेक्ट्रिक' वाहनों, अंतरिक्ष, ड्रोन या हरित हाइड्रोजन पर अलग–अलग प्रगति के स्पष्ट भू–राजनीतिक निहितार्थ हैं।'' उन्होंने कहा कि जी–20 ''हमारे हितों, संस्कृतियों और दृष्टिकोण की विविधता'' को दर्शाता है। मंत्री ने कहा, ''इसी कारण से, विचारों में सामंजस्य स्थापित करने की इसकी क्षमता वैश्विक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों के ''ध्रुवीकरण'' ने स्पष्ट रूप से तनाव और विकृत प्राथमिकताएं पैदा की हैं। जयशंकर ने कहा, ''हम जो कर सकते थे, वह यह था कि इस संस्था की सुरक्षा के लिए किसी तरह पर्याप्त साझा आधार खोजें। आज, इससे आगे जाने की आवश्यकता है।''

उन्होंने पश्चिम एशिया, समुद्री सुरक्षा, यूक्रेन संघर्ष, हिंद–प्रशांत और संयुक्त राष्ट्र सुधारों को लेकर भी भारत के रुख का जिक्र किया। जयशंकर ने कहा कि भारत गाजा युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई का स्वागत करता है, मानवीय सहायता का समर्थन करता है, आतंकवाद की निंदा करता है और द्विराष्ट्र समाधान की वकालत करता है। उन्होंने कहा कि लेबनान में युद्ध विराम को बनाए रखना और सीरिया के नेतृत्व में, सीरिया के स्वामित्व वाले समावेशी समाधान को सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में और इसके आसपास समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। जयशंकर ने कहा, ''भारतीय नौसेना बलों ने अरब सागर और अदन की खाड़ी में इसमें योगदान दिया है। सामान्य समुद्री व्यापार को बहाल करना प्राथमिकता बनी हुई है।'' उन्होंने कहा कि हिंद–प्रशांत क्षेत्र में यह महत्वपूर्ण है कि अंतरराष्ट्रीय कानून – विशेष रूप से समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन 1982 – का सम्मान किया जाए। उन्होंने कहा, ''जो समझौते किए गए हैं, उनका पालन किया जाना चाहिए और बलपूर्वक कार्रवाई के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।'' जयशंकर ने यूक्रेन संघर्ष पर कहा कि भारत ने बातचीत और कूटनीति की लंबे समय से वकालत की है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया अपेक्षा करती है कि संबंधित पक्ष युद्ध को समाप्त करने के लिए एक–दूसरे के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुधारों पर कहा, ''जी–20 के सदस्यों के रूप में हमें यह भी पहचानना होगा कि बहुपक्षवाद खुद भी बहुत क्षतिग्रस्त है। संयुक्त राष्ट्र और इसकी सुरक्षा परिषद में कार्यवाही अक्सर अवरुद्ध हो जाती है। इसे फिर से काम पर लाना ही पर्याप्त नहीं है; इसके काम करने के तरीके और प्रतिनिधित्व को बदलना होगा।'' जयशंकर ने कहा कि वैश्विक घाटे को कम करने के लिए अधिक बहुपक्षवाद की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय सहयोग को कम अस्पष्ट या कम एकतरफा होना चाहिए। वैश्विक एजेंडे को कुछ लोगों के हितों तक सीमित नहीं किया जा सकता।'' उन्होंने कहा कि भू–राजनीति, राष्ट्रीय हित की तरह ही एक वास्तविकता है। मंत्री ने कहा, ''लेकिन कूटनीति और जी–20 जैसे समूह का उद्देश्य साझा आधार खोजना और सहयोग के लिए आधार तैयार करना है।'' उन्होंने कहा, ''हम अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करके, संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान करके और संस्थाओं को संरक्षित करके ऐसा कर सकते हैं। मतभेदों को विवाद नहीं बनना चाहिए, विवादों को संघर्ष नहीं बनना चाहिए और संघर्षों को बड़े विघटन का कारण नहीं बनना चाहिए।''

उप्र के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने 8,08,736 करोड़ रुपये का बजट किया पेश

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025–26 के लिए 8,08,736 करोड़ रुपये का बजट बृहस्पतिवार को पेश किया, जिसमें अनुसंधान एवं विकास और सूचना प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित किया गया है। आगामी वित्त वर्ष के लिए प्रस्तावित बजट में 28,478.34 करोड़ रुपये की नई योजनाएं शामिल की गयी हैं। विधानसभा में बजट पेश करने से पहले इसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दी गयी थी। वित्त मंत्री ने विधानसीाा में बजट पेश करते हुए कहा कि यह 2024–2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है, जिससे राज्य की आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। खन्ना ने कहा कि यह बजट प्रदेश की आर्थिक मजबूती, औद्योगिक विकास तथा रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 1000 अरब की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना है। खन्ना ने कहा कि वित्त वर्ष 2025–26 के बजट में 22 प्रतिशत राशि विकास प्रयोजन के लिए, शिक्षा के लिए 13 प्रतिशत, कृषि व संबद्ध सेवाओं के लिए 11 प्रतिशत जबकि चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र के लिए छह प्रतिशत राशि आवंटित की गई है। खन्ना ने कहा, '' हमने बजट में अनुसंधान, विकास और सूचना प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित किया है। '' वित्त मंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में हुए विकास का उल्लेख करते हुए की। उन्होंने महाकुंभ का जिक्र करते हुए इसे न केवल एक सांस्कृतिक तथा धार्मिक आयोजन बताया, बल्कि इसे भारत की प्राचीन आस्था व सांस्कृतिक अखंडता का प्रतीक करार दिया।

उचित देखभाल... (पेज एक का शेष) खराब होने का डर रहता है। पतले कपड़े को साड़ी पर रख कर प्रेस करें।

रेशमी साड़ी को एक ही बार पहनने के बाद न धोएं। इन्हें घर पर धोएं तो अच्छा रहेगा। रेशमी साड़ी को धोते वक्त पानी में नमक मिला लें व बाद में हल्के साबुन से धोएं। पानी से धोने के बाद इन साड़ियों को निचोड़ना नहीं चाहिए। नल पर ही डाल दें। पानी निकलने पर अच्छी तरह झाड़ कर सुखा दें।

सूती साड़ियों को अच्छी तरह धो कर कलफ लगा कर रखें। कलफ आप घर पर भी लगा सकती हैं। कलफ लगाने से पुरानी सूती साड़ी में भी जान–सी आ जाती है और वह नई–सी लगने लगती है।

साड़ी उतारकर ऐसे ही तह न करें। यदि वह धोनी भी है तो उसे हवा में सुखा देना चाहिए ताकि पसीना सूख जाए। यदि साड़ी कहीं से फट गई है तो उसे रफू करा कर ही दुबारा पहनें। इस प्रकार यदि आप इन सुझावों को ध्यान में रख कर साड़ियों की देखभाल करेंगी तो वे आपका साथ देर तक देने में सहायक होंगी।

अपना स्वास्थ्य... (पेज एक का शेष) का व्यायाम करने से शरीर में आई जकड़न दूर हो जाती है तथा मांस–पेशियां खुल जाती हैं।

, दिनभर में कम से कम 4–5 लिटर पानी पीना चाहिए ताकि शरीर में तरलता बरकरार रहे।

, अपने भोजन में बंद पैकेट वाली वस्तुओं का इस्तेमाल कम कर के प्राकृतिक वस्तुओं का ही इस्तेमाल करें ताकि पौष्टिकता अधिक मात्रा में प्राप्त हो सके जैसे हरी सब्जियां, फल आदि।

, भोजन में अधिक से अधिक सलाद का इस्तेमाल करें जो चेहरे में निखार बनाये रखने में सक्षम है।

, रेस्तरां में जाकर शीतल पेय पीने की बजाय किसी साफ फलों की दुकान पर जा कर फलों के रस का सेवन करें।

, चॉकलेट व मिठाइयों का सेवन कम करें ताकि शरीर थुलथुला होने से बचा रहे।

, इस प्रकार मोटापा हम तक कभी भी नहीं पहुंच पायेगा और शरीर हमेशा स्वस्थ बना रहेगा।

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.co.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

मोदी सोमवार को पीएम–किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे, किसानों को मिलेंगे 22,000 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को पीएम–किसान योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इसमें 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में लगभग 22,000 करोड़ रुपये सीधे स्थानांतरित किए जाएंगे। सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए इस योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को हर चार महीने में 2,000 रुपये देती है। इस तरह तीन बराबर किस्तों में कुल 6,000 रुपये का वार्षिक लाभ मिलता है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''प्रधानमंत्री 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर में एक समारोह में पीएम–किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे।'' उन्होंने कहा कि 9.8 करोड़ किसानों को कुल 22,000 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। चौहान ने कहा कि 18वीं किस्त में लाभार्थियों की संख्या 9.6 करोड़ थी, जो अब बढ़ गई है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) के तहत अब तक कुल 3.46 लाख करोड़ रुपये दिए हैं और अगले सप्ताह 19वीं किस्त जारी होने के बाद यह राशि बढ़कर 3.68 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। फरवरी 2019 में शुरू की गई पीएम–किसान दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना है और इसने किसानों को बीज और उर्वरकों की खरीद के लिए अपने खर्चों को पूरा करने में मदद की है। पंजाब में प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बातचीत के बारे में पूछने पर चौहान ने कहा कि सरकार कृषक समुदाय के साथ बातचीत कर रही है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार उत्पादन बढ़ाने, खेती की लागत कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नयी दिल्ली सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी: रविंद्र इंद्राज

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, नवगठित दिल्ली मंत्रिमंडल में शामिल किये गये बवाना के विधायक रविंद्र इंद्राज सिंह ने शुक्रवार को कहा कि वह मंत्री के तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को प्राथमिकता देंगे। दिल्ली सरकार में सामाजिक कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, सहकारिता एवं निर्वाचन विभाग संभालने वाले सिंह ने कहा कि वह भावी चुनौतियों को समझते हैं। उन्होंने कहा, ''यहां रहने के कारण मैं समस्याओं को पहले से जानता हूं। विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।'' सिंह ने भरोसा दिलाया कि चुनाव में उनकी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले ग्रामीण इलाकों में प्रगति की जाएगी। उन्होंने कहा, ''मुझे मिले मतों को मैं लोगों का आशीर्वाद मानता हूं और मैं सुनिश्चित करूंगा कि विकास हर कोने तक पहुंचे।'' मंत्री ने कहा कि पिछला चुनाव हारने के बावजूद वह लोगों से जुड़े रहे। उन्होंने कहा कि इसी वजह से उन्हें बवाना विधानसभा सीट से शानदार जीत मिली और वह मतों के अंतर के मामले में दूसरे स्थान पर रहे। सिंह ने कहा, ''मुझ पर भरोसा करने और मुझे मंत्री बनाने के लिए मैं नेतृत्व का शुक्रिया अदा करता हूं। मैं मुझ पर भरोसा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा और प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा का भी आभार व्यक्त करता हूं।''

मेरे कार्यकाल में केरल में तीन लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएं पूरी होंगी:गडकरी

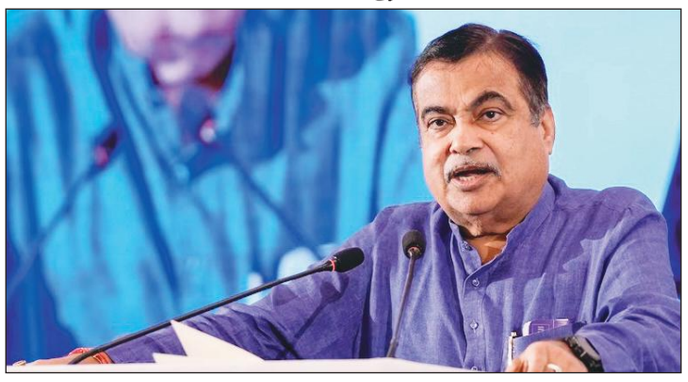

कोच्चि, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान केरल में तीन लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएं पूरी की जाएंगी, जिनमें 50,000 करोड़ रुपये की आगामी परियोजनाएं भी शामिल हैं। गडकरी ने केरल निवेश वैश्विक शिखर सम्मेलन (आईकेजीएस) को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि सड़क क्षेत्र राज्य के लिए महत्वपूर्ण है और इसमें पर्यटन की वृद्धि की संभावना का भी उल्लेख किया। केरल अपने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पर्याप्त प्रयास कर रहा है। गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने राज्य में 20,000 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएं पूरी की हैं और 60,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं जारी हैं। उन्होंने कहा, '' मुझे केरल के लिए कुछ नई परियोजनाओं की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है... सड़क क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है... हमारे पास 896 किलोमीटर लंबी 31 परियोजनाएं हैं जिनकी लागत 50,000 करोड़ रुपये है।'' उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार राज्य में सभी प्रकार के विकास का समर्थन करेगी। सड़क क्षेत्र में कम से कम मेरे कार्यकाल में हम केरल में तीन लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूरी करेंगे।''

दिल्ली विधानसभा सत्र की डेट फाइनल, बीजेपी सरकार इस दिन पेश करेगी कैग रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में नई सरकार के गठन के बाद अब विधानसभा सत्र की तारीख भी फाइनल हो गई है। 24 फरवरी को विधानसभा सत्र की शुरुआत होगी और सत्र 27 फरवरी तक चलेगा। सत्र के संबंध में जानकारी देते हुए होने वाले विधानसभा अध्यक्ष विजेंदर गुप्ता ने बताया कि सदन के शुरू होने के दूसरे दिन यानी कि 25 फरवरी को सरकार कैग की रिपोर्ट पेश करेगी। इस रिपोर्ट में आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार को उजागर किया गया है जिसे अरविंद केजरीवाल ने सदन में पेश नहीं होने दिया था। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक विजेंदर गुप्ता ने कहा कि कैग रिपोर्ट को विधानसभा में प्रस्तुत करना बीजेपी सरकार के सबसे महत्वपूर्ण एजेंडे में से एक है, गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस संबंध में निर्णय भी लिया गया। दिल्ली विधानसभा सत्र के पहले दिन सभी 70 विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के चुनाव के बाद सत्र के अगले दिन सीएजी की रिपोर्ट सदन में रखी जाएगी और फिर इस पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि सीएजी रिपोर्ट को लेकर बीजेपी ने विपक्ष में रहते हुए आम आदमी पार्टी की सरकार, सीएम आतिशी मार्लेना और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को खूब घेरा था। बीजेपी ने विधानसभा चुनाव से पहले इस बात का ऐलान किया था कि चुनाव जीतकर हमारी सरकार विधानसभा सत्र की शुरुआत में सबसे पहले कैग रिपोर्ट को पेश करेगी।

महाकुंभ उत्तर और दक्षिण भारत के श्रद्धालुओं को एकजुट कर रहा है: जोशी

महाकुंभ नगर (उप्र), केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े समागम महाकुंभ को लेकर उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक के लोगों में उत्साह चरम पर है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्यसभा सदस्य डॉक्टर के. लक्ष्मण ने मंगलवार को संगम में स्नान किया। केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा, "भारत का सनातन धर्म, आस्थावान लोगों के लिए एक अलौकिक अनुभव है। देशभर से रोज करोड़ों लोग संगम पहुंच रहे हैं जो भारतीय सनातन धर्म की ताकत का प्रतीक है।" राज्यसभा सदस्य लक्ष्मण ने कहा कि दक्षिण भारत से हजारों–लाखों श्रद्धालु महाकुंभ में शामिल होने आ रहे हैं। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने संगम में स्नान कर खुद को धन्य माना। उन्होंने कहा, "महाकुंभ उन सभी लोगों के लिए ऐतिहासिक दिन है जिनकी हिंदुत्व और ईश्वर में आस्था है।" महाकुंभ पहुंचे आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा, "हमारी भाषा और संस्कृति अलग अलग हो सकती है, लेकिन हमारा धर्म एक है। मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस भव्य आयोजन के लिए धन्यवाद देता हूं।"

अरविंदर सिंह लवली होंगे दिल्ली विधानसभा के 'प्रोटेम स्पीकर' : विजेंद्र गुप्ता

नयी दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक और दिल्ली विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि अरविंदर सिंह लवली सदन में 'प्रोटेम स्पीकर' की भूमिका निभाएंगे। 'प्रोटेम स्पीकर' अस्थायी विधानसभा अध्यक्ष होते हैं, जो पूर्णकालिक अध्यक्ष के चुनाव तक सीमित समय के लिए सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, ''दिल्ली की जनता के जोश और जुनून के अनुरूप कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री के साथ बैठक हुई है, जिसमें आगे की कार्यवाही कैसे आगे बढ़ेगी इस पर कुछ चर्चा हुई है।'' 'प्रोटेम स्पीकर' के सवाल पर गुप्ता ने कहा कि सदन की कार्यसूची शाम तक जारी कर दी जाएगी और यह भूमिका लवली अदा करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली में सरकार बनाई। रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी की नई मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। रामलीला मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में छह मंत्रियों ने भी शपथ ली। विजेंद्र गुप्ता के दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष बनने की संभावना है।

जीएमआर को 2030–31 तक हैदराबाद हवाई अड्डे पर यात्रियों की संख्या पांच करोड़ होने की उम्मीद

हैदराबाद, (भाषा) राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करने वाले जीएमआर समूह को वित्त वर्ष 20230–31 तक यहां यात्रियों की संख्या पांच करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके चालू वित्त वर्ष 2024–25 में 2.9 करोड़ रहने के आसार हैं। जीएचआईएएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रदीप पणिक्कर ने कहा कि कंपनी मौजूदा कार्गो टर्मिनल के विस्तार के लिए 370 करोड़ रुपये निवेश करने की प्रक्रिया में है। इसके अलावा एक नया टर्मिनल बनाने की भी योजना है, जिससे इसकी क्षमता सालाना चार लाख टन के करीब हो जाएगी। पणिक्कर ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, '' हम देश में सबसे तेजी से विकसित होता हवाई अड्डा हैं। वित्त वर्ष 2023–2024 (31 मार्च 2024 को समाप्त) में हमारे यात्रियों की संख्या 2.5 करोड़ थी। चालू वित्त वर्ष 2024–25 (31 मार्च 2025 को समाप्त) में इसे 2.9 करोड़ तक पहुंच जाना चाहिए। हमारे अनुमानों के अनुसार 2030–31 तक यात्रियों की संख्या पांच करोड़ तक पहुंच जाएगी।'' हवाई अड्डे पर चार लाख यात्रियों को संभालने के लिए चरणबद्ध तरीके से आवश्यक बुनियादी ढांचा पहले ही तैयार कर लिया गया है।

केरल निवेश शिखर सम्मेलन में गोयल ने 'सिल्वरलाइन' परियोजना का किया जिक्र

कोच्चि (केरल), केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को बंदरगाह सहित राज्य में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए 'सिल्वरलाइन' को एक परिवर्तनकारी अर्ध–उच्च गति रेल गलियारा बताया जो तिरुवनंतपुरम और कासरगोड को जोड़ेगा। केरल निवेश वैश्विक शिखर सम्मेलन (आईकेजीएस) में गोयल ने कहा, '' तिरुवनंतपुरम को कासरगोड से जोड़ने वाली अर्ध–उच्च गति रेलवे लाइन 'सिल्वरलाइन' से यात्रा का समय घटकर चार घंटे रह जाएगा।'' केरल सरकार और रेल मंत्रालय के बीच एक संयुक्त उद्यम 'के–रेल' द्वारा विकसित की जाने वाली प्रस्तावित 530 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन व्यापक सार्वजनिक विरोध, राजनीतिक दलों के विरोध और केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने में देरी के कारण रुकी हुई है। इससे पहले, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के केरल के प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान करने पर इस पर आगे बढ़ने की बात कहने के बाद इस परियोजना को नई उम्मीद मिली थी। केरल की पिछले साल अपनी यात्रा के दौरान वैष्णव ने कहा था कि उन्होंने नई दिल्ली में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के साथ बैठक में इस पर चर्चा की थी। इसके बाद, केरल रेल विकास निगम के अधिकारियों ने पिछले वर्ष दिसंबर में दक्षिणी रेलवे के अधिकारियों के साथ चर्चा की। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी सहित विपक्षी दल इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं, उनका तर्क है कि इससे बड़े पैमाने पर परिवारों का विस्थापन होगा और पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचेगा। शिखर सम्मेलन में गोयल की टिप्पणियों और उनके केंद्र सरकार के केरल के विकास को लेकर आश्वासन देने से एकबार फिर 'सिल्वरलाइन' के भविष्य को लेकर उम्मीद जग रही हैं।

उत्तर प्रदेश : जेलों में बंद कैदियों ने प्रयागराज से लाये गये संगम के जल से स्नान किया

लखनऊ/मेरठ/बागपत, (भाषा) उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और प्रयागराज की नैनी समेत 75 जेलों में बंद कैदियों ने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में संगम से लाए गए जल से स्नान किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश जेल प्रशासन ने इसके लिए व्यवस्था की और प्रयागराज के संगम से जल को राज्य भर की 75 जेलों में पहुंचाया। प्रदेश सरकार में जेल मंत्री दारा सिंह चौहान ने लखनऊ जेल में इस कार्यक्रम की देखरेख की। दारा सिंह चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, "मुझे लगा कि दुनिया भर के लोग संगम तक पहुंच सकते हैं, लेकिन हमारी जेल के कैदी ऐसा नहीं कर सकते। इसलिए हमने जेल में अपने कैदियों के लिए व्यवस्था करने का फैसला किया।" जेल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य भर में सात केंद्रीय जेलों सहित 75 जेलों में वर्तमान में 90,000 से अधिक कैदी बंद हैं। जेल महानिदेशक (डीजी) पीवी रामाशास्त्री ने बताया कि संगम से जल सभी जेलों में लाया गया और सामान्य पानी के साथ मिलाकर जेल परिसर के भीतर एक छोटे से टैंक में संग्रहित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कैदियों ने स्वेच्छा से प्रार्थना के बाद पानी से स्नान किया। मेरठ जेल के अधीक्षक वी आर शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान के निर्देश पर संगम नगरी प्रयागराज से गंगा जल मंगवाकर जेल परिसर में एक छोटा स्नानागार बनवाया गया है, जिसमें पानी भरा गया।

डीएमआरसी ने सभी गलियारों में इंटरनेट कनेक्टिविटी सुधारने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने शुक्रवार को अपने सभी गलियारों (कॉरिडोर) में इंटरनेट कनेक्टिविटी सुधारने के लिए एक दूरसंचार कंपनी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इस पहल के तहत 'बेकहॉल डिजिटल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड' एयरपोर्ट लाइन सहित सभी मेट्रो लाइन पर 700 किलोमीटर 'फाइबर ऑप्टिक' केबल बिछाएगी। बयान में कहा गया कि केबल बिछाने का काम कई चरणों में होगा, लेकिन सबसे पहले पिंक और मैजेंटा लाइन पर काम को पूरा किया जाएगा। बाकी लाइन पर अगले छह महीनों में केबल बिछाये जाने की उम्मीद है। उच्च गति (हाई–स्पीड) वाले इंटरनेट के लिहाज से फाइबर नेटवर्क रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करेगा जो दूरसंचार कंपनियों, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, डेटा केंद्रों और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के लिहाज से लाभदायक साबित होगा। यह दिल्ली–एनसीआर में 5जी सेवाओं को सुचारु रूप से शुरू करने में भी मदद करेगा। बयान में कहा गया कि यह पहल भारत सरकार के डिजिटल रूप से एकीकृत राष्ट्र के दृष्टिकोण का समर्थन करती है। यह दूरसंचार कंपनियों को तेज, अधिक विश्वसनीय इंटरनेट सेवा प्रदान करने में मदद करेगा जबकि डीएमआरसी को अपने मौजूदा बुनियादी ढांचे का बेहतर उपयोग करने में समर्थ बनाएगा। इसमें कहा गया है कि 'हाई–स्पीड' इंटरनेट और 5जी के विस्तार की बढ़ती मांग के साथ, यह परियोजना दिल्ली को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने और इसे भविष्य के अनुरूप तैयार होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात की

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यहां शुक्रवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। उपराष्ट्रपति के सचिवालय ने धनखड़ के आधिकारिक आवास पर हुई इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। गुप्ता ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इस महीने के शुरू में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत हासिल कर आम आदमी पार्टी (आप) से सत्ता छीन ली थी।

नवगठित दिल्ली विधानसभा के पहले सत्र में कैग रिपोर्ट पेश की जाएंगी

नयी दिल्ली, (भाषा) नवगठित दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू होगा जिसमें लंबित कैग रिपोर्ट पेश की जाएंगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सत्र 24, 25, 27 फरवरी को आयोजित किया जाएगा तथा आम आदमी पार्टी (आप) की पिछली सरकार के प्रदर्शन से जुड़ी 14 लंबित कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) रिपोर्ट सदन में पेश की जाएंगी। नवनिर्वाचित विधायकों को 24–25 फरवरी को शपथ दिलाई जाएगी और 26 फरवरी को शिवरात्रि की छुट्टी के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार कैग रिपोर्ट पेश करेगी। इससे पहले दिल्ली में 'आप' सरकार के दौरान भाजपा ने अदालत से गुहार लगाई थी कि सरकार को कैग रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया जाए। भाजपा ने 'आप' सरकार पर अपने ''भ्रष्टाचार'' को छिपाने के लिए रिपोर्ट को रोकने का आरोप लगाया था। इस महीने की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा ने दिल्ली में नयी सरकार बनाई है। विधानसभा में उसके 48 विधायक हैं जबकि विपक्षी आम आदमी पार्टी के 22 विधायक हैं।

साहित्य कानून का मानवीकरण करता है: पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि साहित्य कानून को मानवीय बनाता है और यह कानूनी पुस्तकों में संदर्भ और करुणा के बीच के अंतर को पाट सकता है। पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने 'ओकब्रिज पब्लिशिंग' द्वारा आयोजित 'विधि उत्सव 2025 – विधि, कानूनी साहित्य और प्रकाशकों का उत्सव' के उद्घाटन समारोह में कहा, ''साहित्य कानून को मानवीय बनाता है। कानूनी पाठ में संदर्भ, करुणा और व्यापकता की जो कमी हो सकती है, उसे साहित्य से पाटा जा सकता है। चूंकि वकील, कानूनी पेशेवर और न्यायाधीश नैतिक निर्णय लेते हैं, इसलिए बदलती दुनिया में कानून हमेशा कम पड़ सकता है और यहां तक कि स्थापित विचारों को भी गहन समझ की आवश्यकता हो सकती है।'' उन्होंने कहा कि न्यायालय की पीठ को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उप–वर्गीकरण की वैधता पर निर्णय लेते समय सामाजिक वास्तविकताओं की गहन समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक और सांख्यिकीय समझ की आवश्यकता थी। चंद्रचूड़ ने कहा, ''कानून से परे देखना परिप्रेक्ष्य और स्पष्टता के लिए आवश्यक है। जमीनी स्तर से उभरने वाले बारीक आंकड़ों की जानकारी नियमित रूप से कानूनी संस्थाओं को मिलनी चाहिए ताकि यह हमारी बदलती दुनिया के साथ तालमेल बनाकर चल सकें।'' उन्होंने कहा कि साहित्य कानून और समाज के बीच मध्यस्थ है और कानून के लिए सुधारात्मक उपकरण है।

तमिलनाडु 'दो–भाषा' नीति का पालन करेगा : उदयनिधि स्टालिन

चेन्नई, (भाषा) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) से संबंधित विवाद के बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर हमला करने को लेकर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर पलटवार किया और कहा कि राज्य केवल 'दो–भाषा' नीति का पालन करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य केंद्र से केवल अपने द्वारा दिए गए करों में से अपना उचित हिस्सा मांग रहा है। उदयनिधि ने कहा, ''हम अपना हिस्सा, करीब 2150 करोड़ रुपये मांग रहे हैं। वे (केंद्र) चाहते हैं कि हम एनईपी और 'तीन भाषा' नीति को स्वीकार करें। तमिलनाडु हमेशा से तीन भाषा नीति का विरोध करता रहा है, इसलिए इसमें राजनीति करने की क्या बात है।'' द्रमुक नेता ने संवाददाताओं से कहा, ''शिक्षा तमिलों का अधिकार है, कृपया समझें कि राजनीति कौन कर रहा है।'' इससे पहले दिन में, प्रधान ने एनईपी के कार्यान्वयन पर जारी विवाद को लेकर स्टालिन पर हमला किया और उन पर ''रा. जनीतिक विमर्श बनाए रखने के लिए प्रगतिशील सुधारों को खतरे में डालने'' का आरोप लगाया। स्टालिन को लिखे पत्र में प्रधान ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर युवा शिक्षार्थियों के हितों के बारे में सोचना चाहिए, जिन्हें नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति से लाभ होगा। शिक्षा मंत्री स्टालिन द्वारा बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र का जवाब दे रहे थे। अपने पत्र में स्टालिन ने कहा कि दो केंद्र प्रायोजित पहलों– समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) और पीएम श्री स्कूल– को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के साथ जोड़ना मौलिक रूप से अस्वीकार्य है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में प्रधान ने कहा, ''प्रधानमंत्री को भेजा गया पत्र मोदी सरकार द्वारा प्रोत्साहित सहकारी संघवाद की भावना के बिल्कुल विपरीत है। इसलिए, राज्य के लिए एनईपी 2020 को अदूरदर्शी दृष्टि से देखना और अपने राजनीतिक विमर्श को बनाए रखने के लिए प्रगतिशील शैक्षिक सुधारों को खतरे में डालना अनुचित है।'' तमिलनाडु और केंद्र सरकार राज्य में एनईपी के कार्यान्वयन को लेकर आमने–सामने हैं। द्रमुक सरकार ने शिक्षा मंत्रालय पर महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए धन रोकने का आरोप लगाया है।

बारीकियों पर काम करने और अपने फन के प्रति वफादारी से मिली सफलता : शमी

दुबई, भाषा, चोट के कारण क्रिकेट से दूर रहने का कठिन दौर पीछे छोड़कर आये भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा कि बारीकियों पर काम करने और अपने कौशल के प्रति वफादार रहने से उन्हें आईसीसी टूर्नामेंटों में कामयाबी मिलती है जिसमें उनका फोकस किफायती गेंदबाजी पर नहीं बल्कि विकेट लेने पर रहता है । शमी ने चैम्पियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में पांच विकेट लिये जिसकी मदद से भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज की । वह 200 वनडे विकेट तक सबसे तेजी से पहुंचने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज भी बन गए। शमी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,''आईसीसी टूर्नामेंटों में अगर मेरी गेंदों पर रन भी बनते हैं तो चलता है लेकिन विकेट मिलने चाहिये । उसी से टीम को फायदा होगा । मैं हमेशा यही सोचता रहता हूं ।'' शमी को 2023 वनडे विश्व कप के दौरान टखने में चोट लगी थी जिसके बाद वह 14 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे । उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के जरिये वापसी की और अब जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय आक्रमण की कमान संभाल रहे हैं । शमी ने कहा ,'' मैं अपने फन को पूरी वफादारी से निखारने की कोशिश करता हूं । आप अपने कौशल के प्रति कितने वफादार हैं या अपने लक्ष्य को पाने की कितनी भूख आपके भीतर है । आप कैसे लय हासिल कर सकते हैं । भूख होना जरूरी है ।'' उन्होंने कहा कि वह हमेशा बारीकियों पर काम करते आये हैं जिससे उन्हें मदद मिलती है । उन्होंने कहा ,'' लय सही होनी जरूरी है । गेंदबाजी करते समय असहज तो नहीं हैं । मैं इन चीजों पर ध्यान देता हूं । नतीजे पर ध्यान नहीं देता । वर्तमान पर फोकस रहता है और जरूरत के हिसाब से गेंदबाजी करता हूं ।'' वनडे क्रिकेट में छठी बार पांच विकेट लेने वाले शमी ने बताया कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत को हारते देख वह कितने दुखी थे जब बुमराह ने अकेले दम पर गेंदबाजी का जिम्मा संभाल रखा था । उन्होंने कहा ,'' यह काफी कठिन था । जब आप टीम को इस तरह देखते हैं या कोई करीबी मुकाबला होता है तो आप अपने साथ गेंदबाजी करने वाले को , अपनी टीम को याद करते हैं । मुझे ऐसा लग रहा था कि काश मैं वहां होता । मैं कुछ योगदान दे पाता ।'' शमी ने कहा कि चोट से वह कदर टूट चुके थे कि एकबारगी उन्हें लगा कि अब वह कभी खेल नहीं सकेंगे । उन्होंने कहा कि पिछले साल के आखिर में घरेलू क्रिकेट में वापसी करके उनका आत्मविश्वास फिर लौटा । उन्होंने कहा ,'' घरेलू मैच खेलकर मैने अपनी लय और आत्मविश्वास पाया । पिछले 14 महीने या चोट के बाद के बदलाव को महसूस किया । मुझे चार अंतरराष्ट्रीय और आठ , नौ , दस घरेलू मैच खेलने को मिले जिससे आत्मविश्वास बढा ।' पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर हाइप के बारे में उन्होंने कहा ,'' उसी मानसिकता से खेलना अहम है जिससे जीत मिली है । आईसीसी टूर्नामेंट या किसी अंतरराष्ट्रीय मैच विशेष के बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है ।''

कतर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए कार्लोस अल्काराज़ ने बहाया पसीना

दोहा, (एपी) शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने लुका नारडी को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6–1, 4–6, 6–3 से हराकर कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। स्पेन का यह 21 वर्षीय खिलाड़ी दूसरे सेट में एक समय 4द्1 से आगे था लेकिन इटली के खिलाड़ी ने इसके बाद शानदार वापसी करके मैच को तीसरे और निर्णायक सेट तक खींच दिया। अल्काराज का अगला मुकाबला जिरी लेहेका से होगा। इस बीच दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर ने बोटिक वैन डी ज़ैंडस्चुल्प को 6–4, 6–4 से हराकर पांचवीं वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच तय किया। चौथी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने ज़िज़ौ बर्ग्स को 6–2, 6–1 से हराया। वह अंतिम आठ में फेलिक्स ऑगर अलियासिमे से भिड़ेंगे। जैक ड्रेपर ने क्रिस्टोफर ओ'कोनेल को 6–2, 6–1 से पराजित किया। उनका अगला मुकाबला माटेओ बेरेटिनी से होगा, जिन्होंने टालोन ग्रिक्सपुर को 7–6 (4), 6–7 (6), 6–4 से हराया। बेरेटिनी ने पिछले दौर में नोवाक जोकोविच को हराया था।

कतर ओपन में कार्लोस अल्काराज को जिरि लेहेका ने हराया

दोहा, (एपी) शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज को इस साल की दूसरी पराजय का सामना करना पड़ा जब 25वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका ने उन्हें कतर ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में 6 . 3, 3 . 6, 6 . 4 से हराया । स्पेन के 21 वर्ष के अल्काराज को 2025 में आस्ट्रेलियाई ओपन क्वार्टर फाइनल में नोवाक जोकोविच ने हराया था । इस महीने की शुरूआत में दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ने रोटरडम ओपन जीता था । अल्काराज ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' मैने अपनी टीम और कोच से बात की है । मुझे नहीं पता कि कहां कमी रह गई । उसने शानदार खेल दिखाया और उसे श्रेय दिया जाना चाहिये ।'' अब लेहेका का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर से होगा जिन्होंने मात्तेओ बेरेतिनी को 4 . 6, 6 . 4, 6 . 3 से हराया । इससे पहले पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डि मिनाउर को 4 . 1, 3 . 6, 7 . 6 से परास्त किया । अब वह कनाडा के फेलिक्स आगर एलियास्सिमे से खेलेंगे ।

बुमराह के साथ गेंदबाजी करके काफी कुछ सीखा : हर्षित राणा

दुबई, (भाषा) बेहद कम समय में तीनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने अपनी निरंतरता और शीर्ष स्तर पर खेल के अनुकूल ढलने का श्रेय जसप्रीत बुमराह को दिया । तेईस वर्ष के राणा ने दिसंबर में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न टी20 और वनडे श्रृंखला में सीमित ओवरों की टीम में पदार्पण किया । आस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें बुमराह के साथ खेलने का मौका मिला । राणा ने बांग्लादेश पर चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बृहस्पतिवार को छह विकेट से मिली जीत के बाद कहा ,'' मुझे जस्सी भाई के साथ गेंदबाजी करके काफी फायदा मिला । उनके पास काफी अनुभव है और वह हमेशा मुझे मार्गदर्शन देते रहे हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' हम आस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों के बारे में और विभिन्न प्रारूपों के बारे में बात करते थे । मुझे इससे काफी फायदा मिला । मैने उनसे निरंतरता सीखी है ।'' उन्होंने भारत के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल की भी तारीफ की जिन्होंने उनकी लाइन और लैंग्थ पर काम किया । उन्होंने कहा ,'' मैने उनसे भी बहुत कुछ सीखा । उन्होंने मेरी लाइन और लैंग्थ पर काफी काम किया है । कप्तान और कोच से भी सहयोग मिला जिसकी वजह से ही मैं खेल रहा हूं । मुझे शुरूआत में मौके नहीं मिले लेकिन मैने इंतजार किया । मैं अभ्यास में हमेशा अपना शत प्रतिशत देता था ।''

ओसीए ने 2026 एशियाड के लिए ईस्पोर्ट्स कार्यक्रम का विस्तार किया, भारत की पदक की उम्मीदें बढ़ीं

नयी दिल्ली, (भाषा) एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने 2026 एशियाई खेलों में ईस्पोर्ट्स कार्यक्रम में विस्तार करने का फैसला किया है और अब इसमें 11 खिताब दाव पर लगे होंगे जिससे भारत की पदक संभावनाओं को बढ़ावा मिला है। ओसीए के कार्यकारी बोर्ड ने चीन के हार्बिन में अपनी बैठक के दौरान स्ट्रीट फाइटर 6, पोकेमॉन यूनाइट, ऑनर ऑफ किंग्स, लीग ऑफ लीजेंड्स – एशियाई खेलों का संस्करण, पबजी – एशियाई खेलों का संस्करण, मोबाइल लीजेंड्स – बैंग बैंग, नाराकाः ब्लेडपॉइंट, ग्रैन टूरिज्मो 7, ईफुटबॉल सीरीज और पुयो पुयो चैंपियंस को 2026 एशियाई खेलों में पदक स्पर्धाओं के रूप में शामिल करने को मंजूरी दी। 2022 हांग्झोउ एशियाई खेलों में ईस्पोर्ट्स ने सात खिताबों के साथ आ. धिकारिक पदक स्पर्धा के रूप में शुरुआत की थी। भारत ने इनमें से केवल चार में प्रतिस्पर्धा की थी। भारत में अन्य स्पर्धा प्रतिबंधित थी। छह नए खिताबों को शामिल करने और 2022 के दो खिताबों को हटाने के साथ भारत के ईस्पोर्ट्स दल के बढ़ने की संभावना है। पबजी और मोबाइल लीजेंड्स – बैंग बैंग पर अब भी प्रतिबंध होने के बावजूद दल में बढ़ोतरी होगी। भारतीय ईस्पोर्ट्स महासंघ के निदेशक और एशियाई ईस्पोर्ट्स महासंघ के उपाध्यक्ष लोकेश सूजी ने एक विज्ञप्ति में कहा, '' ओसीए का ईस्पोर्ट्स कार्यक्रम को 11 खिताबों तक विस्तारित करने का फैसला भारत के लिए शानदार चीज है। इससे सिर्फ ऐची–नागोया 2026 में पदक जीतने की हमारी संभावनायें ही नहीं बढ़ेंगी बल्कि यह हमारे युवाओं के बीच नए खिताबों के बारे में अधिक जागरूकता और भागीदारी का मार्ग भी प्रशस्त करता है। ''

कोहली फॉर्म में वापसी के लिए खुद पर बहुत अधिक दबाव बना रहे हैं: कुंबले

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुंबले का मानना है कि विराट कोहली फॉर्म में वापसी के लिए खुद पर बहुत अधिक दबाव बना रहे हैं और उन्होंने इस स्टार बल्लेबाज को तनाव मुक्त रहने की सलाह दी है। कोहली ने वनडे विश्व कप 2023 के बाद इस प्रारूप में जो छह पारियां खेली हैं उनमें वह केवल 137 रन ही बना पाए हैं जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। कुंबले ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, '''मुझे लगता है कि वह कुछ ज्यादा ही प्रयास कर रहे हैं। वह जिस तरह से अपनी पारी आगे बढ़ा रहे हैं उसमें आप इसे देख सकते हैं। उन्हें इसके बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''रोहित शर्मा को देखिए वह खुलकर खेलते हैं क्योंकि आगे काफी बल्लेबाज हैं और वे सभी शानदार फॉर्म में हैं। इसी तरह से विराट को भी किसी चीज की चिंता किए बिना खुलकर खेलने की जरूरत है।'' कुंबले ने कहा, ''सभी खिलाड़ी अपने करियर में मुश्किल दौर से गुजरते हैं लेकिन उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखकर मुझे ऐसा लगता है कि वह खुद पर बहुत अधिक दबाव डाल रहे हैं।'' इस पूर्व भारतीय कप्तान का मानना है सहज होकर खेलने से कोहली इस खराब दौर से बाहर निकाल सकते हैं। कुंबले ने कहा, ''जब आप पर इस तरह का दबाव होता है और आप पर अपेक्षाओं का बोझ बन जाता है तो आप अचानक ही इस तरह की चीजों को अनावश्यक महत्व देने लग जाते हो और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बहुत अधिक प्रयास करने लग जाते हो।'' उन्होंने कहा, ''जब आप ऐसा करते हो तो वास्तव में आप तनाव मुक्त नहीं होते हो। मुझे पूरा यकीन है कि जब उन्होंने अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी खेली होगी तब वह इस तरह की चीजों के बारे में नहीं सोच रहे होंगे।''

अगर ऐंठन नहीं आई होती तो और रन बना सकता था : हृदय

दुबई, (भाषा) भारत के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में शतक जमाने वाले बांग्लादेश के बल्लेबाज तौहीद हृदय का मानना है कि अगर वह ऐंठन के शिकार नहीं हुए होते तो और रन बना सकते थे । बांग्लादेश ने एक समय 35 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे जिसके बाद तौहीद (100) और जाकिर अली (68) ने छठे विकेट के लिये 158 रन की साझेदारी की और टीम को 229 रन तक ले गए । बांग्लादेश को हालांकि छह विकेट से पराजय का सामना करना पड़ा । तौहीद उस समय 88 रन पर थे जब एक रन लेते समय ऐंठन का शिकार हो गए । इसके बाद उनके लिये बल्लेबाजी करना मुश्किल हो गया था लेकिन वह आउट होने वाले आखिरी बांग्लादेशी बल्लेबाज रहे । उन्होंने कहा ,''बाहर से यह आसान लग रहा था लेकिन पांच विकेट गिरने के बाद आसान नहनीं था । मैं संयम के साथ खेल रहा था और खुद से बात कर रहा था कि इससे कैसे निकला जाये। मुझे भरोसा था कि अगर मैं टिक गया तो डॉट गेंदों की भरपाई कर लूंगा ।'' उन्होंने कहा ,'' अगर ऐंठन नहीं आई होता तो 20 . 30 रन और बना लेता । शतक से मुझे भविष्य के लिये आत्मविश्वास मिला ।'' तौहीद ने कहा कि अगर बांग्लादेश 50 रन और बना लेता तो जीत सकता था । उन्होंने कहा ,'' मुझे लगता है कि 270 के आसपास का स्कोर बेहतर होता । हमने शुरूआती विकेट जल्दी गंवा दिये जिसके बाद मैने साझेदारी बनाने पर फोकस रखा । जब मैं और जाकिर खेल रहे थे तो हम यही बात कर रहे थे। जाकिर अगर बड़ी पारी खेल जाता तो हमारे लिये आसान होता । लेकिन खेल में यह सब चलता है ।''

गिल के शतक से भारत को पाकिस्तान, न्यूजीलैंड मैचों से पहले आत्मविश्वास मिला

बेंगलुरू, (भाषा) शुभमन गिल इन दिनों एक दिवसीय क्रिकेट की 'रन मशीन' साबित हो रहे हैं और उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैच कहां खेला जा रहा है या विरोधी टीम कौन सी है । इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद दुबई में चैम्पियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ भारत के पहले मैच में उनके सामने चुनौती अलग थी । पिच धीमी थी और गेंदबाज लगातार बल्लेबाजों की कमियां तलाश रहे थे । इसके बावजूद गिल ने आठवां वनडे शतक जड़ा और भारत को छह विकेट से जीत दिलाई । उन्होंने 125 गेंद में शतक पूरा किया जो उनका सबसे धीमा शतक है लेकिन शायद कैरियर का सबसे महत्वपूर्ण भी । बरसों से भारतीय बल्लेबाजी की धुरी रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली के कैरियर के आखिरी दौर में गिल का फॉर्म भारतीय टीम के लिये अच्छा संकेत है । पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मैचों में भारत को उनसे इसी प्रदर्शन की जरूरत होगी । बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने कुछ बेहतरीन स्ट्रोक्स लगाये जिसमें तेज गेंदबाज तंजीम हसन को लगाया पूल शॉट शामिल है । स्पिनरों और तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान को भी उन्होंने सहजता से खेला और इस दौरान 52 गेंद में 30 रन ही बनाये लेकिन उस समय विकेट बचाकर खेलना ज्यादा जरूरी था । गिल ने बाद में मेजबान प्रसारक से कहा ,'' यह मेरे कैरियर की सबसे संतोषजनक पारियों में से एक थी । मुझे अंत तक टिककर खेलना था और मैने वही कोशिश की ।'' कप्तान रोहित ने भी कहा ,' वह पिछले कुछ समय से शानदार बल्लेबाजी कर रहा है और बांग्लादेश के खिलाफ भी उसने इस लय को जारी रखा । इसमें हैरान होने की जरूरत नहीं है । यह देखकर अच्छा लगा कि वह अंत तक टिका रहा ।''

यूपी वारियर्स की नजरें खाता खोलने और दिल्ली कैपिटल्स की शीर्ष स्थान पर

बेंगलुरू, (भाषा)दिल्ली कैपिटल्स की नजरें महिला प्रीमियर लीग के मैच में शनिवार को यूपी वारियर्स को हराकर शीर्ष स्थान पर कब्जा करने पर लगी होंगी जबकि यूपी की टीम सत्र में पहली जीत दर्ज करने की कोशिश में होगी । फिलहाल अंक तालिका में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बाद दूसरे स्थान पर काबिज दिल्ली ने तीन में से दो मैच जीते हैं । दूसरी ओर यूपी वारियर्स लगातार दो मैच हारकर सबसे नीचे है । दोनों टीमों के बीच वडोदरा में हुए पिछले मैच में दिल्ली ने सात विकेट से जीत दर्ज की थी । टूर्नामेंट से पहले खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही दिल्ली की टीम कप्तान मेग लानिंग के फॉर्म में लौटने से मजबूत हुई है । इसके अलावा मध्यक्रम में मरियाने कैप और अनाबेल सदरलैंड ने अच्छा योगदान दिया है । सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और जेमिमा रौड्रिग्स से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी । गेंदबाजी में शिखा पांडे ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन दूसरे छोर से उन्हें सहयोगी नहीं मिल पा रहा । यूपी वारियर्स की कमजोर कड़ी फील्डिंग साबित हुई है जिसके खिलाड़ियों ने तीन कैच टकपाये और कई मिसफील्ड की जिसका उसे खामियाजा भुगतना पड़ा । कप्तान दीप्ति शर्मा ने पिछला मैच हारने के बाद कहा था ,'' अगर हम कैच लपक पाते तो नतीजा कुछ और होता लेकिन यह सब चलता रहता है ।' दीप्ति, उमा छेत्री और सलामी बल्लेबाज वृंदा दिनेश को अच्छी पारियां खेलनी होगी । किरण नवगिरे ने आक्रामक अर्धशतक जमाया लेकिन श्वेता सेहरावत और चिनेले हेनरी को छोड़कर बल्लेबाज चल नहीं सके ।

टीमें : दिल्ली कैपिटल्सः मेग लैनिंग (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, स्नेह दीप्ति, एलिस कैप्सी, एनाबेल सदरलैंड, अरुंधति रेड्डी, जेस जोनासेन, मरियाने कैप, मिन्नू मणि, एन चरणी, निकी प्रसाद, राधा यादव, शिखा पांडे, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तानिया भाटिया (विकेटकीपर), सारा ब्राइस (विकेटकीपर), टिटास साधु।

यूपी वारियर्सः दीप्ति शर्मा (कप्तान), अरुशी गोयल, किरण नवगिरे, श्वेता सहरावत, वृंदा दिनेश, चमारी अटापट्टू, चिनेले हेनरी, ग्रेस हैरिस, क्रांति गौड़, पूनम खेमनार, सोफी एक्लेस्टोन, ताहलिया मै. कग्राथ, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अलाना किंग, अंजलि सरवानी, गौहर सुल्ताना, राजेश्वरी गायकवाड़, साइमा ठाकोर।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

भारतीय छात्र ने 'मेमोरी लीग' विश्व चैम्पियनशिप 2025 जीती

न्यूयॉर्क, (भाषा) भारतीय छात्र विश्वा राज. कुमार ने 13.50 सेकंड में 80 क्रमरहित संख्याओं और 8.40 सेकंड में 30 छवियों को याद करके 'मेमोरी लीग' विश्व प्रतियोगिता 2025 जीत ली। 'मेमोरी लीग' विश्व प्रतियोगिता एक कठिन ऑनलाइन प्रतियोगिता होती है। 'मेमोरी लीग' वेबसाइट के अनुसार, 20 वर्षीय राजकुमार 5,000 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहे। हाल ही में आयोजित प्रतियोगिता में राजकुमार ने 13.50 सेकंड में 80 संख्याएं और 8.40 सेकंड में 30 चित्र याद किए। राजकुमार की 'लिंक्डइन प्रोफाइल' के अनुसार, वह पुडुचेरी स्थित 'मानाकुला विनयागर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' के छात्र हैं। राजकुमार ने चीजों को याद करने की अपनी तकनीक और रणनीतियों के बारे में बात करते हुए 'न्यूयॉर्क टाइम्स' से कहा, ''शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपके मस्तिष्क को मदद मिलती है।'' उन्होंने कहा, ''मान लीजिए कि आप कोई किताब पढ़ रहे हैं। आप उसे जोर से बोलकर नहीं पढ़ रहे लेकिन आप अपने मन में चीजें बोल रहे हैं। अगर आप बहुत सारा पानी नहीं पीते हैं तो आपकी गति थोड़ी धीमी रहेगी। अगर आप बहुत सारा पानी पीते हैं तो आप तेजी से पढ़ पाएंगे।'' राजकुमार ने कहा कि यह प्रतियोगिता जीतने के बाद वह अपने आंसुओं को रोक नहीं पाए। उन्होंने कहा, ''वे आपको 80 क्रमरहित संख्याएं देते हैं जिन्हें वे 'स्क्रीन' पर दिखाते हैं। आपको उन सभी संख्याओं को यथासंभव तेजी से याद करना होता है, फिर एक बटन क्लिक करने पर एक 'शीट' दिखाई देती है। मैंने सभी 80 अंक लिख लिए – और मैंने उन्हें सही से याद किया था। इस विश्व प्रतियोगिता में 80 क्रमरहित अंकों को याद करने का मेरा सबसे कम समय 13.5 सेकंड था, यानी लगभग छह अंक प्रति सेकंड।'' उन्होंने कहा कि कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह याददाश्त को तेज करने में मदद करने वाला प्रशिक्षक बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह इसके लिए भारत में एक संस्थान खोलना चाहते हैं जहां लोगों को याददाश्त तेज करने की तकनीक सिखाई जाएंगी।

चैम्पियंस ट्रॉफी : इंग्लैंड का सामना सितारों के बिना उतरे एशेज प्रतिद्वंद्वी आस्ट्रेलिया से

लाहौर, (भाषा) खराब फॉर्म से जूझ रही इंग्लैंड टीम का सामना चैम्पियंस ट्रॉफी में अपने पहले मैच में एशेज प्रतिद्वंद्वी आस्ट्रेलियाई टीम से होगा जो प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने से उनके बगैर खेल रही है । दोनों टीमों एक दिवसीय प्रारूप में संघर्ष करती नजर आ रही है । विश्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया को पिछली दो श्रृंखलाओं में श्रीलंका (0 . 2) और पाकिस्तान (1 . 2) ने हराया । दूसरी ओर कोच ब्रेंडन मैकुलम की इंग्लैंड टीम ने 2023 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद से कोई वनडे श्रृंखला नहीं जीती है । जोस बटलर की कप्तानी वाली टीम को भारत ने 3 . 0 से हराया । पिछली बार सितंबर 2024 में दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की वनडे श्रृंखला आस्ट्रेलिया ने 3 . 2 से जीती थी । उसके बाद से हालांकि आस्ट्रेलिया के पांच प्रमुख खिलाड़ी चोटों के कारण टीम से बाहर है । उनके तेज गेंदबाजों की धुरंधर तिकड़ी पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क चोट के कारण नहीं खेल रहे हैं । हरफनमौला मिचेल मार्श (कमर की चोट) , कैमरन ग्रीन (चोट) के अलावा मार्कस स्टोइनिस अचानक संन्यास के ऐलान के कारण बाहर हैं । ऐसे में देखना है कि इस मिनी विश्व कप में क्या कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ की आस्ट्रेलियाई टीम अतीत की सफलता दोहरा पाती है । मार्श की गैर मौजूदगी में स्मिथ तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं और उन्हें पारी के सूत्रधार की भूमिका निभानी होगी । आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड पर भी नजरें होंगी जिन्होंने 2022 की श्रृंखला में यहां 101 और 89 रन बनाये थे । हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल ट्रेंट ब्रिज में 154 रन की नाबाद पारी खेली थी । इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड और ब्रायडन कार्स के रूप में त्रिकोणीय तेज आक्रमण है जबकि आदिल रशीद स्पिन का जिम्मा संभालेंगे । हेड ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा ,'' हम अच्छी शुरूआत सुनिश्चित करेंगे । सलामी बल्लेबाज के और पर मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा ।'' बल्लेबाजों की मददगार विकेट पर बेन डकेट से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो भारत के खिलाफ शानदार फॉर्म में थे । जो रूट इंग्लैंड की बल्लेबाजी की धुरी हैं और वह अपनी उपयोगिता फिर साबित करना चाहेंगे ।

टीमें : आस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबोट, एलेक्स कारी, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जैक फ्रेसर मैकगुर्क, आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मै. क्सवेल, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट, एडम जम्पा **इंग्लैंड :** जोस बटलर (कप्तान), फिल साल्ट, बेन डकेट, जैमी स्मिथ, जो रूट, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, ब्राइडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद, मार्क वुड । मैच का समय : दोपहर 2 . 30 से ।

छात्र हितों के लिए राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठें स्टालिन :धर्मेंद्र प्रधान

नयी दिल्ली, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन पर जारी विवाद को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर निशाना साधा और उन पर 'राजनीतिक एजेंडे को बनाए रखने के लिए प्रगतिशील सुधारों को खतरे में डालने' का आरोप लगाया। प्रधान ने स्टालिन को लिखे पत्र में कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर छात्रों के हितों के बारे में सोचना चाहिए क्योंकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से उन्हें लाभ होगा। शिक्षा मंत्री स्टालिन द्वारा बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र का जवाब दे रहे थे। स्टालिन ने अपने पत्र में कहा कि केंद्र प्रायोजित दो पहलों समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) और पीएम श्री स्कूल को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) से जोड़ना मौलिक रूप से अस्वीकार्य है। प्रधान ने स्टालिन को लिखे अपने पत्र में कहा, "प्रधानमंत्री को भेजा गया पत्र मोदी सरकार द्वारा प्रचारित सहकारी संघवाद की भावना का पूर्ण खंडन है। इसलिए, राज्य के लिए एनईपी 2020 को अदूरदर्शी दृष्टि से देखना और अपने राजनीतिक एजेंडे को बनाए रखने के लिए प्रगतिशील शैक्षिक सुधारों को खतरे में डालना अनुचित है।" तमिलनाडु और केंद्र सरकार राज्य में नयी शिक्षा नीति के कार्यान्वयन को लेकर आमने–सामने हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने शिक्षा मंत्रालय पर महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए धन रोकने का आरोप लगाया है। मंत्री ने लिखा, "राजनीतिक कारणों से एनईपी 2020 का लगातार विरोध तमिलनाडु के छात्रों, शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों को इस नीति द्वारा प्रदान किए जाने वाले अपार अवसरों और संसाधनों से वंचित करता है। नीति को लचीला बनाया गया है, जिससे राज्यों को अपनी विशिष्ट शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप इसके कार्यान्वयन को अनुकूलित करने की अनुमति मिलती है।" प्रधान ने लिखा, "इसके अलावा, समग्र शिक्षा जैसे केंद्र समर्थित कार्यक्रम एनईपी 2020 के साथ संरेखित हैं। साथ ही, पीएम श्री विद्यालयों को एनईपी के आदर्श स्कूल के रूप में परिकल्पित किया गया है।" प्रधान ने तमिलनाडु के तीन–भाषा फॉर्मूले के विरोध पर स्पष्ट किया कि नीति किसी भी भाषा को थोपने की वकालत नहीं करती है। उन्होंने कहा, "कई गैर–भाजपा राज्यों ने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद एनईपी की प्रगतिशील नीतियों को लागू किया है। इसलिए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठें और हमारे छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए मामले को समग्र रूप से देखें।"

महाराष्ट्र चुनाव परिणामों से यह अनुमान लगाना गलत है कि कांग्रेस कमजोर हो गई है: सपकाल

मुंबई, (भाषा) कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन के बाद यह निष्कर्ष निकालना गलत होगा कि उनकी पार्टी कमजोर हो गई है। सपकाल ने हाल ही में महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख का कार्यभार संभाला है। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य को 'करो या मरो' वाली स्थिति बताते हुए कहा कि उन्होंने राज्य इकाई को पुनर्जीवित करने की चुनौती स्वीकार कर ली है। सपकाल ने 'पीटीआई–भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''यह गलत धारणा है कि कार्यकर्ता हतोत्साहित हैं... चुनाव परिणाम चौंकाने वाले थे लेकिन कार्यकर्ता सुधार के लिए उत्सुक हैं। हमने केवल 16 सीट जीती, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम कमजोर हो गए हैं। एक बार जब हम 'एक्शन मोड' में आ जाएंगे तो आपको उनका उत्साह दिखाई देगा।'' विपक्षी संगठन महा विकास आघाडी (एमवीए) गुट में शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (एसपी) की साझेदार कांग्रेस ने 288 विधानसभा सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा के लिए पिछले साल हुए चुनाव में 101 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार खड़े किए थे जिनमें से उसे सिर्फ 16 सीट पर जीत मिली थी। सपकाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर स्थानीय निकाय चुनाव नहीं कराने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें निकट भविष्य में ऐसे किसी चुनाव की उम्मीद नहीं है। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव करीब दो साल से लंबित हैं। उन्होंने कहा, ''पंचायती राज संशोधनों के परिणामस्वरूप जमीनी स्तर पर सत्ता का हस्तांतरण हुआ। लेकिन सरकार नहीं चाहती कि स्थानीय निकाय चुनाव हों। लोग यह भी भूल गए हैं कि पार्षदों और जिला परिषद सदस्यों के रूप में निर्वाचित प्रतिनिधि भी होते हैं।''

नगर निकाय चुनावों की आवश्यकता पर बल देते हुए सपकाल ने आरोप लगाया कि भारत की अवधारणा 73वें और 74वें संविधान संशोधन में परिकल्पित की गई थी, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन की स्थापना की गई थी लेकिन उसे आकार लेने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''देश में 4,250 विधायक और 750 सांसद हैं। कैसे लगभग 5,000 चुने हुए प्रतिनिधियों के नेतृत्व में 140 करोड़ लोगों का इतना बड़ा देश, लगभग 30 राज्य, 8000 शहर और छह लाख से अधिक गांव का कामकाज कर सकता है? सपकाल ने दावा किया, '' भाजपा चाहती है कि सारी शक्तियां राज्यों में मुख्यमंत्री और केंद्र में प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय गृह मंत्री के हाथों में हों । कई राज्यों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटे को लेकर कानूनी जटिलताएं पैदा की गईं और कई मुकदमे हैं।'' उन्होंने कहा कि मौजूदा रणनीति धारणा निर्माण की है और भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ विमर्श गढ़कर हमें फांसने की कोशिश की। सपकाल ने कहा कि जमीनी हकीकत लोगों की आजीविका से जुड़े मुद्दों जैसे खेती की लागत, किसानों के लिए फसल की दर, बेरोजगारी और मूल्य वृद्धि से जुड़ी है। लेकिन सरकार केवल कुछ लोगों के हितों की रक्षा करना चाहती है। उन्होंने कहा, '' आज केवल दो विचारधाराएं हैं – भाजपा और कांग्रेस। हमें एकजुट होकर और अनुशासित तरीके से विचारधारा की लड़ाई लड़नी होगी।'' सपकाल ने कहा कि भले ही कांग्रेस चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रही है, लेकिन वह देश के लोगों के मुद्दे उठाती रहेगी।

प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर : योगी

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा के अनुरूप प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। योगी ने कहा कि अकेले महाकुंभ के आयोजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि दुनिया आज राज्य की क्षमता देख रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक डॉ. रागिनी सोनकर के प्रश्न के जवाब में कहा, "उत्तर प्रदेश ने एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है और भारत तीन नहीं पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है।" उन्होंने सपा सदस्य पर तंज कसते हुए कहा, "आपकी पीड़ा को समझ सकता हूं, क्योंकि आपके नेता बोलते थे कि भारत कभी विकसित देश नहीं बन सकता इसलिए आप उनका अनुसरण हीं करेगी।" योगी ने कहा, "भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और 2027 में भारत पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है और दुनिया की सबसे तेजी उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में सर्वाधिक विकास दर के साथ भारत आज दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है और इस पर 140 करोड़ भारतवासियों को गौरव का अहसास होना चाहिए।" उन्होंने कहा, "लेकिन प्रधानमंत्री की प्रेरणा के अनुरूप प्रदेश ने एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में एक बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है।" सपा विधायक रागिनी सोनकर ने प्रश्न किया था कि प्रदेश को एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की क्या कार्य योजना बनाई गई है और ये लक्ष्य कब तक प्राप्त कर लिया जायेगा? योगी ने सोनकर के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा राज्य की अर्थव्यवस्था को एक हजार अरब डॉलर के स्तर पर ले जाने के लिए सरकार ने लक्ष्य को 10 सेक्टर में विभाजित किया है।

उन्होंने कहा कि 10 सेक्टरों में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, कृषि उत्पादन, सामाजिक सुरक्षा, नगरीय विकास, ग्राम विकास, राजस्व संग्रह, शिक्षा(चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पर्यटन एवं संस्कृति और विविध बनाकर इसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक सेक्टर के लिए अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों को प्रभारी नामित किया गया है और इन सेक्टरों की विभिन्न स्तरों पर नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री डेस्क के माध्यम से इसकी समीक्षा होती है और हर तीसरे माह मैं खुद इसकी समीक्षा करता हूं। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि पिछले तीन वर्ष के अंदर हमने जो लक्ष्य निर्धारित किए थे उसे हासिल कर लिया है।" योगी ने सरकार के प्रयासों का परिणाम बताते हुए कहा कि जब हमारी सरकार (वर्ष 2017) आयी थी तो प्रदेश की 12 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था थी, जो इस वित्तीय वर्ष के अंत में 27.50 लाख करोड़ की बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि यह उन स्थितियों में हो रहा है जब पूरी दुनिया कोविड–19 वैश्विक महामारी के बाद आर्थिक मंदी के दौर से गुजरी है। योगी ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में हमारी सरकार ने छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की है। योगी ने कहा कि अकेले महाकुंभ से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि होगी और दुनिया आज राज्य की क्षमता देख रही है।

सरकार का लक्ष्य 2031 तक अधिकतम संख्या में महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी करना: दुबे

नयी दिल्ली, (भाषा) सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की सफलता के लिए उद्योग की भागीदारी तथा समर्थन मांगा और कहा कि उसका लक्ष्य 2031 तक अधिकतम संख्या में महत्वपूर्ण ब्लॉक की नीलामी करना है। कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के महत्वपूर्ण खनिज मिशन विषय पर आयोजित कार्यक्रम में देश के महत्वपूर्ण खनिजों में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता बतायी और कहा कि यह तभी संभव हो सकता है जब सरकार और उद्योग दोनों एक साथ मिलकर काम करें। कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने फिक्की के महत्वपूर्ण खनिज मिशन को संबोधित करते हुए कहा, '' मैं आप सभी से इस मिशन में भाग लेने का अनुरोध करता हूं ताकि यह सफल हो सके।'' उन्होंने कहा कि 24 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी पहले ही की जा चुकी है और सरकार का लक्ष्य 2031 तक अधिकतम संख्या में ऐसे ब्लॉक की नीलामी करना है। मंत्री ने कहा, '' हमारा लक्ष्य 2031 तक अधिकतम संख्या में महत्वपूर्ण ब्लॉक की नीलामी करना है और यह आपके समर्थन के बिना संभव नहीं है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले महीने 16,300 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन को मंजूरी दी थी, जिसके लिए सात वर्ष में 34,300 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय की परिकल्पना की गई है। इसका मकसद हरित ऊर्जा बदलाव की दिशा में भारत की यात्रा में तेजी लाना है। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों से राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन में 18,000 करोड़ रुपये का योगदान करने की उम्मीद है, जिसका उद्देश्य देश के भीतर और अपतटीय स्थानों पर महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को बढ़ावा देना है। तांबा, लिथियम, निकल, कोबाल्ट और दुर्लभ मृदा जैसे महत्वपूर्ण खनिज तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कच्चे माल हैं। इनका इस्तेमाल पवन टर्बाइन और बिजली नेटवर्क से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तथा बैटरी विनिर्माण के लिए किया जाता है।

कुंभ–वाराणसी–अयोध्याः सांस्कृतिक आदान–प्रदान का हिस्सा बने तमिलनाडु के कारीगर और छात्र

वाराणसी (उप्र), फोकस न्यूज, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ का अनुभव करने और इसके आसपास के धार्मिक क्षेत्र के भ्रमण पर आए कारीगर, महिला उद्यमी, केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों से लेकर व्यापारियों, किसानों और स्वयं सहायता समूह के संचालकों सहित तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों से 1,200 से अधिक प्रतिनिधि सांस्कृतिक एवं शैक्षिक आदान–प्रदान की यात्रा पर हैं। यह इतिहास की पुस्तकों में दर्ज स्थानों का गवाह बनने से लेकर तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने संबंधों के साक्ष्यों को अपनी आंखों से देखने तक, इस प्रतिनिधिमंडल के यात्रा कार्यक्रम में तीन गंतव्य – कुंभ, अयोध्या और वाराणसी शामिल हैं, जो 'काशी तमिल संगमम' के तीसरे संस्करण का हिस्सा हैं। उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य मंत्रालयों के सहयोग से शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित इस वार्षिक सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान–प्रदान का उद्देश्य तमिलनाडु और काशी के बीच प्राचीन सभ्यतागत बंधन का जश्न मनाना और उसे मजबूत करना है। काशी विश्वनाथ मंदिर के न्यासी के. वेंकट रमण घनपति के अनुसार, यह समागम महज दो सप्ताह का आयोजन नहीं है, बल्कि सदियों तक चलने वाला आयोजन है। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''हनुमान घाट, केदार घाट और हरिश्चंद्र घाट विभिन्न दक्षिणी राज्यों से आए हजारों परिवारों के निवास स्थान हैं, जो दोनों क्षेत्रों के बीच स्थायी संबंध को दर्शाते हैं। सिर्फ हनुमान घाट पर 150 से अधिक घर तमिल परिवारों के स्वामित्व में हैं और इन्हीं की गलियों में हर दिन काशी तमिल संगमम का आयोजन होता है।'' रमण पांचवीं पीढ़ी के पुजारी हैं और हरिश्चंद्र घाट के निकट 100 साल पुराने घर में रहते हैं। उन्होंने कहा, ''यह आदान–प्रदान कार्यक्रम न केवल मंदिरों के इस नगर के अभिन्न अंग तमिलों की समृद्ध तमिल संस्कृति और परंपराओं को प्रकाश में लेकर आया है, बल्कि इससे कला, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में हमारे पूर्वजों और ऋषियों के योगदान को भी उजागर करने में मदद मिली है।'' वेंकट रमण ने दक्षिणी राज्य से आए प्रतिनिधियों को तमिल में इस स्थान के समृद्ध इतिहास तथा तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने संबंध के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस बार महाकुंभ में 'स्नान' को लेकर समूहों में उत्साह है। तमिलनाडु के इरोड में आवश्यक तेलों (प्राकृतिक चिकित्सीय उत्पादों, सौंदर्य प्रसाधन, अरोमाथेरेपी, स्पा, परफ्यूम और खाद्य उत्पादों के रूप में व्यापक रूप से लो. कप्रिय) का व्यवसाय करने वाली मुद्रा ऋण लाभार्थी नीलाक्षी ने कहा, ''हम अपने कई मंदिरों में शिव की पूजा करते हैं और जब भी कोई परिचित काशी आता है, तो हम उनसे पवित्र जल लाने को कहते हैं। मैं यहां पहली बार आई हूं और काशी विश्वनाथ एवं अयोध्या में भव्य राम मंदिर जैसे मंदिरों में दर्शन करना चाहती हूं जो मेरी यात्रा प्राथमिकता में शामिल हैं।'' शोध छात्रा हरिप्रिया के लिए उनकी यात्रा का मुख्य आकर्षण यहां हनुमान घाट पर स्थित प्रसिद्ध तमिल लेखक, कवि और स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय सुब्रमण्यम भारती के घर का दौरा करना रहा।

'काशी तमिल संगमम' का पहला संस्करण 16 नवंबर से 16 दिसंबर, 2022 तक आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य वाराणसी और तमिलनाडु के बीच जीवंत संबंधों को पुनर्जीवित करना था। दूसरा संस्करण 17 से 30 दिसंबर, 2023 तक आयोजित किया गया था। इसके तीसरे संस्करण को 10 दिवसीय कार्यक्रम के रूप में मनाने की योजना है जो 15 फरवरी से शुरू हुआ और 24 फरवरी को संपन्न होगा। इस वर्ष के आयोजन का मुख्य विषय सिद्ध चिकित्सा पद्धति (भारतीय चिकित्सा), शास्त्रीय तमिल साहित्य में ऋषि अगस्त्यर के महत्वपूर्ण योगदान और राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता में उनके योगदान पर प्रकाश डालना है। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''उन्हें स्वास्थ्य, दर्शन, विज्ञान, भाषा विज्ञान, राजनीति और कला सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनके अद्वितीय योगदान के लिए जाना जाता है। उन्हें दक्षिण भारत में तमिल भाषा के पहले व्याकरणविद के रूप में सम्मानित किया जाता है। उनका प्रभाव भारत से परे तक फैला हुआ है, क्योंकि भारतीय संस्कृति के प्रचार–प्रसार में उनकी भूमिका के लिए उन्हें जावा और सुमात्रा में भी पूजा जाता है।'' भारतीय प्रौद्योगकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास द्वारा आयोजित चयन प्रक्रिया के माध्यम से पांच श्रेणियों – छात्र, शिक्षक एवं लेखक; किसान और कारीगर; पेशेवर एवं छोटे उद्यमी; महिला स्वयं सहायता समूह, मुद्रा ऋण लाभार्थी एवं दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा (डीबीएचपीएस) प्रचारक और स्टार्टअप, नवाचार, एडु–टेक और अनुसंधान के क्षेत्र से तमिलनाडु के कम से कम 1,000 प्रतिनिधियों को इस यात्रा के लिए चुना गया है। विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत तमिल मूल के लगभग 200 छात्रों का एक अतिरिक्त समूह भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा है।

पंजाब सरकार की कक्षा 12 के छात्रों को करियर मार्गदर्शन देने के लिए पहल

चंडीगढ़, (भाषा) पंजाब सरकार ने 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों तक पहुंचने तथा उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक प्रयासों में सहायता करने के लिए एक पहल शुरू की है। प्रदेश के स्कूली शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने इसकी जानकारी दी। बैंस ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य पंजाब के सरकारी स्कूलों से उत्तीर्ण छात्रों की मदद करना है। उन्होंने कहा कि सरकार कक्षा 12 के छात्रों से उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में सवाल पूछेगी ताकि उनके सपनों को समझा और पोषित किया जा सके। बैंस ने कहा कि विभाग ने कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं में बैठने वाले सभी छात्रों को एक 'गूगल फॉर्म' वितरित किया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के संदेश के साथ फॉर्म में छात्रों को अपनी तात्कालिक योजनाओं और दीर्घकालिक लक्ष्यों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है – चाहे वह उच्च शिक्षा हो, उद्यमिता हो या प्रतियोगी परीक्षायें। बैंस ने कहा कि एकत्र किए गए डेटा से राज्य सरकार छात्रों को उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक प्रयासों में सहायता करने के लिए उपयुक्त सहायता तंत्र विकसित करने में सक्षम होगी।

उप्र सरकार ने 5600 श्रमिकों को रोजगार के लिए इजराइल भेजा : अनिल राजभर

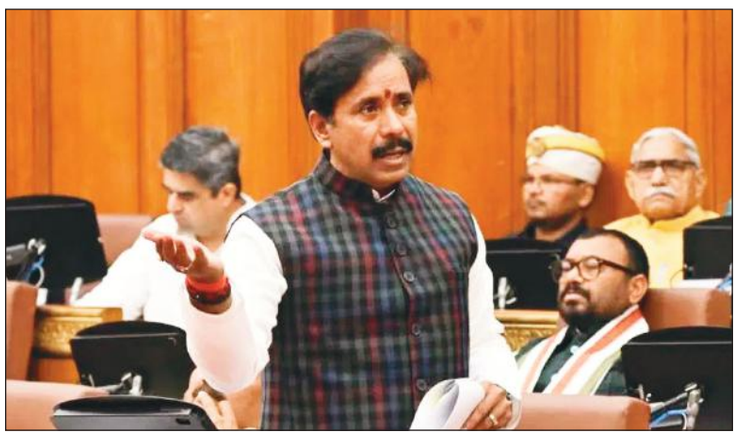

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि ''आउटसोर्सिंग ऑफ मैन पावर'' के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गयी है जिसके तहत 5,600 श्रमिकों को सफलतापूर्वक इजराइल भेजा गया है, तथा 5,000 अतिरिक्त श्रमिकों को भेजे जाने की प्रक्रिया चल रही है। राजभर ने यह भी बताया कि कहा कि विगत दो वर्षों में सेवायोजन कार्यालय में रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों (इंटर, बीए, डिप्लोमा, बीटेक, एमटेक, पीएचडी की संख्या 5,68,062 है और विगत दो वर्षों (एक अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2024 तक) में सेवा कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों के माध्यम से 475510 अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार हेतु चुना गया है। विधानसभा में बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को प्रश्नकाल में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य प्रभु नारायण यादव के प्रश्न के उत्तर में राजभर ने बताया कि राज्य सरकार ने रोजगार के अवसरों के लिए 5,600 श्रमिकों को सफलतापूर्वक इजराइल भेजा है तथा 5,000 अतिरिक्त श्रमिकों को भेजे जाने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा, "इजराइल में हमारे श्रमिक राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।'' सरकार की रोजगार पहलों को आगे बढ़ाते हुए राजभर ने सरकार समर्थित संस्था राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ सहयोग की घोषणा की। उन्होंने बताया कि राज्य विदेशों में रोजगार के लिए आवेदन की सुविधा दे रहा है, जिसमें जर्मनी में 5,000 नर्सों की मांग शामिल है, जिनका पैकेज 2.5 लाख रुपये प्रति माह है। राजभर ने बताया कि वर्तमान में जापान में 12,000 केयरगिवर कर्मचारियों की मांग है, जिनका वेतन पैकेज 1.25 लाख रुपये प्रति माह है। उन्होंने पुष्टि की कि आवेदनों पर कार्रवाई की जा रही है और राज्य इस मांग को पूरा करने के लिए कुशल कर्मचारियों को भेजने के वास्ते सक्रिय रूप से कदम उठा रहा है। प्रभु नारायण यादव ने श्रम मंत्री से प्रश्न किया था कि प्रदेश के बेरोजगारों को रोजगार दिलाने हेतु श्रम विभाग द्वारा वर्तमान में कौन सी प्रमुख योजनाएं प्रचलित हैं? उन्होंने यह भी जानना चाहा कि प्रदेश में विगत दो वर्षों से (2022–2023, 2023–2024) शिक्षित बेरोजगारों (इण्टर, बी.ए., एम.ए., डिप्लोमा, बी.टेक., एम.टेक., पी.एच.डी.) की संख्या कितनी है तथा विगत दो वर्षों में श्रम विभाग द्वारा कितने लोगों को नौकरी दिलाई गई है? यदि नहीं, तो क्यों? श्रम मंत्री राजभर ने बताया कि सेवायोजन विभाग ने रोजगार की छूट, अभ्यर्थियों के लिए रोजगार मेलों के आयोजन, विदेश में रोजगार, सेवा मित्र व्यवस्था, करियर काउंसलिंग और आउटसोर्सिंग ऑफ मैन पावर के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की है। राजभर ने कहा कि विगत दो वर्षों में सेवायोजन कार्यालय में रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों (इंटर, बीए, डिप्लोमा, बीटेक, एमटेक, पीएचडी की संख्या 5,68,062 है और विगत दो वर्षों (1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2024 तक) में सेवा कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों के माध्यम से 475510 अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार हेतु चुना गया है।

अपोलो अस्पताल ने चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उदार वीज़ा नीति की मांग की

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, अपोलो हॉस्पिटल एंटरप्राइज की संयुक्त प्रबंध निदेशक संगीता रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत के अस्पतालों में आने वाले विदेशी रोगियों के लिए एक उदार वीजा नीति लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी का इरादा देश में रोगियों की आमद को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की 'हील इन इंडिया' (भारत में स्वास्थ्य लाभ लें) पहल के साथ मिलकर काम करने का है। रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इसलिए हमारा विचार, भारत सरकार के साथ मिलकर काम करना और वास्तव में 'हील इन इंडिया' को विकसित करना है। हमें उन्नत ई–वीजा की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि थाईलैंड, तुर्किये, फिलीपींस और सिंगापुर जैसे कुछ पड़ोसी देशों में बड़ी संख्या में रोगी आते हैं। इन देशों में 'आगमन पर वीजा' की सुविधा है और उनके पास कई देशों के लिए वीजा सुविधा है। अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज की कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रीता रेड्डी ने कहा कि सरकार अब चिकित्सा पर्यटन को बहुत गंभीरता से देख रही है। उन्होंने कहा, ''हमें वीजा प्रक्रिया को बेहतर बनाने की जरूरत है। हमें आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने की जरूरत है। अब हमारे पास कई शहरों में शानदार हवाई अड्डे हैं, इसलिए यह काम लगभग पूरा हो चुका है।'' भविष्य की विकास योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा प्रदाता कई क्षेत्रों में कई संस्थाओं के साथ सहयोग कर रहा है। रेड्डी ने कहा कि कंपनी नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और अन्य संस्थानों के साथ काम कर रही है। रेड्डी ने बताया कि अपोलो हॉस्पिटल्स ने अगले पांच वर्षों में अपने अस्पताल नेटवर्क में लगभग 3,000 बिस्तर जोड़ने की घोषणा पहले ही कर दी है। इसने विस्तार के लिए लगभग 6,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना की घोषणा की है।

टाइम मैगजीन की 'वुमन ऑफ द ईयर' 2025 सूची में भारतीय जीवविज्ञानी एवं वन्यजीव संरक्षणकर्ता शामिल

न्यूयॉर्क, (भाषा) टाइम मैगजीन की इस वर्ष की 'वुमन ऑफ द ईयर' सूची में एक भारतीय जीवविज्ञानी एवं वन्यजीव संरक्षणकर्ता का नाम भी शामिल है। बृहस्पतिवार को जारी 'टाइम्स वुमन ऑफ द ईयर' 2025 सूची में शामिल 45 वर्षीय पूर्णिमा देवी बर्मन एकमात्र भारतीय महिला हैं। अभिनेत्री निकोल किडमैन और फ्रांस की गिसेल पेलिकॉट का नाम भी 13 महिलाओं की इस सूची में शामिल हैं। गिसेल के पति ने उन्हें लंबे समय तक मादक पदार्थ दिया और 70 से अधिक अलग–अलग पुरुषों ने उनसे दुष्कर्म किया था। गिसेल ने यौन हिंसा के खिलाफ अभियान चलाया और विश्व में अपनी पहचान स्थापित की। बर्मन की प्रोफाइल में लिखा है कि उन्हें 2007 का वह दिन आज भी याद है जब असम में रहते वक्त उन्हें एक फोन आया और उन्हें बताया गया कि एक पेड़ काटा जा रहा है, जो 'ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क' (धेनुक, एक प्रकार का पक्षी) के परिवार का घर था।

संपादकीय

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के लिए आगे का सफर

प्रधानमंत्री मोदी अपनी अलग कार्य शैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने रेखा गुप्ता को दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाने के अपने निर्णय को भी अंतिम क्षणों तक गोपनीय रखा। मीडिया के लोग कई लोगों के नामों को लेकर अनुमान लगाते रहे, परंतु हर बार की भांति इस बार भी प्रधानमंत्री ने अपने निर्णय की गोपनीयता को अंतिम क्षणों तक रहस्यमय बनाए रखा और हमने देखा कि दिल्ली की शालीमार गार्डन सीट से पहली बार विधायक बनकर आईं रेखा गुप्ता को उन्होंने दिल्ली का मुख्यमंत्री बनवा दिया। निश्चित रूप से रेखा गुप्ता के इस चयन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, परंतु स्पष्ट रूप से पार्टी और देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं, इसलिए यही कहा जाएगा कि उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए रेखा गुप्ता को यह दायित्व दिया। प्रधानमंत्री मोदी राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा सहित कई प्रदेशों में ऐसे चेहरों को आगे ला चुके हैं, उनका वह परीक्षण सफल ही रहा है। इसके पीछे चाहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हो या प्रधानमंत्री मोदी या उनके अन्य वरिष्ठ परामर्शदाता हों, सभी का उद्देश्य एक ही रहता है कि नया 'बेदाग चेहरा' लोगों को रास आएगा और वह मिले हुए अवसर के दृष्टिगत अच्छे से अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करेगा। जब 'दागदार चेहरों' को बड़ी जिम्मेदारियां दी जाती हैं तो वे उन्हें पूर्ण निष्ठा के साथ निभा नहीं पाते हैं या फिर अपनी परंपरागत कार्य शैली का परिचय देते हुए भ्रष्टाचार जैसे कार्यों में लग जाते हैं। जिसकी क्षति पार्टी को उठानी पड़ती है और अंत में राष्ट्र को भी ऐसे चेहरों से हानि ही मिलती है। इस प्रकार के नए बेदाग चेहरों को आगे लाने से पार्टी और देश दोनों को दूर तक और देर तक लाभ मिलना स्वाभाविक है। बस अपनी इसी दूरगामी सोच के चलते भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वर्तमान नेतृत्व ऐसे चेहरों को सामने लाता रहता है। पार्टी ने रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर नारी सशक्तिकरण के प्रति अपनी निष्ठा को व्यक्त किया है। वैसे भी इस समय देश में केवल एक ही महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल का नेतृत्व कर रही हैं। जब बार-बार नारी सशक्तिकरण की बात की जा रही हो, तब भाजपा ने एक महिला को मुख्यमंत्री बनाकर इस चर्चा को मानो एक नई ऊंचाई दी है। दूसरी बात यह है कि दिल्ली में जिस प्रकार केजरीवाल ने पिछले 11 वर्ष में 'रेवड़ी बांटने' की परंपरा के आधार पर शासन किया है, उसके चलते बहुत से विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। दिल्ली के अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें पानी की पाइपलाइन कई स्थानों पर गल गई है। जिससे लोगों को मलमूत्र मिले पानी को पीने के लिए अभिशप्त होना पड़ गया है। कई क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें लोगों को दूध मिलना संभव है, परंतु सही पानी मिलना उनके लिए कठिन हो गया है। बिजली के खंभों या लाइन की व्यवस्था भी कई क्षेत्रों में बहुत खराब हो चुकी है। स्वास्थ्य सेवाओं और यातायात को लेकर भी यही कहा जा सकता है। ऐसे में पानी और बिजली की नई लाइन बिछाना और लोगों के स्वास्थ्य व सुविधा के दृष्टिगत उन्हें स्वच्छ पानी और बिजली उपलब्ध कराना दिल्ली की मुख्यमंत्री के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए

यदि वह ऐसा करती हैं तो नौटंकी बाज केजरीवाल को लोग भूल जाएंगे। कोई भी घिसापिटा चेहरा इस काम को करने में लापरवाही बरत सकता था। इसलिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक नए ऊर्जावान चेहरे को दिल्ली की बागडोर सौंपी है तो इसके पीछे उद्देश्य यह है कि काम ऐसा किया जाए, जिससे लोग केजरीवाल को भूल जाएं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केजरीवाल अपनी नौटंकियों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने चाहे कितने ही शालीन भाव से दिल्ली के मतदाताओं के जनादेश को स्वीकार किया हो, परंतु इसके पीछे भी उनकी विनम्र नौटंकी ही है। उनसे पूरी उम्मीद की जा सकती है कि वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार को चलाने में हर प्रकार का रोड़ा अटकाने का प्रयास करेंगे। लोगों को भ्रमित करेंगे और अपनी नौटंकीवादी राजनीति को सड़कों व चौराहों पर दिखाने का हर संभव प्रयास करेंगे। ऐसे में एक गंभीर नेतृत्व को आगे लाना भारतीय जनता पार्टी के लिए अनिवार्य था। रेखा गुप्ता के भीतर ऐसे ही एक गंभीर व्यक्तित्व को देखा गया है, जो प्रत्येक प्रकार की नौटंकी का सामना करते हुए धैर्य के साथ दिल्ली की जनता की सेवा कर सके। स्पष्ट है कि भाजपा ने सत्ता का स्वाद लेने के लिए रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री का दायित्व नहीं दिया है, बल्कि पार्टी को निरंतर सत्ता में बनाए रखकर राष्ट्र सेवा करते रहने के लिए उन्हें यह दायित्व दिया गया है। भाजपा की इस प्रकार की रणनीति को केजरीवाल और राहुल गांधी भली प्रकार जानते हैं। भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री के चेहरे को ढूंढने में लगे 10-12 दिन के समय को लेकर इन दोनों पार्टियों को इसी बात की चिंता हो रही थी कि भाजपा उन्हें देर तक सत्ता से दूर रखने के लिए मुख्यमंत्री बनाने में जिस प्रकार विलंब कर रही है, वह उनके लिए ही हानिकारक होगा। इस बार के विधानसभा चुनाव में यमुना की सफाई को भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनाया गया। हमारा मानना है कि यमुना की सफाई को एक मुद्दा बनाया भी जाना चाहिए था। जिस प्रकार दिल्ली के अनेक गंदे नाले इस नदी को मृत नदी के रूप में परिवर्तित करते जा रहे हैं, वह न केवल दिल्ली के लिए बल्कि पूरे देश के लिए चिंता का विषय है। इसके लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को विशेष परिश्रम करना होगा। हमारा मानना है कि दिल्ली के गंदे नालों के पानी को सीमेंट या लोहे के बड़े-बड़े पाइपों के भीतर डालकर नदी के भीतर इन पाइपों की एक समानांतर लाइन बिछाकर उस पानी को हरियाणा या उत्तर प्रदेश की ओर दूर ले जाया जाए। वहां उसे पीने योग्य या कृषि भूमि को सींचने योग्य बनाकर दोबारा ठीक किया जाए। इसके लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सरकारों की एक संयुक्त टीम गठित की जाए अथवा एक प्राधिकरण बनाया जाए। इस प्रकार दिल्ली के गंदे नालों का एक बूंद पानी भी यमुना नदी में नहीं गिर पाएगा, जिससे नदी को स्वच्छ रखने में सहायता मिलेगी।

कृष्णा अग्रवाल
focusnews9@gmail.com

शिल्प एवं सौंदर्य की अनूठी कलाकृति – मोढेरा का सूर्य मंदिर जहां पूजा करना मना है

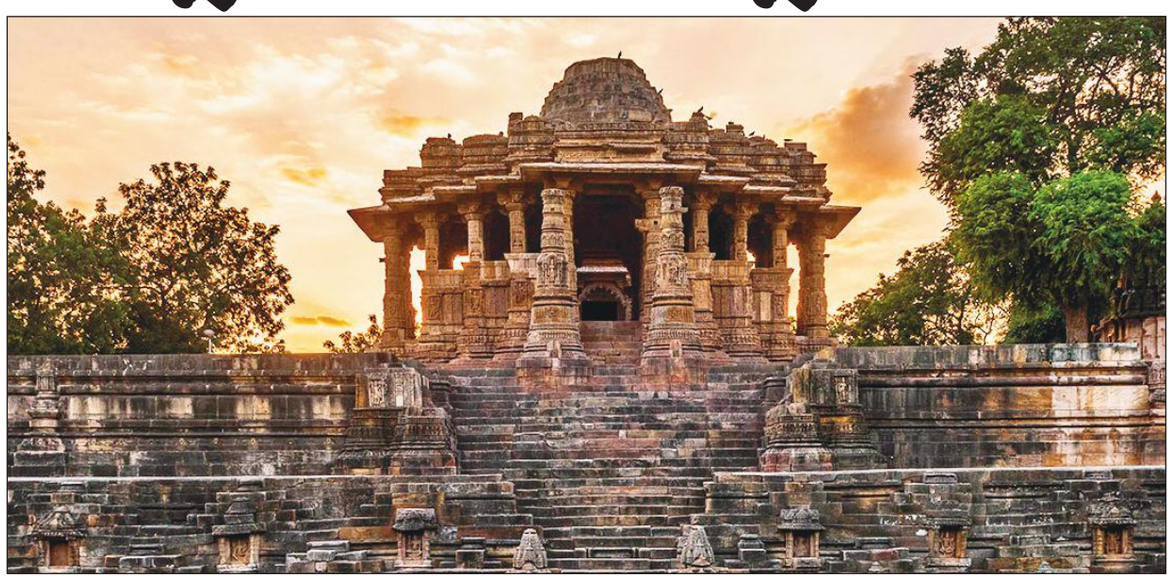

अधिकांश पर्यटन प्रेमी जानते हैं कि भारत में उड़ीसा के कोणार्क में विश्व प्रसिद्ध सूर्य मंदिर स्थित है मगर बहुत कम लोग जानते होंगे कि एक नहीं, भारत में दो विश्व प्रसिद्ध सूर्य मंदिर हैं। एक है देश के पूर्वी छोर यानी उड़ीसा राज्य में. इसका नाम है कोणार्क सूर्य मंदिर, जो अपने आप में काफी प्रसिद्ध है. दूसरा है देश के पश्चिमी छोर यानी गुजरात राज्य में बना हुआ मोढेरा सूर्य मंदिर । गुजरात में महेसाणा से 25 कि॰मी॰ और अहमदाबाद से 106 किलोमीटर दूर स्थित मोढेरा गांव का सूर्य मंदिर पुष्पावती नदी के किनारे स्थित है। यह पाटन की प्रसिद्ध कलाकृति रानी की वाव से 30 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है।

पुराणों में है उल्लेखः इस मंदिर का जिक्र कई पुराणों में भी आता है। स्कंद पुराण और ब्रह्म पुराण में कहा गया है कि प्राचीन काल में मोढेरा के आसपास का पूरा इलाका धर्मारण्य के नाम से जाना जाता था। सोलंकी वंश के राजा भीमदेव प्रथम द्वारा सन् 1026-1027 ई॰ में इस मन्दिर का निर्माण किया गया था। सोलंकी राजा सूर्यवंशी थे और सूर्य को कुलदेवता के रूप में पूजते थे। इसीलिए उन्होंने अपने आद्य देवता की पूजा के लिए इस भव्य सूर्य मंदिर बनाने का निश्चय किया, इसके चलते मोंढ़ेरा के सूर्य मंदिर का निर्माण हुआ। वर्तमान समय में यह भारतीय पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है और इस मन्दिर में पूजा करना निषिद्ध है।

मंदिर का इतिहास : इस सूर्य मंदिर परिसर का निर्माण एक ही समय में नहीं हुआ था। मुख्य मन्दिर, चालुक्य वंश के भीमदेव प्रथम के शासनकाल के दौरान बनाया गया था। इससे पहले, 1024-25 के दौरान, गजनी के महमूद ने भीम के राज्य पर आक्रमण किया था। उसने मोढेरा के सूर्य मंदिर पर भी भीषण आक्रमण किया व लाखों लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इसी के साथ उसने संपूर्ण मंदिर का विध्वंस किया व मूर्तियों को खंडित कर दिया। इतना ही नहीं, उसने मुख्य मूर्ति को भी खंडित कर दिया व यहाँ से सभी सोना व आभूषण लूटकर अपने साथ ले गया। तब लगभग 20,000 सैनिकों की उनकी टुकड़ी ने उसे मोढेरा में रोकने का असफल प्रयास किया था। ऐसा भी माना जाता है कि अलाउद्दीन खिलजी के हमले ने मंदिर को खंडित कर दिया था। फिलहाल इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने इस मंदिर को अपने संरक्षण में ले लिया है। इस मंदिर में पूजा करना इसीलिए निषिद्ध है क्योंकि यह देश के खंडित मंदिरों की श्रेणी में आता है।

क्या कहते हैं जानकारः इतिहासकार ए.के. मजूमदार के अनुसार इस सूर्य मंदिर का निर्माण इस रक्षा के स्मरण के लिए किया गया हो सकता है। परिसर की पश्चिमी दीवार पर, उल्टा लिखा हुआ देवनागरी लिपि में 'विक्रम संवत 1083' का एक शिलालेख है, जो 1026-1027 ईस्वी के अनुरूप ही ठहरता है। इसके अतिरिक्त मोंढेरा के सूर्य मंदिर के निर्माण के बारे में कोई अन्य तिथि नहीं मिलती है। मान्यता है कि चूंकि शिलालेख उल्टा है,यह मन्दिर के विनाश और पुनर्निर्माण का प्रमाण है। शिलालेख की स्थिति के कारण, यह दृढ़ता से निर्माण की तारीख के रूप में नहीं माना सकता है।

मुख्य भागः इस मन्दिर परिसर के मुख्य तीन भाग हैं- गूढ़मण्डप (मुख्य मन्दिर), सभामण्डप तथा कुण्ड (जलाशय)। इसके मण्डपों के बाहरी भाग तथा स्तम्भों पर अत्यन्त सूक्ष्म नक्काशी की गयी है। कुण्ड में सबसे नीचे तक जाने के लिए सीढ़ियाँ बनी हैं तथा कुछ छोटे-छोटे मन्दिर भी हैं। शैलीगत आधार पर, कहा जा सकता है कि इस मंदिर के साथ कुंड 11वीं शताब्दी की शुरुआत में बनाया गया था। शिलालेख को निर्माण के बजाय गजनी द्वारा विनाश की तारीख माना जाता है। इसके तुरंत बाद भीमदेव सत्ता में लौट आए थे। इसलिए मंदिर का मुख्य भाग, लघु और कुंड में मुख्य मंदिर 1026 ई के तुरन्त बाद बनाए गए थे। 12वीं शताब्दी की तीसरी तिमाही में द्वार, मंदिर के बरामदे और द्वार और कर्ण के शासनकाल के दौरान कक्ष के द्वार के साथ नृत्य कक्ष को बहुत बाद में जोड़ा गया था ।

और भी हैं नाम : इस स्थान को बाद में स्थानीय रूप से 'सीता नी चौरी' और रामकुंड के नाम से जाना जाने लगा । अब यहाँ कोई पूजा नहीं की जाती है। मंदिर राष्ट्रीय महत्व का स्मारक है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के देखरेख में है।एक और दंतकथा इस मंदिर के साथ जुड़ी है। कहा जाता है कि जब श्री रामचंद्र ने रावण का वध किया तो उन्हें बताया गया कि वे ब्रह्म हत्या के दोषी हो गए हैं । तब ब्रह्महत्या के पाप निवारण के लिए वे मोढेरा आए और यहां आकर उन्होंने हवन यज्ञ आदि के द्वारा स्वयं को ब्रह्महत्या के पाप से मुक्त कराया था। इसीलिए इस मंदिर के साथ बने हुए सूर्यकुंड को रामकुंड के नाम से भी जाना जाता है।

बेजोड़ स्थापत्य : यह सूर्य मन्दिर विलक्षण स्थापत्य और शिल्प कला का बेजोड़ उदाहरण है। इस मंदिर के निर्माण में जोड़ लगाने के लिए कहीं भी चूने का प्रयोग नहीं किया गया है। ईरानी शैली में बने इसे राजा भीमदेव प्रथम ने दो हिस्सों में बनवाया था जिसमें पहला हिस्सा गर्भगृह का और दूसरा सभामंडप का है। स्तंभों को नीचे की ओर देखने पर वह अष्टकोणाकार और ऊपर की ओर देखने से वह गोल नजर आते हैं। मंदिर का निर्माण कुछ इस प्रकार किया गया थागर्भगृह में अंदर की लंबाई 51 फुट, 9 इंच और चौड़ाई 25 फुट, 8 इंच है।

वास्तु-कलाः स्थापत्य की दृष्टि से यह मंदिर गुजरात में सोलंकी शैली में बने मंदिरों में सर्वोच्च है। ऊँचे प्लेटफार्म पर एक ही अक्ष पर बने इस मंदिर के मुख्यतः तीन भाग है । मंदिर का मुख्य भाग जिसमें प्रदक्षिणा-पथ युक्त गर्भगृह तथा एक मण्डप हैं, एक अलग से बना सभामण्डप जिसके सामने एक अलंकृत तोरण है तथा पत्थरों से निर्मित एक कुण्ड है जिसमें कई छोटे-बड़े लघु आकार के मंदिर निर्मित हैं। सभामण्डप, गूढमण्डप के साथ जुड़ा हुआ नहीं है, बल्कि एक अलग संरचना के रूप में इसे थोड़ा दूर रखा गया है। दोनों एक पक्के मंच पर बने हैं। इनकी छतें बहुत पहले ढह गई है, अब बस उसके कुछ निचले हिस्से ही बचे हैं। दोनों छतें 15 फुट 9 इंच व्यास की हैं, लेकिन अलग-अलग तरीके से बनाई गई हैं। मंच या प्लिंथ, उल्टे कमल के आकार का है।

प्रतीकात्मक निर्माणः इस मंदिर में 52 स्तंभ हैं जो वर्ष के 52 सप्ताहों को प्रदर्शित करते हैं। हर स्तंभ पर इतनी अद्भुत व बारीकी से तराशी की गयी है । इन स्तंभों पर विभिन्न देवी-देवताओं के चित्रों के अलावा रामायण और महाभारत के प्रसंगों को बेहतरीन कारीगरी के साथ दिखाया गया है।सूर्य भगवान की वर्ष भर में 12 दिशाओं के अनुसार 12 रूप दिए गए है। साथ ही मंदिर की चारों दिशाओं में दिशा के अनुसार ही देवताओं की मूर्तियाँ स्थापित है।इसके शिल्प एवं सौंदर्य को देखकर मंडप में सुन्दरता से गढ़े पत्थर के स्तम्भ अष्टकोणीय योजना में खड़े किये गये है जो अलंकृत तोरणों को आधार प्रदान करते हैं। मंडप की बाहरी दीवारों पर चारों ओर आले बने हुए हैं जिनमें 12 आदित्यों, दिक्पालों, देवियों तथा अप्सराओं की मूर्तियाँ प्रतिष्ठापित हैं। सभामण्डप (अथवा, नृत्यमण्डप),जो कि कोणीय योजना में बना है,भी सुन्दर स्तम्भों से युक्त है। सभामण्डप में चारों मुख्य दिशाओं से प्रवेश हेतु अर्धवृतीय अलंकृत द्वार हैं। सभामण्डप के सामने एक बड़ा तोरण द्वार है। इसके ठीक सामने एक आयताकार कुंड है, जिसे 'सूर्य कुण्ड' कहते हैं (स्थानीय लोग इसे 'राम कुण्ड' कहते हैं।) कुण्ड के जल-स्तर तक पहुँचने के लिये इसके अंदर चारों ओर प्लेटफार्म तथा सीढ़ियाँ बनाई गई हैं। साथ ही कुंड के भीतर लघु आकार के कई छोटे बड़े मंदिर भी निर्मित किए गए हैं जो कि देवी-देवताओं, जैसे देवी शीतलामाता, गणेश, शिव (नटेश), शेषशायी-विष्णु तथा अन्य को समर्पित किए गए हैं।गूढ़मण्डप (मुख्य मन्दिर), सभामण्डप तथा कुण्ड (जलाशय)। इसके मण्डपों के बाहरी भाग तथा स्तम्भों पर अत्यन्त सूक्ष्म नक्काशी की गयी है। कुण्ड में सबसे नीचे तक जाने के लिए सीढ़ियाँ बनी हैं तथा कुछ छोटे-छोटे मन्दिर भी हैं।

मोढेरा नृत्य समारोहः गुजरात के पर्यटन निगम के द्वारा जनवरी के तीसरे सप्ताह में उत्तरायण के बाद मंदिर में ''उत्तरार्ध महोत्सव' मनाया जाता है जिसमें प्रत्येक वर्ष तीन दिवसीय नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य शास्त्रीय नृत्य रूपों को उसी तरह के माहौल में प्रस्तुत करना है जिसमें वे मूल रूप से प्रस्तुत किए जाते थे।

कैसे पहुंचें : यदि आप यहाँ दर्शन करने का विचार कर रहे हैं तो यहाँ तक पहुँचने के लिए आपको हवाईजहाज, रेल, बस इत्यादि सभी की सुविधा आसानी से मिल जाएगी। यदि आप प्लेन या ट्रेन से आने का सोच रहे है तो नजदीकी हवाईअड्डा अहमदाबाद हवाईअड्डा है व सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन भी अहमदाबाद का रेलवे स्टेशन है। यहाँ से आगे आप बस या निजी वाहन से यात्रा कर सकते हैं। और हां, जब आप मोंढेरा का मंदिर देखने जाएं इस तरह जाएं तो टाइमिंग ऐसी रखें कि सर्दियों में 2 बजे से 3 बजे के बीच और गर्मियों में 4 बजे से छह बजे शाम क्योंकि इस वक्त जाने से आप आराम से मंदिर और इसके बराबर में बना हुआ म्यूजियम भी आराम से देख पाएंगे और बाद में सूर्यास्त के पश्चात होने वाली खूबसूरत लाइटिंग का भी आनंद ले सकेंगे।

जीवन का लेखा-जोखा

मनीषी कहते हैं कि मृत्यु शैय्या पर पड़े हुए मनुष्य की आँखों के समक्ष उसके जीवनकाल का सारा लेखा-जोखा चलचित्र की भाँति घूम जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो सभी शुभाशुभ कर्म जो उसने अपने जीवनकाल में किए हैं, उसके सामने पर्दे पर चलती हुई रील की तरह घूम जाते हैं। जो शुभ कर्म उसने किए होते हैं यानी किसी का भी हितचिन्तन करना, परोपकार करना, किसी प्रकार का दान देना, अपने दायित्वों का निर्वाह करना, ईश्वर की सच्चे मन से अर्चना करना इत्यादि कर्म होते हैं, उन्हें देखकर वह आनन्दित होता है। इसके विपरीत जो अशुभ कर्म यानी किसी का अहित करना, चोरबाजारी करना, किसी को धोखा देना, रिश्वतखोरी करना, किसी की पीठ में छुरा मारना, किसी को अपशब्द कहना, किसी का अनावश्यक अपमान करना, किसी साथी का हक मारना, जाने-अनजाने किसी का बुरा करना आदि जो भी कर्म उसने जीवन में किए होते हैं, उन्हें देखकर वह रोता है। ईश्वर से प्रार्थना करता है कि थोड़े समय की मोहलत दे दे तो जिनके साथ बुरा व्यवहार किया है, वह लोगों से क्षमा माँग ले या कुछ और अच्छे कर्म कर ले। जो कार्य अधूरे रह गए हैं, उन्हें वह पूरे कर ले। उस समय उसका नाम, उसका यश, उसकी कीर्ति, उसकी अपार सम्पदा उसके किसी काम नहीं आती। उस सब के बदले उसे कोई भी जीवन के कुछ पल नहीं दिला सकता। मनुष्य सारा जीवन उपलब्धियाँ प्राप्त करने में जुटा रहता है। अपना सारा सुख-चैन होम करके जीवन में ऊँचाइयों को छू लेता है। जब उसे यह लगता है कि जो कुछ जीने के लिए चाहिए, वह सब उसने कमा लिया है। अब उसकी कोई और इच्छा शेष नहीं बची तो ईश्वर कहता है, 'अब तू सब छोड़कर मेरे पास आ जा।' यानी उसे अपने कमाए हुए सारे ऐश्वर्य को भोगने का समय भी उसे नहीं मिल पाता। उस समय आपनी सारी दौलत के बदले वह कुछ पल नहीं खरीद सकता। यही मानव जीवन की त्रासदी है कि कमाता कोई और है और उसे भोगता कोई और ही है। मनुष्य को धन-वैभव जुटाने के पीछे इतना पागल नहीं हो जाना चाहिए कि वह अपनों को ही भूल जाए। समय रहते अपने ऐश्वर्य का भोग करना चाहिए। अपने बच्चों के साथ समय व्यतीत करना चाहिए। अपनी सामर्थ्य के अनुसार उन्हें देश-विदेश की सैर करवानी चाहिए। ऐसा नहीं करना चाहिए कि पैसा लो और घूम आओ या मौज-मस्ती कर लो। घूमने जाने से अधिक महत्त्व अपने माता-पिता के साथ का होता है। कभी-कभार अपने कार्य से समय निकालकर बच्चों के साथ बैठना चाहिए। उनकी छोटी-छोटी समस्याओं को सुनकर उन्हें सुलझाना चाहिए। ऐसे कई बच्चों को बहुत करीब से देखा है जिनके माता-पिता के पास बच्चों के लिए समय नहीं होता। ऐसे बच्चे उद्दण्ड व जिद्दी बन जाते हैं। वे जान-बूझकर ऐसे काम करते हैं जिनसे उनके माता-पिता को कष्ट हो यानी वे उनका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए ऊलजलूल हरकतें करते हैं यानी घर या स्कूल में मारपीट करना, स्कूल से या ट्यूशन से बैंक करना, पढ़ाई न करना, टेस्ट की तैयारी न करना। इससे उनकी शिकायतें हर तरफ से माता-पिता को मिलती है। फिर भी वे बालमन को पढ़ने का यत्न नहीं करते बल्कि उन्हें दोष देते हैं, फटकारते हैं। यह सब जब अन्तकाल में चलचित्र की तरह देखता है तो उसे बहुत क्षोभ होता है। मृत्युशैय्या पर पड़ा मनुष्य बेबस होकर देखता ही रह जाता है, कर कुछ सकता नहीं। अपने जीवन की बाजी पलट नहीं सकता। अपने दुर्भाग्य को कोसता है कि उसने सारी आयु उसने उतना कमाया नहीं जितना उसने गंवा दिया है। सम्पूर्ण जीवन बीत जाने के बाद अन्त समय में पश्चाताप करने के अतिरिक्त मनुष्य और कुछ भी नहीं कर सकता। तब वह न अपने पापकर्मों से मुक्त हो सकता है और न ही अपने पुण्यकर्मों में कुछ जोड़ सकता है। इसलिए समय रहते आत्मविश्लेषण करते रहना चाहिए। जो कार्य अधूरे रह गए हों, उन्हें शीघ्र पूर्ण कर लेना चाहिए। जो अपने से गलत कार्य हो गए हैं, उन्हें सुधारने का प्रयास करना चाहिए। जिनके साथ दुर्व्यवहार किया हो, उनसे क्षमा याचना कर लेनी चाहिए। प्रयास यही करना चाहिए कि जितना जीवन शेष बचा है उसका सदुपयोग करते हुए शुभ कार्यों में लगाना चाहिए। इस तरह करते रहने से अन्तकाल में मनुष्य सिर उठाकर उस मालिक के दरबार में खड़ा हो सके।

नाजुक दौर में रिश्तों की डोर

प्रत्येक दिन ऐसी घटना कहीं ना कहीं जरूर सुनाई दे रही है जिससे रिश्तो की मर्यादाएं कलंकित हो रही है और सवाल खड़ा हो रहा है । कहीं बेटा बाप की हत्या कर दे रहा है , पति पत्नी की , पत्नी पति की , बेटा मां बाप का , भाई बहन का , बहन भाई का आदि आदि । ऐसी घटनाएं मन को झकझोर कर रख देती हैं कि आखिर यह क्या हो रहा है ? लालच स्वार्थ आदि के लिए अपने अपनों की जान ले ले रहे हैं । कहीं-कहीं मानसिक विकारों के कारण भी लोग अपनों की जान ले रहे हैं । माना जाता है कि लोग घर परिवार में ज्यादा सुरक्षित होते हैं और घर परिवार जैसे सुरक्षित कोई और जगह हो भी नहीं सकती है लेकिन अब यह भी सुरक्षित नहीं रह गया है । आखिर यह क्या हो रहा है ? हमारी संस्कृति , हमारी परंपराएं हमें ऐसी शिक्षा तो नहीं देती कि हम किसी की गला घोंटे तुच्छ स्वार्थों के लिए । आखिर कहां जा रहे हैं हम । कहीं हम ऐसे पतन की तरफ तो नहीं बढ़ रहें हैं जिसका कोई इलाज हीं न हो ? क्या भौतिकतावाद ने हमारी आंखें बंद कर रखीं हैं। कहीं ना कहीं भौतिकतावाद समाज भी इसके लिए जिम्मेदार हैं । हम नैतिकता , सदाचार , सहयोग , भावात्मकता आदि चीजों पर जोर नहीं दे रहे हैं । इस चीजों से दूर होते जा रहे हैं जिससे ऐसे परिणाम हमें भुगतने पड़ रहें हैं। हमारी सांस्कृतिक शिक्षा, हमारी परंपराएं ऐसी शिक्षा देती थी, सिख देती थी जिससे परिवार , समाज , मजबूत बन सके । लोग एक दूसरे को समझ सके , भावात्मकता जुड़ाव मजबूत हो सके । धीरे-धीरे हम अपनी संस्कृति परंपरा से दूर होते जा रहे हैं और हर जगह स्वार्थीपन , लालच जैसी चीजें अपना साम्राज्य स्थापित करतीं जा रहीं हैं जिसका नतीजा यह देखने को मिल रहा है। आजकल मोबाइल गेमिंग भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। अगर स्थिति ऐसी ही रही और इसके प्रति सोचा नहीं गया , ऐसी घटनाएं रोकने का प्रयास नहीं किया गया तो स्थिति और बद से बदतर हो सकती है । हर रोज पढ़ने सुनने देखने को मिल रहा है कि अपने ने किसी अपने की ही जान ले लिया । ऐसी-तैसी खबरें आखिर हम कब तक पढ़ते सुनते देखते रहेंगे। सोचने वाली बात है कि ऐसे लोग पनप कहां रहे हैं । हमें ऐसे शिक्षा की जरूरत है , अभियान की जरूरत है जो हमारे अंदर से स्वार्थ लालच के साथ नशाखोरी आदि बुराई को भी खत्म करें । हमारी सांस्कृतिक शिक्षा, परम्पराओं आदि चीजों से हमें जोड़ें जिससे हम सब इस प्रकार की घटनाओं से दूर हो सकें और एक मजबूत रिश्तो की नींव का निर्माण कर सकें जिसमें बड़े छोटे सभी रिश्तों की मर्यादा हों,समझ हों । हर उन चीजों पर सख्त रोक लगें जो रिश्तों की डोर को कमजोर कर रहें हैं।

हमें भी अपनी भाग दौड़ भरी जिंदगी से समय निकालकर एक दूसरे के साथ समय बिताना पड़ेगा तभी हम और हमें हमारा परिवार और रिश्ते हमें समझ पाएंगे हम उन्हें समझ पाएंगे। एक जमाने में दादा – दादी , नाना – नानी , मां-बाप , बच्चों को समय देते थे शिक्षाप्रद , संस्कारयुक्त कहानी सुनाते बताते सीखते थे लेकिन यह सब बीती बात हो गई है। सब लोग कामकाजी हो गए हैं । सबको शहर की हवा लग गई है । समय किसी के पास नहीं है। दादा-दादी , नाना – नानी गांव में होते है पोता पोती शहर में मां-बाप के साथ होते हैं । मां-बाप भी नौकरी पेशा वाले हैं। बच्चा स्कूल स्कूल से घर बाकी समय अकेलेपन में । सबके पास समय का अभाव है । एक दूसरे को समझने का समय किसी के पास नहीं है । आज आवश्यकता इस बात की है कि भाग दौड़ भरी जिंदगी से समय निकालकर बच्चों को समय जरूर दिया जाए , उन्हें समझा जाए अगर औलाद कहीं रिश्ते मर्यादा नहीं समझनें वाला है तो आपका सब कुछ बेकार हो गया जबकि सब कुछ औलाद के लिए ही किया गया। आज से ही सही कोशिश कीजिए की रिश्तों की मर्यादा बचीं रहें।

मलाइका अरोड़ा एक मिस्ट्री मैन संग, स्पेन में

बॉलीवुड की ग्लैमरस डीवा मलाइका अरोड़ा अपनी प्रोफेशनल बातों से ज्यादा अपनी पर्सनल बातों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इस प्लेटफार्म पर उन्हें 19 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। पहले पिछले साल 11 सितंबर को अपने पिता अनिल अरोड़ा की मौत और उसके बाद एक्टर अर्जुन कपूर संग ब्रेकअप को लेकर चर्चा में रहीं मलाइका अरोड़ा, 'चल छैया छैया' और 'मुन्नी बदनाम हुई' 'अनारकली डिस्को चली', 'ढोलना', 'आप जैसा कोई', 'काल धमाल', 'माही वे' जैसे सुपरहिट आइटम सॉन्ग में अपनी डांसिंग स्किल्स और खासकर अपने फैशन स्टेटमेंट के लिए जानी जाती हैं। पिछली बार मलाइका अरोड़ा को सॉन्ग 'येक नंबर' में देखा गया था। मलाइका अरोड़ा अब तक अनेक डांस रिएलिटी शो में जज के किरदार में बेहद ग्लैमरस और खूबसूरत अवतार में नजर आ चुकी हैं। 2022 में मलाइका अपना शो 'मूविंग इन विद मलाइका' लेकर आई थीं। इसमें उन्हें स्टैंड अप कॉमेडी करते हुए भी देखा गया था। इस कि. रदार में भी फैंस ने उन्हें काफी पसंद किया। हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने अपने बेटे अरहान खान के साथ मिलकर एक 'स्कार्लेट हाउस' नाम से रे. स्टोरेंट शुरू किया है। इस तरह मलाइका अब एक एक्ट्रेस के साथ एक बिजनेस वुमन भी बन चुकी हैं। मलाइका 1998 में सलमान खान के मझले भाई अरबाज के साथ शादी की थी। शादी के लगभग 20 साल बाद 2017 में उन्होंने अरबाज खान से तलाक ले लिया। अरबाज से अलग होने के बाद 2018 में उन्होंने 11 साल छोटे एक्टर अर्जुन कपूर को डेट करना शुरू किया। पहले दोनों ने अपने रिलेशनशिप को सीक्रेट रखा। मलाइका और अर्जुन इस रिलेशनशिप को लेकर काफी सीरियस थे। दोनों ने साल 2019 में 'इंडियाज मोस्ट वांटेड' की स्क्रीनिंग पर अपने रिश्ते को ऑफिशियली कंफर्म किया था। उसके बाद मलाइका ने इसे अपने इंस्टा अकाउंट पर भी ऑफिशियल कर दिया । लेकिन 6 साल की डेटिंग के बाद मलाइका ने अर्जुन कपूर से अचानक रिश्ता तोड़ लिया. उसके बाद से ही मलाइका अरोड़ा एक बार फिर चर्चा में छा गई। मलाइका अपनी फिटनेस का भी पूरा ध्यान रखती हैं. वो टीवी और फिल्मों में लगातार काम कर रही हैं। अपने ग्लैमरस लुक और फिटनेस को लेकर हमेशा चर्चा में बनी रहती हैं। मलाइका अरोड़ा इतनी अधिक खूबसूरत और फिट हैं कि यदि वे चाहती तो बतौर लीड एक्ट्रेस एक्टिंग करियर की शुरूआत करते हुए बड़ी से बड़ी एक्ट्रेसेस के लिए खतरा बन सकती थीं। लेकिन मलाइका ने इससे बिलकुल अलग एक नई राह चुनी। मलाइका अरोड़ा ने भले ही कम फिल्मों में काम किया हो, लेकिन अपने लटकों–झटकों की वजह से बॉलीवुड पर छाई रहती थी। उनका ग्लैमरस अंदाज अक्सर फैंस को उनके सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए नजर आता रहता हैं। कभी वह शॉर्ट ड्रेस में नजर आती हैं तो कभी बिकिनी में फैंस के दिलों पर छुरियां चलाती हैं। अर्जुन कपूर से अलगाव होने के बाद कहा जा रहा है कि मलाइका की लाइफ में एक बार फिर प्यार ने दस्तक दी है। हाल ही में मलाइका दारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्बीरों में वह एक मिस्ट्री मैन संग, स्पेन में क्वालिटी टाइम एंजॉय करते हुए नजर आईं। इन तस्बीरों ने हर किसी का ध्यान खींचा। हालांकि तस्बीरों में उस मिस्ट्री मैन का चेहरा क्लियर नजर नहीं आ रहा था लेकिन अब एक बार फिर चर्चाओं का दौर शुरू हो चुका है कि अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद मलाइका इस मिस्ट्रीमैन को डेट कर रही हैं।

इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म 'नादानियां' सात मार्च को नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

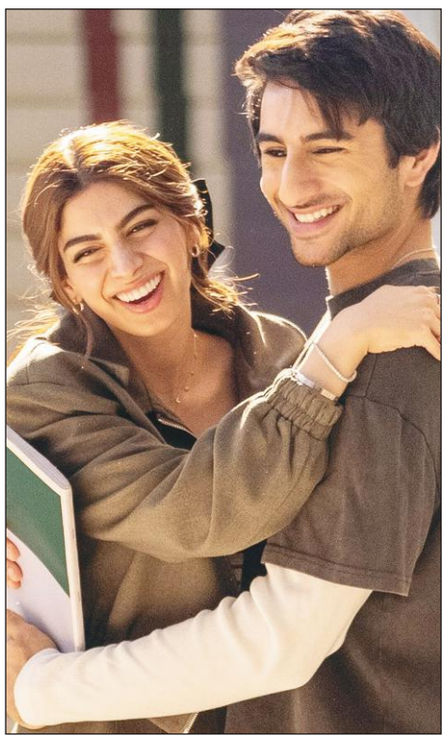

नयी दिल्ली, अभिनेता सैफ अली खान और अभिनेत्री अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म 'नादानियां' सात मार्च को 'नेटफ्लिक्स' पर रिलीज होगी। ऑनलाइन मंच ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। फिल्मकार करण जौहर की निर्माण कंपनी धर्मा प्रोडक्शन की डिजिटल इकाई धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने इसका निर्माण किया है। शौना गौतम इसके निर्देशक हैं। 'नेटफ्लिक्स' ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर एक वीडियो साझा करते हुए फिल्म की रिलीज तारीख की घोषणा की। उसने लिखा, '' कुछ–कुछ होता है ऐसी नादानियां देख कर। फिल्म 'नादानियां' देखें सात मार्च को केवल नेटफ्लिक्स पर।'' फिल्म में इब्राहिम अली के साथ खुशी कपूर भी मुख्य भ. ूमिका में हैं। इसके अलावा इसमें अभिनेत्री महिमा चौधरी, दीया मिर्जा, अभिनेता सुनील शेट्टी और जुगल हंसराज भी नजर आएंगे।

स्कोडा के ब्रांड एम्बैसडर बने अभिनेता रणवीर सिंह

नयी दिल्ली, वाहन विनिर्माता स्कोडा ऑटो इंडिया ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को अपना ब्रांड एम्बैसडर बनाया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निद. ेशक पेट्र जेनेबा ने कहा कि रणवीर सिंह की शख्सियत, जो फिल्मी पर्दे पर और असल जिंदगी में भी बहुत ऊर्जा और प्रतिभा से भरी हुई है, वह स्कोडा के ब्रांड के जोश और मूल्यों के साथ पूरी तरह मेल खाती है। स्कोडा ने कहा है कि यूरोप के बाहर भारत उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण बाजार है। स्कोडा ने पहले ही 2026 तक देश में सालाना एक लाख कारें बेचने की योजना की रूपरेखा तैयार कर ली है।

'इमरजेंसी' 17 मार्च से नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगी : कंगना रनौत

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' 17 मार्च से नेटफ्लिक्स पर प्रसारित की जाएगी। यह फिल्म अपने सेंसर प्रमाणपत्र तथा सिख समुदाय को गलत ढंग से प्रस्तुत करने के आरोपों के कारण विवादों में रही और कई बार रिलीज टलने के बाद 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। आपातकाल के समय पर आधारित इस फिल्म में कंगना रनौत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई है। वह इसकी निर्देशक एवं निर्माता भी हैं। रनौत ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर फिल्म की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा , '' 17 मार्च से नेटफ्लिक्स पर ...''

छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री ने विदेशी फंड का इस्तेमाल करने वाले एनजीओ की जांच करने के निर्देश दिए

रायपुर, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को राज्य में विदेशी फंड प्राप्त करने वाले एनजीओ की जांच करने के निर्देश दिए हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस तरह की सहायता का उपयोग धर्मांतरण सहित अवैध गतिविधियों में नहीं किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि धर्मांतरण जैसी अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले किसी भी संगठन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बृहस्पतिवार देर शाम रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पर संवाददाताओं से साय ने कहा, "कई एनजीओ स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने के लिए विदेशों से सहायता (धन) प्राप्त करते हैं। लेकिन यह देखा गया है कि इस तरह के फंड का इस्तेमाल स्वास्थ्य और शिक्षा के बजाय धर्मांतरण पर अधिक किया जाता है।" उन्होंने कहा, "मैंने (अधिकारियों से) कहा है कि इसकी जांच की जानी चाहिए जिससे इस तरह के फंड का इस्तेमाल उसके वास्तविक उद्देश्य के लिए हो।" बृहस्पतिवार रात जारी एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में कार्यरत कुछ गैर–सरकारी संगठनों को हुई फंडिंग के दुरुपयोग को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस विदेशी सहायता का उपयोग धर्मांतरण जैसी अवैध गतिविधियों में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, जहां हर व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार धर्म मानने की स्वतंत्रता है। ''लेकिन जब अशिक्षा, गरीबी, चंगाई या लोक–परलोक के नाम पर लोगों को बहका कर या प्रलोभन देकर जबरन धर्म परिवर्तन कराया जाता है, तो यह न केवल अनैतिक है, बल्कि संविधान की मूल भावना के भी विरुद्ध है। '' बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां स्वास्थ्य और शिक्षा के नाम पर विदेशी धन प्राप्त करती हैं, लेकिन इसकी आड़ में स्थानीय लोगों को भ्रमित कर, लालच देकर, चंगाई के माध्यम से धर्मांतरण कराती हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि एनजीओ को जिस उद्देश्य के लिए फंडिंग दी जा रही है, उसका सही उपयोग हो रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी एनजीओ स्वास्थ्य और शिक्षा के नाम पर विदेशी फंडिंग लेकर किसी भी तरह की अवैध गतिविधि में लिप्त न हो। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है, तो कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बयान में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए पहले से ही सख्त कानूनों को लागू कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जो भी संगठन, व्यक्ति या संस्था इस तरह की गतिविधियों में लिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। साय ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार सभी धर्मों का सम्मान करती है और राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लेकिन यदि कोई भी संस्था धर्मांतरण के माध्यम से समाज में अस्थिरता फैलाने का प्रयास करती है, तो सरकार उसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। राज्य सरकार इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर आवश्यक कदम उठाएगी, जिससे इस तरह की गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जा सके।

योग आत्म विकास का सबसे बड़ा माध्यम : राज्यपाल बागडे

जयपुर, (भाषा) राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को कहा कि भारत योग की संस्कृति से जुड़ा राष्ट्र है और योग आत्म विकास का सबसे बड़ा माध्यम है। वे यहां 'योग साधक सम्मान' समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योग और फागुन महोत्सव की तर्ज पर शिक्षा महोत्सव भी आयोजित किया जाना चाहिए। आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने कहा कि योग आत्म विकास का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि यह किसी और के लिए नहीं बल्कि हमारे अपने स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है। उन्होंने इस अवसर पर 1611 मिनट का अनवरत योग कर विश्व कीर्तिमान स्थापित करने में महती भूमिका निभाने वाले योगाचार्य, योग प्रशिक्षकों और योग प्रेरकों का अभिनंदन करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़ तथा सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद थीं।

प्रदर्शनकारी किसानों और केंद्र के बीच अगले दौर की बातचीत 22 फरवरी को

चंडीगढ़, (भाषा) प्रदर्शनकारी किसानों की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए केंद्र सरकार के साथ शनिवार शाम को यहां नये दौर की वार्ता होगी। प्रदर्शनकारी किसान फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी को लागू करने समेत विभिन्न मांग कर रहे हैं। किसानों ने पहले मांग की थी कि अगली बैठक दिल्ली में हो, लेकिन केंद्र ने इसे चंडीगढ़ में तय किया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव पूर्ण चंद्र किशन ने बैठक के संबंध में किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंढेर को संबोधित एक पत्र भेजा है। संयुक्त सचिव पूर्ण चंद्र किशन ने 19 फरवरी को लिखे गए पत्र में कहा, ''यह संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–रा. जनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के नेताओं के साथ पिछली बैठक का क्रम है, जो 14 फरवरी को चंडीगढ़ में हुई थी।'' उन्होंने हिंदी में लिखे इस पत्र में कहा, ''इसी क्रम में 22 फरवरी को चंडीगढ़ स्थित महात्मा गांधी लोक प्रशासन संस्थान में किसान संगठनों की मांगों को लेकर भारत सरकार और पंजाब सरकार के मंत्रियों के साथ बैठक आयोजित की गई है। आप बैठक में सादर आमंत्रित हैं..।'' इससे पहले 14 फरवरी को केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के नेतृत्व में एक केंद्रीय टीम और किसान प्रतिनिधियों के बीच यहां बैठक हुई थी, तब दोनों पक्षों ने कहा था कि बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई है। यह बैठक आंदोलनरत किसानों की विभिन्न मांगों की पृष्ठभूमि में आयोजित की गई, जिसमें फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी भी शामिल है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले साल 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बार्डर पर डेरा डाले हुए हैं।

राजस्थान : डोटासरा सहित कांग्रेस के छह विधायकों को विधानसभा से निलंबित करने का प्रस्ताव पारित

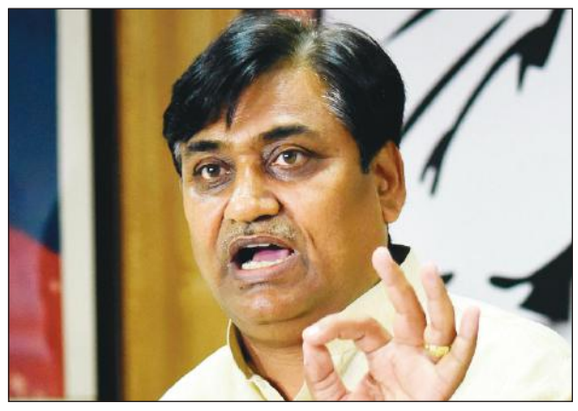

जयपुर, (भाषा) राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को कथित अशोभनीय व निंदनीय आचरण करने के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित पार्टी के छह विधायकों को बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग द्वारा रखे गए इस आशय के प्रस्ताव के पारित होने की घोषणा की। इसके बाद सदन की कार्यवाही 24 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। मुख्य सचेतक गर्ग ने विधायकों के निलंबन का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, ''मैं निवेदन करता हूं कि प्रतिपक्ष के सदस्यों द्वारा सदन में अशोभनीय और निंदनीय आचरण किए जाने के फलस्वरूप निम्नांकित माननीय सदस्यों को मौजूदा बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए...गोविंद सिंह डोटासरा, रामकेश मीणा, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन, हाकिम अली व संजय कुमार।'' देवनानी ने इस प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित हुआ घोषित किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही 24 फरवरी पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। उल्लेखनीय है कि मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के संदर्भ में एक ''अनुचित'' शब्द का इस्तेमाल किए जाने पर शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी के बीच सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। दरअसल, राज्य के सामा. जिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी सवाल का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा, ''2023–24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था।'' नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस पर आपत्ति जताई और मंत्री से माफी मांगने एवं शब्द को कार्यवाही से हटाए जाने की मांग की। इसके बाद कांग्रेस के विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी और वे आसन के सामने आ गए। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। चौथी बार शाम चार बजे जब सदन की बैठक हुई तो मुख्य सचेतक गर्ग ने विधायकों के निलंबन का प्रस्ताव रखा।

मध्यप्रदेश: पोस्टमॉर्टम करने वाले सरकारी चिकित्सक ने 18 वर्ष में नहीं लिया एक भी सामान्य अवकाश

इंदौर। देश के कॉर्पोरेट जगत में कर्मचारियों के काम के घंटों को लेकर जारी बहस के बीच इंदौर के एक सरकारी अस्पताल के 64 वर्षीय चिकित्सक ने अनूठा कारनामा कर दिखाया है। अस्पताल प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी के मुताबिक, इस चिकित्सक ने गुजरे 18 वर्ष में महीने भर के चिकित्सा अवकाश के अलावा कोई भी सामान्य छुट्टी नहीं ली है। शासकीय गोविंद बल्लभ पंत जिला चिकित्सालय के मुख्य अधीक्षक डॉ. जीएल सोढ़ी ने शुक्रवार को 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि अस्पताल में शव परीक्षण विभाग की शुरुआत छह नवंबर 2006 को हुई थी और डॉ. भरत बाजपेयी तब से इस इकाई में पदस्थ हैं। उन्होंने बताया कि गुजरे 18 वर्ष में बाजपेयी ने सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाला कोई भी सामान्य अवकाश नहीं लिया हालांकि तबीयत बेहद खराब होने के कारण वह एक महीने के चिकित्सा अवकाश पर जरूर रहे थे। मुख्य अधीक्षक ने कहा,''गुजरे 18 वर्षों में बाजपेयी 15,000 से ज्यादा शवों के पोस्टमॉर्टम कर चुके हैं। उनका लगातार पोस्टमॉर्टम करना काम से उनका गहरा लगाव दिखाता है।'' मृत्यु और न्याय को लेकर अलग–अलग उद्धरण बाजपेयी के कार्यालय से लेकर शव परीक्षण कक्ष के बाहर लिखे दिखाई देते हैं, जिनमें प्रमुख हैं 'चैतन्य की मदद करते हुए मृत्यु यहां मुदित रहती है' और 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात नहीं कहोगे?' बाजपेयी के मुताबिक, उनके परिवार में आए सुख–दुःख के कई अवसरों पर भी उन्होंने अपने काम को तरजीह दी क्योंकि मेडिकोलीगल मामलों में पोस्टमॉर्टम कानूनी प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण अंग होता है और इसे टाला नहीं जा सकता। उन्होंने कहा,''मैंने अपने बेटे की शादी के दिन भी दो शवों के पोस्टमॉर्टम किए थे। पोस्टमॉर्टम के बाद मैं शाम को बेटे की बारात और विवाह समारोह में शामिल हुआ था। मैं खुशकिस्मत हूं कि मेरे परिवार के लोगों ने हमेशा तालमेल बनाए रखा और मुझे काम पर जाने से कभी नहीं रोका।'' बाजपेयी (64) अगस्त में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्होंने कहा,''मेरे कर्तव्य के केंद्र में हमेशा मुर्दे रहे। इसलिए मुझे कहने दीजिए कि मुझे जिंदा इंसानों के साथ मुर्दों से भी मोहब्बत है। मैंने हमेशा चाहा कि मैं जिस भी मुर्दे का पोस्टमॉर्टम करूं, उसे अदालत में न्याय मिले।''

घुटने के गठिया का पता लगाने के लिए एक्स–रे कराने से सर्जरी पर विचार की अधिक संभावना हो सकती है

मेलबर्न, (द कन्व. रसेशन) गठिया दीर्घकालिक दर्द और विकलांगता का एक प्रमुख कारण है, जिससे ऑस्ट्रेलिया में 20 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। इस रोग का पता लगाने के लिए नियमित एक्स–रे की सिफारिश नहीं की जाती है। इसके बजाय, डॉक्टर लक्षणों और चिकित्सा इतिहास के आधार पर गठिया से ग्रसित होने का पता लगा सकते हैं। फिर भी ऑस्ट्रेलिया में डॉक्टर के पास जाने वाले घुटने के गठिया के लगभग आधे नए रोगियों को एक्स–रे के लिए भेजा जाता है। घुटने के गठिया का पता लगाने के लिए होने वाले एक्स–रे से स्वास्थ्य प्रणाली को हर साल करीब 10.4 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का नुकसान होता है। हमारे नए अध्ययन से पता चलता है कि घुटने के गठिया का पता लगाने के लिए एक्स–रे का सहारा लेने पर व्यक्ति अपने घुटने के दर्द के बारे में कैसे सोचता है। पाया गया कि ऐसा एक्स–रे उन्हें संभवतः अनावश्यक रूप से घुटने की 'रिप्लेसमेंट सर्जरी' पर विचार करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

जब आपको गठिया हो जाए तो क्या होता है? : गठिया, जोड़ों में होने वाले बदलावों और जोड़ों द्वारा अपनी सामान्य स्थिति बरकरार रखने के लिए अतिरिक्त मेहनत करने के कारण होता है। यह हड्डियों, कार्टिलेज, स्नायुबंधन और मांसपेशियों सहित पूरे जोड़ को प्रभावित करता है। यह वृद्धों, अधिक वजन वाले लोगों और घुटने की चोट के इतिहास वाले लोगों में सबसे आम समस्या है। घुटने के गठिया से पीड़ित कई लोगों को लगातार दर्द महसूस होता है और उन्हें रोजमर्रा की गतिविधियों जैसे चलने और सीढ़ियां चढ़ने में कठिनाई होती है।

इसका उपचार कैसे किया जाता है?: वर्ष 2021–22 में 53,000 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने गठिया के लिए घुटने की 'रिप्लेसमेंट सर्जरी' करवाई। इसके उपचार पर 2020–21 में 3.7 अरब डॉलर खर्च किए गए थे। यद्यपि गठिया के लिए इस तरह की सर्जरी को अक्सर अपरिहार्य माना जाता है, लेकिन इस पर केवल उन लोगों के लिए विचार किया जाना चाहिए जिनके लक्षण गंभीर हैं और जिन्होंने पहले से ही दवाओं से उपचार की कोशिश की है। सर्जरी से रक्त का थक्का जमने या संक्रमण जैसी गंभीर प्रतिकूल घटनाओं का खतरा रहता है, तथा हर कोई पूरी तरह ठीक भी नहीं हो पाता। केवल एक्स–रे के आधार पर सर्जरी से जुड़े फैसले लेने पर भी कई सवाल खड़े होते हैं। शोध से पता चलता है कि एक्स–रे पर जोड़ में दिखने वाले संरचनात्मक बदलावों की सीमा किसी व्यक्ति द्वारा महसूस किए जाने वाले दर्द या विकलांगता के स्तर को नहीं दर्शाती है, न ही इस बात का पता चलता है कि आने वाले दिनों में लक्षण कैसे बदलेंगे। शोध में यह भी पाया गया कि जोड़ों में बेहद कम बदलाव वाले कुछ लोगों में बहुत बुरे लक्षण होते हैं, जबकि जोड़ों में अधिक परिवर्तन वाले अन्य लोगों में केवल हल्के लक्षण होते हैं। यही कारण है कि घुटने के गठिया के उपचार संबंधी निर्णय लेने के लिए नियमित एक्स–रे की सिफारिश नहीं की जाती है। इसके बजाय, उपचार संबंधी निर्देश व्यक्ति की आयु (45 वर्ष या उससे अधिक) और लक्षणों के आधार पर ''नैदानिक निदान'' की सिफारिश करते हैं, जिसमें गतिविधि के साथ जोड़ों में दर्द महसूस होना और सुबह के समय जोड़ों में कोई अकड़न न होना या 30 मिनट से कम समय तक अकड़न रहना शामिल हैं।

(बेलिंडा लॉफोर्ड, किम बेनेल, राना हिनमैन और ट्रैविस हैबर, मेलबर्न विश्वविद्यालय)

मध्यप्रदेश : सबसे लंबे समय तक शास्त्रीय नृत्य करने का रिकॉर्ड गिनीज बुक में दर्ज

छतरपुर, (भाषा) मध्यप्रदेश में 51वें खजुराहो नृत्य महोत्सव में 139 कलाकारों ने 24 घंटे से अधिक समय तक नृत्य कर सबसे लंबे समय तक शास्त्रीय नृत्य करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नृत्य की शुरुआत बुधवार अपराह्न दो बजकर 34 मिनट पर हुई, जो बृहस्पतिवार अपराह्न दो बजकर 43 मिनट पर समाप्त हुआ। नृत्य 24 घंटे, नौ मिनट और 26 सेकंड तक बिना रुके जारी रही। उन्होंने बताया कि प्रस्तुति को विश्व रिकॉर्ड घोषित करने के बाद गिनीज टीम ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को एक प्रमाण पत्र प्रदान किया। अधिकारी ने बताया कि मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कथक, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम और ओडिसी की प्रस्तुतियां दी गईं।

जबलपुर की बेटी 'इलेक्ट्रॉनिक पर्सनल लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली पायलट बनी

जबलपुर, जबलपुर की इशिता भार्गव (22) इलेक्ट्रॉनिक पर्सनल लाइसेंस (ईपीएल) हासिल करने वाली भारत की पहली पायलट बन गई है। ईपीएल पारंपरिक भौतिक ला. इसेंस का डिजिटल संस्करण है, जिसे मोबाइल ऐप के जरिए प्राप्त किया जा सकेगा। नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में पायलट के लिए ईपीएल का शुभारंभ किया। यह भारत में नागरिक उड्डयन के आधुनिकीकरण और सुरक्षा, संरक्षा और दक्षता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही भारत, चीन के बाद, विमान के चालक दल के लिए ईपीएल लागू करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। जबलपुर निवासी इशिता भार्गव को बृहस्पतिवार को नायडू की उपस्थिति में नयी दिल्ली में आयोजित एक समारोह में ईपीएल प्राप्त हुआ। इशिता के गौरवान्वित पिता रजत भार्गव ने शुक्रवार को 'पीटीआई–भाषा' को यह जानकारी दी। रजत ने कहा कि इशिता ने दिसंबर में उत्तर प्रदेश के अमेठी में स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (आईजीआरयूए) में अपना वाणिज्यिक पायलट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा किया। रजत ने कहा कि ईपीएल में एक व्यक्तिगत वाणिज्यिक पायलट के उड़ान का रिकॉर्ड होता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''ईपीएल कार्मिक लाइसेंस का एक डिजिटल संस्करण है जो पायलट के लिए पारंपरिक भौतिक लाइसेंस की जगह लेगा। यह ईजीसीए मोबाइल ऐप के माध्यम से सुरक्षित रूप से सुलभ होगा, जो भारत सरकार की 'व्यापार सुगमता' और 'डिजिटल इंडिया' जैसी पहलों के अनुरूप एक सहज और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करेगा।''

डिजिटल जगत में मानवाधिकार के रूप में निजता की सुरक्षा आवश्यक : एनएचआरसी प्रमुख

नयी दिल्ली, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वी रामसुब्रमण्यन ने इस बात पर जोर दिया है कि डिजिटल जगत में ''मानवाधिकार के रूप में निजता'' की सुरक्षा आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि मानवीय मूल्यों में ''काफी गिरावट'' आई है और इसके परिणाम भुगतने होंगे। आयोग द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, एनएचआरसी प्रमुख ने इसके परिसर में आयोजित 'डिजिटल युग में गोपनीयता और मानवाधिकार सुनिश्चित करना: कॉरपोरेट डिजिटल जिम्मेदारी पर ध्यान' विषय पर एक खुली चर्चा के दौरान यह टिप्पणी की। चर्चा में जो महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए, उनमें शामिल हैं –– उपभोक्ता की समझ और व्यक्तिगत डेटा पर नियंत्रण बढ़ाने के लिए उपयोगकर्ता समझौतों और नीतिगत ढांचे को सरल बनाना, विशेष रूप से अनुसंधान संस्थानों और तीसरे पक्ष के डेटा प्रोसेसर के लिए ''स्पष्ट जवाबदेही'' तय करना तथा अधिक पारदर्शिता के लिए उपयोगकर्ता सहमति ढांचे को मजबूत करना। बयान के अनुसार, अनुपालन न करने पर स्पष्ट दंडात्मक प्रावधान'' करने, डेटा साझाकरण संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों की आवश्यकता, सख्त डेटा स्थानीयकरण अनिवार्यताओं से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने तथा नाबालिगों से जुड़े सत्यापन के लिए माता–पिता की सहमति प्राप्त करने के लिए स्पष्ट दिशा–निर्देश तैयार करने का भी सुझाव दिया गया है।

बच्चों की आंखों के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर चर्चा के लिए ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका सहित कई देशों के विशेषज्ञों ने बच्चों की आंखों के स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए दो दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी आयोजित की। आयोजकों ने यह जानकारी दी। यह कार्यक्रम बृहस्पतिवार शाम को शुरू हुआ, जिसमें अमेरिका के कैलिफोर्निया और अन्य स्थानों से कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ, विद्वान, नेत्र रोग विशेषज्ञ शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि 'बाल नेत्र स्वास्थ्य संगोष्ठी : कार्रवाई का आह्वान' शीर्षक से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की आंखों के स्वास्थ्य के भविष्य को आकार देने में मदद करना और इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर जागरूकता पैदा करना है। आयोजकों के एक प्रतिनिधि ने कहा कि इस पहल में 'वन स्कूल एट ए टाइम', 'बर्कले विजन'; 'इंडिया विजन इंस्टीट्यूट' (आईवीआई); 'वनसाइट एस्सिलोर लक्सोटिका फाउंडेशन'; और 'यूनिसेफ' भाग ले रहे हैं। प्रतिनिधि ने कहा कि आज के बच्चे कल वयस्क बनेंगे, इसलिए समय रहते कदम उठाने का मतलब है कि स्थिति बिगड़ने से पहले उनकी आंखों को ठीक करना या उनकी रक्षा करना। आयोजकों ने कहा कि बड़ी संख्या में बाल नेत्र स्वास्थ्य विशेषज्ञों, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और अन्य प्रतिनिधियों ने संगोष्ठी के लिए पंजीकरण कराया है और वे संबंधित चुनौतियों से निपटने और समाधान खोजने की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

अनाज की बालियां

किसी वन में एक भील कुटुम्ब रहता था। काफी बड़ा था कुटुम्ब। कोई पच्चीस–तीस स्त्री–पुरुष और बच्चे थे। एक छोटा–सा गांव ही बस गया था वहां। अपने परिवारों को पालने के लिए मृगों का शिकार करना ही उनकी आजीविका का साधन था।

बड़ा कठोर जीवन था। महिलाओं को दूर–दूर से, झरनों, तालाबों से पानी ढो कर लाना पड़ता था। पुरुषों को शिकार करना पड़ता।

एक समय ऐसा आया कि एक परिवार को निरंतर कई दिन के प्रयास के बाद भी कोई मृग नहीं मिल पाया। सभी भूख से तड़पने लगे। परिवार का मुखिया भील चिंता में डूबा था। आशा की जोत जलाए वह रोज की तरह चल दिया। साथ में पीने का पानी भी था।

वह एक जलाशय के पास रूका। अचानक कुछ आहट मिली। वह झट से एक पेड़ की ओट में हो गया। पेड़ के नीचे एक पत्थर पर पानी का पात्र रख दिया। झटपट धनुष पर तीर चढ़ाया और निशाने के लिए तैयार हो गया। तभी पास से एक मृगी निकली।

शिकारी को वार करने के लिए तैयार देख, बोल पड़ी, 'मुझे मत मारो, मेरे बच्चे मेरा इंतजार करते होंगे और मेरे न पहुंचने पर तड़प कर जान दे देंगे। पहले उन्हें किसी को सौंप आती हूं, तब मुझे मार देना।'

मृगी को बोलता सुन शिकारी घबरा गया। हाथ से तीर छूट गया। तीर जा कर लगा पेड़ के पत्तों में। कुछ पत्ते टूट कर नीचे पत्थर पर गिर पड़े, जहां उसका पानी का पात्र रखा था। वह पत्थर था शिवलिंग और वृक्ष था बेलपत्र का। अनजाने में ही शिकारी ने शिवजी पर बेलपत्र और जल चढ़ा दिया था। संयोग की बात उस दिन थी भी शिवरात्रि। शिवजी प्रसन्न हो गए। एक बूढ़े के रूप में भील के सामने प्रकट हो गए। बोले, 'बेटा, उस मृगी को जाने दो। तुम्हारा परिवार कई दिनों से भूखा है पर पशु मार कर खाने से ही पेट नहीं भरा जाता। दूसरे तरीके भी हैं। यह लो, कुछ दाने हैं। एक–एक दाना खा लेना। इस समय की भूख मिट जाएगी, बाकी को भूमि में बो देना। पानी डाल, देखभाल करना। जो दाने पौधों पर लगेंगे, वह अनाज होगा। उसे खा कर भूख मिटा लिया करना।' बूढ़ा सारी बातें समझा कर गायब हो गया।

शिकारी लौटा। कुटुंब के साथ मिल कर दाने बोए। अनाज की बालियां लहराईं तो भील कुटुम्ब में खुशियां भी लहलहा उठीं।

सरकार ने बेराइट्स, फेल्सपार, अभ्रक, क्वाट्र्ज को प्रमुख खनिजों के रूप में किया वर्गीकृत

नयी दिल्ली, (भाषा) सरकार ने बेराइट्स, फेल्सपार, अभ्रक और क्वाट्र्ज को 'प्रमुख' खनिजों की श्रेणी में शामिल करने की शुक्रवार को घोषणा की। इस कदम से ऐसे संसाधनों की खोज व वैज्ञानिक खनन को बढ़ावा मिलेगा जो कई महत्वपूर्ण खनिजों का प्राथमिक स्रोत हैं। इससे पहले इन्हें 'गौण' खनिजों के रूप में वर्गीकृत किया जाता था। आधिकारिक बयान के अनुसार, ''खान मंत्रालय ने 20 फरवरी 2025 के राजपत्र अधिसूचना के तहत खनिजों बेराइट्स, फेल्सपार, अभ्रक और क्वाट्र्ज को गौण खनिजों की सूची से प्रमुख खनिजों की श्रेणी में डाल दिया है। '' सरकार के राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की शुरुआत के बाद यह कदम उठाया गया है। इस मिशन का मकसद देश के भीतर महत्वपूर्ण खनिजों की खोज व खनन करना है, जिसमें विभिन्न खानों और अन्य जगहों से इन खनिजों को निकालना शामिल है। इन खनिजों के पुनर्वर्गीकरण से मौजूदा पट्टों की पट्टा अवधि पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्रमुख खनिजों के रूप में इन खनिजों के लिए पट्टे अनुदान की तारीख से 50 वर्ष की अवधि तक या नवीनीकरण अवधि के पूरा होने तक (यदि कोई हो) एमएमडीआर अधिनियम 1957 की धारा 8ए के अनुसार जो भी बाद में हो तक बढ़ाए जाएंगे। बयान में कहा गया, ये खदानें धीरे–धीरे भारतीय खान ब्यूरो में पंजीकृत होंगी और इन्हें प्रमुख खनिजों के रूप में विनियमित किया जाएगा। इसके लिए चार महीने की अवधि यानी 30 जून तक का प्रावधान किया गया है। इन खनिजों की खदानों से राजस्व राज्य सरकार को पहले की तरह ही मिलता रहेगा।

सोर्सेक्स इंडिया–2025 में शामिल होंगे एवरेडी इंडस्ट्रीज जैसे प्रमुख भारतीय ब्रांड

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय निर्यातक संगठनों के महासंघ (फियो) के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के सहयोग से आयोजित व्यापार प्रदर्शनी 'सोर्सेक्स इंडिया' में एवरेडी इंडस्ट्रीज, लेक्सबैक्स इंडिया जैसे प्रमुख भारतीय ब्रांड शामिल होंगे। प्रदर्शनी का तीसरा संस्करण राष्ट्रीय राजधानी के द्वारका में स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में 26 से 28 मार्च को आयोजित होगा। फियो ने एक बयान में कहा कि सोर्सेक्स इंडिया 2025 में भारत के कुछ सबसे बड़े और सबसे गतिशील ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इनमें एवरेडी इंडस्ट्रीज, लेक्सबैक्स इंडिया, पेटारा कॉरपोरेशन, विगोर ग्रुप, ग्रेव्स अप्लायंसेज, होनासा कंज्यूमर, रॉयल अप्लायंसेज, कपसन कूलर्स, सियोन कंज्यूमर, नीलकमल, बायोम लाइफसाइंसेज इंडिया और सेमीस फूड्स शामिल हैं। इनके अलावा, कई प्रतिष्ठित सरकारी संगठन और वित्तीय संस्थान भागीदार संगठनों के रूप में शामिल हुए हैं, जिनमें इंडिया एक्जिम बैंक, एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया (ईसीजीसी), डीपी वर्ल्ड, एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स, नॉर्थ ईस्टर्न हैंडीक्राफ्ट्स एंड हैंडलूम्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, क्रेडलिक्स और 360 टीएफ शामिल हैं। सोर्सेक्स इंडिया–2025 में 45 से अधिक देशों के 200 से अधिक विदेशी खरीदार पहुंचेंगे। यह आयोजन भारतीय ब्रांड और अंतरराष्ट्रीय खरीद प्रमुखों के बीच आमने–सामने की बैठकों की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे वैश्विक स्तर पर व्यापार विस्तार, रणनीतिक गठबंधन और ब्रांड पहचान के लिए बेजोड़ अवसर पैदा होंगे। प्रदर्शनी में 3,500 से अधिक अंतर्व्यापारिक आगंतुक, 3,500 से अधिक व्यावसायिक बैठकें और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, प्रमुख व्यापार निकायों और उद्योग भागीदारों के प्रमुख अधिकारियों द्वारा आयोजित एक उच्च–स्तरीय उद्घाटन सत्र शामिल होगा। फियो अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने बयान में कहा, "सोर्सेक्स इंडिया का तीसरा संस्करण भारतीय निर्यातकों के लिए एक प्रमुख आयोजन होने जा रहा, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा।"

तस्मान सागर में चीनी नौसेना का अभ्यासः ऑस्ट्रेलिया का विमानन कंपनियों को सावधान रहने का संदेश

मेलबर्न, (एपी) ऑस्ट्रेलिया ने उसके देश के हवाई अड्डों और न्यूजीलैंड के बीच उड़ान संचालित करने वाली अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों को चेतावनी दी है कि चीनी युद्धपोत तस्मान सागर में युद्धाभ्यास कर रहे हैं जिसके मद्देनजर वे सावधान रहें। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। तस्मान सागर दक्षिण प्रशांत महासागर का एक सीमांत सागर है, जो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच स्थित है। वोंग ने 'ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन' की उस खबर की पुष्टि की कि नियामक 'एयरसर्विसेज ऑस्ट्रेलिया' ने वाणिज्यिक पायलेट्स को दोनों देशों के बीच हवाई क्षेत्र में संभावित खतरे के बारे में चेतावनी दी है, क्योंकि चीन के तीन युद्धपोत ऑस्ट्रेलियाई पूर्वी तट पर अभ्यास कर रहे हैं। एबीसी की खबर के अनुसार, कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया है। वोंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया चीन के साथ उसके नौसैनिक अभ्यासों, '' विशेष रूप से गोलीबारी के अभ्यासों'' के बारे में अधिसूचना और पारदर्शिता पर चर्चा कर रहा है। ऑस्ट्रेलियाई सैन्य जहाज और विमान कई दिनों से चीनी युद्धपोतों पर नजर रख रहे हैं क्योंकि ये युद्धपोत ऑस्ट्रेलियाई पूर्वी तट से अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र से गुजर रहे हैं। 'आस्ट्रेलिया एवं अंतरराष्ट्रीय पायलट संगठन' के उपाध्यक्ष कैप्टन स्टीव कॉर्नेल ने इस बात की आलोचना की कि चीन ने यहां अभ्यास करने का निर्णय किया। कॉर्नेल ने एक बयान में कहा, '' दुनिया के इस हिस्से में चीनी युद्धपोतों का होना सामान्य बात नहीं है। पायलटों को अक्सर ही बाधाओं का सामना करना पड़ता है, चाहे वह इस तरह के सैन्य अभ्यासों से हो या रॉकेट प्रक्षेपण, अंतरिक्ष मलबे या ज्वालामुखी विस्फोट जैसी अन्य घटनाओं से हो।'' अधिकारियों का कहना है कि चीनी नौसेना के कार्य समूह शायद ही कभी इस ओर आते हैं। यहां अभ्यास कर रहे पोत हैं– फ्रिगेट हेंगयांग, क्रूजर जूनी और वेईशानहू।

उद्योग को इस्पात आयात पर लगाम लगाने के लिए सरकार की कार्रवाई का इंतजारः टाटा स्टील

नयी दिल्ली, (भाषा) टाटा स्टील के सीईओ टी वी नरेंद्रन ने शुक्रवार को कहा कि उद्योग को इस्पात आयात पर लगाम लगाने के लिए सरकार की कार्रवाई का इंतजार है, क्योंकि इससे घरेलू कंपनियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि बढ़ते आयात की मौजूदा स्थिति के कारण इस्पात क्षेत्र में भविष्य में निवेश प्रभावित हो सकता है। इस्पात उद्योग पिछले कुछ वर्षों में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशकों में से एक रहा है। उद्योग की सभी कंपनियों ने बड़ी विस्तार योजनाओं की घोषणा की है। राष्ट्रीय राजधानी में अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) के 69वें स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने पीटीआई–भाषा से कहा कि विस्तार का एक दौर पूरा हो रहा है। एआईएमए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्रन ने कहा कि बहुत सारा ऐसा इस्पात, जिसे कहीं और बाजार नहीं मिल पाता, भारत में आ जाता है। इसके चलते यहां कीमतें उस स्तर तक गिर जाती हैं, जहां इस्पात कंपनी को स्वस्थ नकदी प्रवाह के लिए संघर्ष करना पड़ता है। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत का लक्ष्य 2030 तक अपनी कुल स्थापित इस्पात विनिर्माण क्षमता को 30 करोड़ टन तक ले जाना है और सभी बड़ी इस्पात कंपनियों ने पहले ही अपनी विस्तार योजनाओं की घोषणा कर दी है। इस्पात और स्टेनलेस स्टील उद्योग की कंपनियां लगातार सरकार के साथ आयात के मुद्दे को उठा रही हैं। उनका दावा है कि चीन सहित चुनिंदा देशों से आने वाली खेप में उछाल ने उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित किया है। भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) ने इस संबंध में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) के पास पहले ही आवेदन दायर कर दिया है, जो इसकी समीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि सरकार ने हमारी बात सुनी है और उम्मीद है कि वे कुछ कार्रवाई करेंगे। हम इसका इंतजार कर रहे हैं।''

भारत के पास कर से बहुत पैसा आता है,हम उनको 2.1 करोड़ डॉलर क्यों दे रहे हैं: ट्रंप

न्यूयॉर्क/फ्लोरिडा, (भाषा) अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ''भारत में चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने'' के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आवंटन के मकसद पर सवाल उठाया है। उन्होंने साथ ही कहा, ''भारत दुनिया में सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक है'।'' उन्होंने ये टिप्पणियां एलन मस्क के नेतृत्व वाले डीओजीई (सरकारी कार्यदक्षता विभाग) द्वारा यह खुलासा किए जाने के बाद की कि 'यूएसएड' ने भारत में मतदान में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग को 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया है। निजी अमेरिकी वांतरिक्ष (एयरोस्पेस) और अंतरिक्ष परिवहन सेवा कंपनी स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन (स्पेसएक्स) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मस्क के नेतृत्व में 16 फरवरी को सरकारी कार्यदक्षता विभाग ने उन सभी मदों की सूची बनाई जिन पर ''अमेरिकी करदाताओं के पैसे खर्च किए जाएंगे।''इस सूची में ''भारत में मतदान के दौरान मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर'' का अनुदान भी शामिल था। सरकारी कार्यदक्षता विभाग ने बताया कि इन सभी मदों को रद्द कर दिया गया है। इस सूची में ''बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य को मजबूत करने'' के लिए 2.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आवंटन, साथ ही नेपाल में ''राजकोषीय संघवाद'' के लिए दो करोड़ अमेरिकी डॉलर और वहां ''जैव विविधता संरक्षण'' के लिए 1.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आवंटन भी शामिल है, जिन्हें रद्द कर दिया गया है। अपने स्वामित्व वाले निजी रिजॉर्ट 'मार–ए–लागो' में मंगलवार को कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, ''...भारत में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता हम क्यों दे रहे हैं? उनके पास बहुत पैसा आता है। हमारे संदर्भ में भारत दुनिया में सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक है। उनके शुल्क बहुत अधिक हैं...'' उन्होंने मंगलवार को कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें संघीय सरकार द्वारा करदाताओं के पैसे की फिजूलखर्ची के बारे में 'आमूल–चूल पारदर्शिता' की आवश्यकता वाले ज्ञापन शामिल थे।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने संस्थाओं को ''लापरवाह वित्तीयकरण'' के प्रति किया आगाह

मुंबई, (भाषा) भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं को लापरवाही भरे वित्तीय लेनदेन के प्रति शुक्रवार को आगाह किया। यहां एनएसई के एक कार्यक्रम में राव ने कहा कि अल्पकालिक लाभ का ''प्रलोभन'' आसानी से लोगों की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा, '' हमें लापरवाही भरे वित्तीयकरण के जोखिम के बारे में अवश्य ही सचेत रहना चाहिए।'' राव ने बताया कि असुरक्षित क्षेत्र में अत्यधिक उधारी और पूंजी बाजार में ''उत्पन्न उत्साह'' को लेकर चिंताएं हैं। उन्होंने कहा, '' वित्तीय संस्थाओं का यह कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि ग्राहक 'लीवरेज्ड' उत्पादों और प्रत्याक्षित निवेश से जुड़े जोखिमों को पूरी तरह समझें।'' राव ने कहा कि आरबीआई ग्राहकों को शिक्षित करने के लिए अन्य वित्तीय क्षेत्र के नियामकों के साथ काम कर रहा है और उन्होंने कहा कि वित्तीय साक्षरता की कमी के कारण लोग बेईमान कंपनियों के झांसे में आ जाते हैं। हालांकि, जब कोई झटका लगता है, तो निवेशक का वित्तीय प्रणाली पर से भरोसा खत्म हो जाता है और इसलिए यह आवश्यक है कि प्रणाली अपनी बेहतरी के लिए शिक्षा में निवेश करे। गवर्नर संजय मल्होत्रा के नियम बनाते समय विनियमन की लागत पर ध्यान देने के आश्वासन के कुछ दिन बाद राव ने कहा कि तेज गति वाली दुनिया में वित्तीय विनियमन एक नाजुक संत. ुलनकारी कार्य है। राव ने कहा, '' ...अत्यधिक विनियमन से प्रणालीगत जोखिम बढ़ सकता है, जबकि नवाचार बाधित हो सकता है, ऋण उपलब्धता सीमित हो सकती है तथा लागत बढ़ सकती है।''

अमेरिकी सीनेट ने एफबीआई निदेशक के रूप में काश पटेल की नियुक्ति की पुष्टि की

न्यूयॉर्क, (भाषा) फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के नए निदेशक काश पटेल ने ब्यूरो पर विश्वास की पुनर्बहाली का संकल्प लिया। अमेरिकी सीनेट द्वारा पुष्टि किए जाने के बाद पटेल देश की प्रमुख कानून प्रवर्तन एजेंसी का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय–अमेरिकी बन गए हैं।रिपब्लिकन पार्टी के बहुमत वाली सीनेट ने बृहस्पतिवार को 44 वर्षीय पटेल के नाम पर मुहर लगा दी। सीनेट में हुए मतदान में पटेल ने मामूली अंतर से जीत हासिल की। सीनेट में 51–49 के अंतर से एफबीआई निदेशक के रूप में काश पटेल के नाम पर मुहर लगी। रिपब्लिकन पार्टी से मेन की सीनेटर सुसान कोलिन्स और अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की ने पटेल की उम्मीदवारी का हालांकि विरोध किया था। सीनेट ने पटेल की पुष्टि के लिए 51 से 49 मतों के अंतर से मतदान किया। दो रिपब्लिकन, सुसान कोलिन्स और लिसा मुर्कोव्स्की ने उनकी पुष्टि के खिलाफ मतदान किया। पटेल के नामांकन को 'कैपिटल हिल' के डेमोक्रेट्स की ओर से गहन जांच का सामना करना पड़ा। उन्होंने चेतावनी दी कि पटेल इस पद का इस्तेमाल करने और ट्रंप के कथित राजनीतिक दुश्मनों के खिलाफ प्रतिशोध लेने के लिए तैयार हैं। पटेल ने अपने चयन के दौरान बड़े दुश्मनों की सूची रखने से भी इनकार किया जबकि उन्होंने अतीत में की गई विवादास्पद टिप्पणियों से भी पल्ला झाड़ा। पटेल ने अतीत में ट्रंप के मामले की जांच करने वाले कानून प्रवर्तन अधिकारियों को 'गैंगस्टर' कहकर संदर्भित किया था। पटेल ने नाम पर मुहर लगने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में, "मैं एफबीआई के नौवें निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। राष्ट्रपति ट्रंप और अटॉर्नी जनरल बॉन्डी को आपके अटूट विश्वास व समर्थन के लिए धन्यवाद।"

केरल की अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता : रिपोर्ट

तिरुवनंतपुरम, (भाषा) एक विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन तंत्र होने के बावजूद केरल की अपशिष्ट चिंताएं अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, मौजूदा सुविधाओं की कमी और प्रदूषण की निगरानी में कमी के कारण समाधान से दूर हैं। दो पर्यावरण विशेषज्ञों द्वारा शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी राज्य को तत्काल अपने अपशिष्ट प्रबंधन के तरीकों का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केरल के तेजी से हो रहे शहरीकरण के आलोक में पुनर्मूल्यांकन महत्वपूर्ण है।

इसमें कहा गया है कि दो मार्च, 2023 को कोच्चि के ब्रह्मपुरम में कचरा स्थल में आग लगने से लगभग आठ लाख टन कचरा जल गया था, जिसके परिणामस्वरूप शहर में 12 दिनों तक धुआं भरा रहा। दावा किया गया है, "वैज्ञानिक विश्लेषण ने प्रदूषकों के खतरनाक स्तरों का संकेत दिया। फिर भी, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर रसायनों के प्रभाव पर कोई व्यापक अध्ययन अब तक नहीं किया गया है"। रिपोर्ट में कहा गया है कि केरल की अपशिष्ट प्रबंधन नीति एक स्वस्थ, संसाधन–कुशल समाज पर जोर देती है जो अपशिष्ट प्रबंधन के लिए मजबूत प्रतिबद्धता के साथ कचरे को कम करने, पुनः उपयोग करने और पुनर्चक्रण करने पर केंद्रित है।

हमास की ओर से सौंपा गया शव गाजा की महिला का है, बंधक का नहीं : नेतन्याहू

यरुशलम, (एपी) इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हमास के चरमपंथियों द्वारा सौंपे गए इजराइली बंधकों के चार शवों में से एक शव गाजा की एक महिला का है, न कि शिरी बिबास का। नेतन्याहू ने शुक्रवार को जारी एक बयान में, शिरी बिबास के बजाय गाजा की एक महिला का शव सौंपे जाने की आलोचना करते हुए इसे युद्ध विराम समझौते का ''क्रूर और दुर्भावनापूर्ण उल्लंघन'' करार दिया। हमास के चरमपंथियों ने युद्ध विराम समझौते के तहत बृहस्पतिवार को चार शव सौंपे थे।

इजराइल ने पुष्टि की है कि एक शव ओडेड लिफ़्शिट्ज़ का है और जब उन्हें इजराइल पर हमास के हमले के दौरान अगवा किया गया था वह 83 वर्ष के थे। हमास ने सात अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला किया था और कई लोगों को बंधक बना लिया था। इजराइली रक्षा बलों ने कहा कि शिरी बिबास के दो बेटों, एरियल और केफिर बिबास के शवों की पहचान हो गई है, लेकिन चौथा शव इन बच्चों की मां या किसी अन्य बंधक का नहीं है। नेतन्याहू ने कहा, ''हम शिरी सहित अपने सभी बंधकों को वापस लाने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि समझौते के इस क्रूर और दुर्भावनापूर्ण उल्लंघन की हमास कीमत चुकाए।''

Dr. Jitendra Singh Inaugurates PMSSY Building at SCTIMST, Highlights India's Healthcare Transformation

New Delhi, Focus News: Union Minister Dr. Jitendra Singh inaugurated the 'Pradhan Mantri Swasthya Suraksha Yojana' (PMSSY) driven upgraded Super specialty Neurosurgery and Cardiovascular Surgery state-of-the-art Building Block at Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences & Technology (SCTIMST) here and emphasized that the Modi Govt's new initiatives are aimed at making quality healthcare affordable, accessible across sections of society. The Minister described the institute as a model of synergy between science, technology and medical advancements, aligned with Prime Minister Narendra Modi's vision of integrated holistic approach. Speaking at the event, Dr. Jitendra Singh praised SCTIMST for emerging as a center of excellence in both healthcare as well as research and development of new devices, instruments and medical procedures at cost-effective rates. He highlighted that the institute, functioning under the Department of Science and Technology, embodies the "whole-of-government" approach, fostering collaboration between the Ministry of Health and the Ministry of Science and Technology. He acknowledged the role of scientists, researchers, and healthcare professionals in positioning India as a leader in medical research and innovation. Union Minister Dr. Jitendra Singh speaking after inaugurating the new upgraded neurosurgery and cardiovascular surgery block at Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences and Technology (SCTIMST) at Thiruvananthapuram. Dr. Jitendra Singh noted that the PMSSY initiative is part of a broader effort to strengthen India's healthcare infrastructure. "The scheme is designed to provide quality medical care while promoting indigenous innovation in health-related R&D," he said. The new PMSSY Building will significantly enhance the capacity of SCTIMST, offering advanced healthcare facilities, specialized medical research laboratories, and improved infrastructure for patient care. It will also serve as a hub for high-end medical training, facilitating knowledge-sharing among medical professionals. He linked the project to the larger healthcare ecosystem that includes the Ayushman Bharat initiative, the world's largest health insurance program, and the newly announced universal health cover for citizens above 70 years. Stressing the need for integrating modern medical advancements with traditional healthcare approaches, Dr. Jitendra Singh underscored the importance of digital health initiatives, artificial intelligence in diagnostics, and genome-based therapies. Highlighting India's achievements in biotechnology, Dr. Jitendra Singh pointed to the success of the indigenous COVID-19 vaccine, the development of the HPV vaccine for cervical cancer, and breakthroughs in gene therapy. "India has transitioned from being an importer to a leader in preventive healthcare, gaining global recognition in bio-manufacturing and medical research," he stated. He further emphasized the need for continued investments in healthcare R&D, ensuring that India remains at the forefront of medical advancements.

Dr. Jitendra Singh also underscored the need for strategic specialization, suggesting that SCTIMST focus on becoming a global leader in neurosurgery and cardiovascular research to enhance its international recognition. "A distinct identity in a specialized field attracts global attention and medical tourism, much like leading institutes in the U.S.," he added. He encouraged scientists and medical professionals to undertake collaborative research projects with global institutions to expand knowledge and expertise. The Minister stressed that while India has made remarkable progress in bridging the rural-urban divide in disease patterns, healthcare accessibility remains a challenge. He reiterated the government's commitment to expanding medical services through new AIIMS institutions and upgraded medical colleges, ensuring affordable and high-quality treatment. He also called for leveraging telemedicine and mobile health units to extend healthcare services to remote regions, making quality healthcare accessible to all. The event saw participation from key stakeholders in the medical and scientific community, including senior officials from the Ministry of Science and Technology, medical practitioners, and researchers. The inauguration of the PMSSY Building at SCTIMST marks another milestone in India's journey towards a self-reliant and globally competitive healthcare infrastructure. Dr. Jitendra Singh reaffirmed the government's continued support for initiatives that strengthen India's health ecosystem, positioning the country as a leader in medical innovation and patient care.

We aim to auction as many critical mineral blocks as possible by 2031: Satish Chandra Dubey, Union Minister of State for Mines and Coal

New Delhi, Focus News: India plans to maximise the auction of critical mineral blocks by 2031, advancing its strategic push to secure domestic supply chains for minerals essential to the country's green energy and technology sectors. Speaking at a FICCI conference, Critical Minerals Matrix, Union Minister of State for Mines and Coal, Satish Chandra Dubey, outlined the government's strategic approach to reducing import dependency for critical minerals. The announcement follows the recent launch of the National Critical Minerals Mission, which has allocated ₹34,300 crore over seven years to strengthen India's position in the critical minerals sector. "The government has already auctioned 24 critical mineral blocks domestically, and we aim to auction as many critical mineral blocks as possible by 2031," the minister said. The initiative forms part of a broader strategy to enhance India's mineral security and reduce vulnerability to international supply chain disruptions. The minister emphasised the role of public-private partnerships in achieving these objectives. "We must work as complementary partners and as a team to build a self-reliant India," Minister Dubey stated, urging increased private sector involvement in mineral exploration and extraction activities.

The announcement comes amid growing concerns about critical mineral supply chains, particularly for materials essential to electric vehicles, electronics manufacturing, and renewable energy systems. Welcoming the Minister at the conference, Jyoti Vij, Director General, FICCI, highlighted the economic significance of critical minerals. She emphasised that the launch of the National Critical Minerals Mission was timely, coinciding with increased budget emphasis on critical minerals, and would help boost production, recycling, and global acquisition of critical mineral assets to reduce dependence on imports and secure stable supply chains. Vij announced the constitution of the FICCI Committee on Critical Minerals, which will work closely with the government and the industry stakeholders to address sector issues and leverage opportunities.

On occasion, Dhiraj Nayyar, Group Chief Economist, Vedanta, highlighted the urgency of developing domestic resources, noting that electric vehicles require six times more minerals than conventional cars, whilst offshore wind infrastructure demands nine times more minerals than traditional power plants. "We don't want to move from import dependence on oil to import dependence on critical minerals. The key is exploration," Nayyar emphasised, calling for streamlined approval processes and increased flexibility in land allocation for exploration activities.

IWAI Board commissions feasibility study for Urban Water Transport System in 17 cities

New Delhi, Focus News: The Inland Waterways Authority of India (IWAI) Board – in its 196th Board Meeting – took a key decision to carry out feasibility study for developing Urban Water Transport System in various cities. The Board decided to explore Water Metro in full or part in 17 cities across 12 states of India. Kochi Metro Rail Limited (KMRL) have been appointed to carry out the feasibility study. This initiative will provide a robust and sustainable urban transport system by utilising existing navigable waterways. The Water Metro model represents a breakthrough in urban water transportation, offering safe, efficient, and environmentally-friendly alternatives to conventional modes of transport. Leveraging India's rich network of rivers, canals and other water bodies, the project will focus on cities with significant potential for urban water transport system. The 17 cities chosen by IWAI, in consultation with Ministry of Ports, Shipping and Waterways, for developing water metro include - Ayodhya, Dhubri, Goa, Guwahati, Kollam, Kolkata, Prayagraj, Patna, Srinagar, Varanasi, Mumbai, Vasai, Mangalore (Gurupura River), Gandhinagar-Ahmedabad (Sabarmati River), Alleppey in Kerala as well as Lakshadweep and Andaman & Nicobar Islands where inter-island ferry services could transform connectivity. The Urban Water Transport System will connect mainland and adjoining municipalities/panchayat areas/islands through waterways and integrate the system with other modes of transport. Besides, it will promote tourism and regional economic growth. It will employ non-polluting and sustainable measures through energy-efficient electric ferries, modernised terminals and ensure seamless multimodal connectivity. Under the dynamic leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi and the able guidance of Minister of Ports, Shipping and Waterways Shri Sarbananda Sonowal, IWAI has been making several infrastructural interventions to develop waterways as a robust engine of growth. With its concerted efforts, IWAI is expanding its footprint throughout the country – from Arunachal Pradesh in the East to Gujarat in the West and Jammu and Kashmir in the North to Kerala in the South. In line with Harit Nauka guidelines, the Authority has taken multiple green initiatives which includes procurement of electric catamarans for passenger ferries.

Ministry of Defence inks a contract worth ₹1220.12 Cr with Bharat Electronics Limited for procurement of 149 Software Defined Radios for Indian Coast Guard

New Delhi, Focus News: The Ministry of Defence has signed a contract with M/s Bharat Electronics Limited (BEL), Bengaluru on 20th February, 2025, for procurement of 149 Software Defined Radios for Indian Coast Guard at a total cost of ₹1220.12 Cr under Buy (Indian-IDDM) category. These state-of-the-art radios will enable secure and reliable information sharing, collaboration, and situational awareness through high-speed data and secure voice communication. This will strengthen the Indian Coast Guard's capability to fulfil its core responsibilities, including maritime law enforcement, search and rescue operations, fisheries protection, and marine environment protection. Additionally, these radios will enhance interoperability for joint operations with the Indian Navy. The project is a strategic step toward bolstering the Coast Guard's operational capabilities and supporting the Government of India's Blue Economy objectives by reinforcing maritime security. Aligning with the Atmanirbhar Bharat initiative, the contract will enhance the country's manufacturing capabilities for advanced military-grade communication systems, generating employment opportunities and fostering expertise development.

Ministry of Defence signs ₹697.35 Cr contracts with ACE Ltd & JCB India Ltd for procurement of 1868 Rough Terrain Fork Lift Truck for Armed Forces

New Delhi, Focus News: The Ministry of Defence has signed contracts with M/s ACE Limited and M/s JCB India Limited in presence of Defence Secretary Shri R K Singh for procurement of quantity 1868 Rough Terrain Fork Lift Truck (RTFLT) at a total cost of ₹697.35 crore for Indian Army, Indian Airforce and Indian Navy. Rough Terrain Fork Lift Truck (RTFLT) is a critical equipment which will assist in various combat and logistics support tasks by avoiding manual handling of enormous number of stores and thus enhancing the operational effectiveness of Indian Army, Indian Air Force and Indian Navy. The present case being a Buy (Indian) case will enhance national defence equipment manufacturing capabilities. This project has immense potential of direct and indirect employment generation by encouraging MSME sector through component's manufacturing. The procurement marks a pivotal step towards modernising India's defence infrastructure and empowering indigenous industries, which will be a proud flag-bearer of 'Aatmnirbhar Bharat'.

STEEL CUTTING OF THIRD FLEET SUPPORT SHIP FOR INDIAN NAVY

New Delhi, Focus News: Steel Cutting ceremony of third of the five Fleet Support Ships (FSS) was held at M/s L&T Shipyard, Kattupalli on 20 Feb 25, in the presence of R Adm Satish Shenai, Flag Officer Commanding Tamil Nadu and Puducherry Naval Area and senior officials from Indian Navy, Hindustan Ship Yard Limited (HSL) and M/s L&T. The Indian Navy had signed a contract with HSL for acquisition of Five Fleet Support Ships (FSS) in Aug 2023, with delivery commencing mid-2027. Showcasing the strength of Public - Private partnership, HSL has contracted part construction of two FSS to M/s L&T Shipyard, Kattupalli to effectively utilise country's shipbuilding capacity and meet stringent timelines for delivery. On induction, the FSS will bolster the Blue Water capabilities of the Indian Navy through replenishment of Fleet ships at sea. These ships, with a displacement of more than 40,000 tons, will carry fuel, water, ammunition and stores enabling prolonged operations without returning to harbour, thus enhancing the Fleet's extended reach and mobility. In their secondary role, these ships would be equipped for Humanitarian Aid and Disaster Relief (HADR) operations for evacuation of personnel and expeditious delivery of relief material during natural calamities. With a completely indigenous design and sourcing of the majority of equipment from indigenous manufacturers, this project will boost the Indian Shipbuilding Industry and is in consonance with GoI initiatives of Aatmanirbhar Bharat, Make in India and Make for the World.

TRIFED enters into MOUs with Reliance Retail, HCL Foundation, and Torajamelo Indonesia for entrepreneurship development of tribals

New Delhi, Focus News: TRIFED has been taking various visionary steps towards tribal empowerment and to bring the tribal population towards mainstream empowerment. One such initiative in this direction is partnerships of TRIFED with Reliance Retail, HCL Foundation, and Torajamelo Indonesia to facilitate tribal businesses for elevating lakhs of tribals from the rural India to a mainstream National level. Memoranda of Understanding (MoUs) were signed on 19th February during the ongoing flagship event 'Aadi Mahotsav,' held at Major Dhyan Chand National Stadium in the National Capital from 16 to 24 February 2025, marking a pivotal step in ensuring the implementation of the B2B approach and augmentation of the tribal product market. These MoUs were exchanged by General Managers of TRIFED with Mr. Pradeep Ramachandran, Senior Vice President of Reliance Retail, Dr. Nidhi Pundhir, Global CSR Head of HCL Foundation and Ms Aparna Saxena Bhatnagar, CEO of Torajamelo, Indonesia respectively in the presence of Shri Ashish Chatterjee, Managing Director, TRIFED on various aspects leading to the socio-economic development of tribal communities across the country. The principal objective of the MoU with Reliance Retail is to supply tribal products in bulk to Reliance Retail; this collaboration will also help to provide sustainable sourcing initiatives, branding, and promotions of tribal products. The HCL Foundation will assist in establishing long-term collaborations with tribal artisans to provide capacity building and new training to enhance the product portfolio and promotion of existing products through their various platforms. The collaboration with Torajamelo will assist in expanding international marketing and sales channels for Indian tribal products in Indonesia. This will not only open up new markets for Indian tribal artisans but also foster a unique cultural exchange between artisans. TRIFED has been organizing "Aadi Mahotsav – National Tribal Festival" to provide direct market access to the tribal master craftsmen and women in large metros and State capitals. The theme of the festival is "A Celebration of the Spirit of Entrepreneurship, Tribal Craft, Culture, Cuisine, and Commerce," which represents the basic ethos of tribal life.

Droupadi Murmu, Hon'ble President of India, has inaugurated the festival in the August presence of Shri Jual Oram, Union Minister for Tribal Affairs, Shri Durga Das Uikey, Union Minister of State for Tribal Affairs Ms. Bansuri Swaraj, Hon'ble Member of Parliament, New Delhi and other dignitaries on 16th February 2025. With this and several other ventures, TRIFED continues further with its efforts to enable the economic welfare of these communities and bring them closer to mainstream development.

NHRC, India organised a meeting of the Core Group on Women on the theme 'Empowering ASHAs: Securing the right to work with dignity'

New Delhi, Focus News: The National Human Rights Commission (NHRC), India organised a core group meeting in hybrid mode on women on the theme 'Empowering Accredited Social Health Activists (ASHAs): Securing the right to work with dignity' at its premises in New Delhi. It was chaired by the NHRC, India Chairperson, Justice Shri V. Ramasubramanian in the presence of Member, Justice (Dr) Bidyut Ranjan Sarangi, Secretary General, Shri Bharat Lal, senior officers, experts, and ASHAs. Addressing the participants, Chairperson, Justice V. Ramasubramanian highlighted the remarkable contributions made by ASHAs over the past 20 years towards improvements in the healthcare sector in the country. He emphasised that the significant impact of ASHAs has led to notable progress in reducing neonatal and infant mortality rates. They showed that individuals without formal education can still be trained to become skilled workers. He also noted that while there are many educated people today, the number of skilled workers is decreasing. This gap is being addressed by the ASHA scheme. However, he pointed out that ASHAs' have been stating that their remuneration is not in proportion to their contribution to society. The irony is that at times, those who contribute the most often receive the least; those who care for the marginalized end up being marginalized themselves. Justice Ramasubramanian said that public health and fixing of minimum wages is a subject coming under the State. Population control and family planning fall under the Concurrent list. Hence, there should be a collaborative effort between the Centre and State Governments to address the issues concerning ASHAs' welfare. He also called for a concrete policy and actionable measures for improving the working conditions and living standards of ASHAs. NHRC, India Member, Justice (Dr) Bidyut Ranjan Sarangi said that the ASHAs are the first responders to any distress related to pregnant women and children in the village areas before consultation with any doctors materializes. Therefore, their role as activists should be better recognized with adequate incentives, compensation, and security to ensure their right to life with dignity. Before this, while setting the agenda of the meeting and providing background, the Secretary General, Shri Bharat Lal highlighted the theme of the three technical sessions. These included: 'The Evolving Nature of Challenges faced by ASHA', 'Role of the Government in Protecting and Promoting the Rights of ASHAs', and 'Way Forward: Ensuring the Right to Work with Dignity for ASHAs.' He said that the Government has come up with various schemes for women's empowerment and given the contribution of ASHAs in primary healthcare, their issues such as low honorarium, excessive workload, and insufficient resources also need to be addressed. He highlighted their role during COVID-19 as frontline workers have been exemplary, which has also been acknowledged by the WHO. The speakers included Shri Saurabh Jain, Joint Secretary, MoHFW; Ms Pallavi Agarwal, Joint Secretary, Ministry of Women & Child Development; Dr Shweta Khandelwal, Senior Advisor Jhpiego India; Ms Ruth Manorama, President, The National Alliance of Women (NAWO); Dr Sabiha Hussain, Professor and Director, Sarojini Naidu Center for Women's Studies, Jamia Islamia University; Ms. Vaishali Barua, National Coordinator, UN Women India; Ms Dipa Sinha, Visiting Professor, Azim Premji University; Ms Surekha Secretary, ASHA Workers' and Facilitators' Federation of India (AWFFI); Ms Sunita, ASHA Worker, Haryana, NHRC, India DG (I), Shri R Prasad Meena, Registrar (Law), Joginder Singh, Director, Lt Col Virender Singh among others.

Some of the suggestions that emanated from the discussion included; • Need to consider granting ASHAs formal worker status with fixed monthly emoluments, social security, pensions, paid leave, etc.; • Standardize honorarium/ wages across states, ensuring that honorariums align with minimum wage regulations; • Replace incentive-based payment structure with a fixed amount plus performance-based benefits; • Provide health insurance, maternity benefits, and accident coverage to ASHAs;\ • Ensure free personal protective equipment (PPE), transport allowances, and access to clean rest areas during field visits; • Enforce strict policies against harassment and violence, ensuring safe working conditions for ASHAs in all regions; • Utilize Rs 49,269 crore (As of 2022) of unspent funds from the Building and Other Construction Workers Welfare Cess Act for childcare, elderly care, and ASHA welfare; • Allocate Rs 70,051 crore health sector grants towards strengthening early childhood care and healthcare workers' training; • Establish state-funded creches at primary health centres and community centres to support ASHAs who are also primary caregivers at home; • Develop structured career pathways for ASHAs to transition into higher-paying healthcare roles, such as nursing, midwifery, and public health administration; • Provide regular skill enhancement training in disease surveillance, mental health counseling, and emergency medical response; • Introduce bridge courses in collaboration with medical colleges and universities to certify ASHAs for formal healthcare roles; • Incentivize private sector investments in childcare and elderly care infrastructure, with tax benefits for employers offering workplace childcare solutions; • Promote cooperative models, like the SEWA model, to ensure ASHAs have decision-making power over wages and working conditions; and • Foster public-private partnerships to expand affordable community-based care services, creating decent job opportunities for ASHAs.

FIRST TRAINING SQUADRON OF INDIAN NAVY ARRIVED AT CAM RANH BAY, VIETNAM

New Delhi, Building Bridges of friendship whilst training young minds, the ships of First Training Squadron - INS Tir and ICGS Veera arrived at Cam Ranh Bay, Vietnam on 20 Feb 25. The ships received a warm welcome by the Vietnam People's Navy and members of Indian mission at Vietnam. The visit is poised to further strengthen the longstanding friendship and growing partnership between the two maritime nations. During the port call, various cross training visits, professional and community interactions including a visit to Vietnam Naval Academy are planned.

India Assumes Chairmanship of Bay of Bengal Inter-Governmental Organisation at the 13th Governing Council Meeting in Malé, Maldives

New Delhi, Focus News: In a historic move, India assumed Chairmanship of Bay of Bengal (BOB) Inter-Governmental Organisation from Bangladesh at the 13th Governing Council Meeting at Malé, Maldives today, in the presence of senior government representatives from Sri Lanka, Maldives and Bangladesh. The event was part of the high-level conference 'Policy Guidance for Mainstreaming Ecosystem Approach to Fisheries Management (EAFM) in Small-Scale Fisheries', hosted by the Ministry of Fisheries & Ocean Resources of the Maldives government, in collaboration with the Bay of Bengal Programme Inter-Governmental Organisation (BOBP-IGO), that has been successfully convened from February 20 to 22, 2025, in Lankanfinolhu, Maldives. The Indian delegation, led by Dr. Abhilaksh Likhi, Secretary, Department of Fisheries, Government of India (GoI) assumed the Chair during the event. Secretary, Department of Fisheries highlighted that India is committed to upholding and building upon the achievements of the Bay of Bengal Programme Inter-Governmental Organisation (BOBP-IGO) as the leadership transitions from Bangladesh to India. He assured that the Department of Fisheries (GoI) would diligently work towards elevating the success of BOBP- IGO to newer heights and will be forthcoming in providing definitive guidance for all future endeavours for the development of fisheries sector across all member countries.

Further, Dr. Abhilaksh Likhi underscored the importance of regional collaboration, and the crucial role India and other countries are playing in advancing the interests of the developing nations. Key areas of focus for increased regional co-operation include marine resource management, training & capacity building programs, research & policy advocacy, addressing Illegal, Unreported, and Unregulated (IUU) fishing, resolving regional issues etc. As India remains optimistic about receiving continued support and collaboration from Food and Agriculture Organization (FAO), Southeast Asian Fisheries Development Center (SEAFDEC), United Nations Office on Drugs and Crime (UNODC), and other relevant organizations, Secretary, Department of Fisheries (GoI) urged all member nations to enhance and foster mutual support through exchange of knowledge, technology, experiences, data and best practices. The collaborations are expected to strengthen region's blue economy, harmonize economic development along with protection of marine ecosystem and help in poverty alleviation. During the meeting, Secretary, Department of Fisheries (GoI) highlighted India's developmental policies aimed at improving the well-being of small-scale fisheries and the sustainability measures being implemented under its various schemes and programs. With the successful culmination of this important event and India assuming Chair of the BoBP-IGO, it will be the endeavour of the Department of Fisheries, under the Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying to not only lead the member nations in the most effective and efficient manner through collaborative efforts but also ensure that significant progress is made in the development of Small-scale fisheries (SSF) in the region.

Ministry of Mines classifies Barytes, Felspar, Mica and Quartz as Major Minerals

New Delhi, Focus News: The Ministry of Mines vide gazette notification dated 20th February, 2025 has shifted minerals Barytes, Felspar, Mica and Quartz from the list of minor minerals to the category of major minerals. This move follows the recent approval of the National Critical Mineral Mission by the Union Cabinet on 29th January, 2025. The Mission envisages exploration and mining of critical minerals within the country including recovery of these minerals from mines of other minerals, overburden and tailings. Quartz, Felspar and Mica are found in pegmatite rocks, which are an important source of many critical minerals such as Beryl, Lithium, Niobium, Tantalum, Molybdenum, Tin, Titanium, Tungsten, etc. These minerals have vital role in various new technologies, in energy transition, spacecraft industries, healthcare sector, etc. When the leases of Quartz, Felspar and Mica are granted as minor mineral leases, the lease holders do not declare existence of critical minerals or extract the critical minerals associated with it such as Lithium, Beryl, etc. as their primary objective is to use these minerals as minor minerals for construction, glass / ceramic making, etc. Consequently, the critical minerals associated with these minerals are neither getting extracted nor reported. Similarly, Baryte has various industrial applications which is used for oil and gas drilling, electronics, TV screens, rubber, glass, ceramics, paint, radiation shielding and medical applications. Baryte is used to make high density concrete to block x-ray emissions in hospitals, power plants, and laboratories. Baryte often occurs as concretions and vein fillings in limestone and dolostone. It is found in association with ores of Antimony, Cobalt, Copper, Lead, Manganese and Silver. Baryte with iron ore occurs in pocket type of deposit which cannot be mined in isolation. While mining either of the minerals, the production of associated mineral is inevitable. In view of the importance of these minerals, the Inter-Ministerial Committee on Mines & Minerals Sector constituted under the chairmanship of Dr. V. K. Saraswat, Member NITI Aayog, recommended that these minerals be shifted from the list of minor minerals to the category of major minerals.

कृषि और ग्रामीण जीवन में सुधार के लिए एआई का इस्तेमाल किया जाना चाहिएः धनखड़

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ग्रामीण आबादी अवसर और जिम्मेदारी दोनों का प्रतिनिधित्व करती है। अफ्रीकी एशियाई ग्रामीण विकास (एएआरडीओ) सम्मेलन के 21वें आम सत्र के उद्घाटन अवसर पर उपराष्ट्रपति ने परेशानियों को कम करने के लिए भी प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर दिया। धनखड़ ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र 3.6 अरब लोगों का पोषण करते हैं, जिनमें 89.4 करोड़ भारतीय ग्रामीण शामिल हैं, जो ''हमारे अवसर और जिम्मेदारी दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं''। उन्होंने कहा, ''हमारी बुद्धि के लिए चुनौती विघटनकारी प्रौद्योगिकी के उद्भव के रूप में है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग... औद्योगिक क्रांति से कम नहीं है।'' उपराष्ट्रपति ने कहा, ''वे कठिन चुनौतियां पेश करती हैं, लेकिन साथ ही अनेक अवसर भी लेकर आती हैं, बशर्ते हम उनका लाभ उठाना सीखें।'' धनखड़ ने कहा कि इन प्रौद्योगिकियों का उपयोग कृषि क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार के लिए किया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''यदि हम इन विध्वंसकारी प्रौद्योगिकियों को ग्रामीण भारत और कृषि क्षेत्र तथा संपूर्ण विश्व के अधिक से अधिक लाभ के लिए उपयोग में ला सकें, तो मानवता अधिक सुरक्षित स्थान होगी।'' उन्होंने कहा, ''भारत ने कुछ प्रमुख पहल की हैं और उनमें से एक पहल 'डिजिटल इंडिया' है।''

विदेश मंत्री जयशंकर ने की चीन के विदेश मंत्री वांग से मुलाकात

जोहानिसबर्ग, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को यहां जी–20 विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। जयशंकर जी–20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की दो दिवसीय यात्रा पर जोहानिसबर्ग में हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' जोहानिसबर्ग में जी–20 विदेश मंत्रियों की बैठक में आज सुबह सीपीसी पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात का अवसर मिला।'' जयशंकर ने मुलाकात की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। यह बैठक भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय मुद्दों और क्षेत्रीय चुनौतियों के समाधान के लिए जारी कूटनीतिक प्रयासों के बीच हो रही है। जयशंकर ने बृहस्पतिवार को 'वैश्विक भू–राजनीतिक स्थिति पर चर्चा' शीर्षक वाले जी–20 सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जी–20 विश्व की बढ़ती बहुध्रुवीयता का एक अहम मंच है। उन्होंने कहा, '' वैश्विक भू–राजनीतिक स्थिति कठिन बनी हुई है।

राहुल गांधी ने रायबरेली में की पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात, अगले विस चुनाव की तैयारी का आग्रह

रायबरेली (उप्र), फोकस न्यूज, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे के दूसरे दिन पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनसे संगठन को मजबूत करने तथा 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने का आग्रह किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भुएमऊ में गांधी से मुलाकात की और उन्हें विभिन्न मुद्दों, खासकर दलितों से संबंधित मुद्दों से अवगत कराया। रायबरेली में कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुनील कुमार गौतम ने कहा कि समुदाय का 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सुबह गांधी से उनके भुएमऊ स्थित आवास पर मिला। गौतम ने कहा कि ''हमने अनुसूचित जाति के लोगों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की और उन्हें राज्य में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से सामने आई कठिनाइयों के बारे में बताया। गौतम ने 'पीटीआई–वीडियो' को बताया, '' सबसे बड़ी चिंता यह है कि नगर निकायों में कार्यरत वाल्मीकि समुदाय के सफाई कर्मचारी अब भी बिना सुरक्षा उपकरणों के काम करने को मजबूर हैं, जो उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन है।'' गौतम ने कहा कि राहुल गांधी ने उन्हें प्रेरित किया और पार्टी संगठन को मजबूत करते हुए 2027 के चुनावों के लिए जोरदार तैयारी करने की जरूरत पर जोर दिया।

रायबरेली कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सर्वोत्तम कुमार मिश्रा ने गांधी के नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि उनकी ''ईमानदारी, दूरदर्शिता और कार्य नैतिकता वर्णन से परे है''। मिश्रा ने यह भी दावा किया कि बिहार चुनाव से पहले गांधी देश के प्रधानमंत्री बन जाएंगे।

बैठक के बाद मिश्रा ने 'पीटीआई–वीडियो' को बताया कि गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता की बात ध्यान से सुनी और उनकी चिंताओं के समाधान की जरूरत पर जोर दिया। राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को रायबरेली का अपना दो दिवसीय दौरा शुरू किया।

रामानुजन महाविद्यालय में किया गया स्वास्थ्य मेला का आयोजन

नई दिल्ली। फोकस न्यूज। रामानुजन महाविद्यालय में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक डॉ मनोज दहिया ,उप संयोजक डॉ शिप्रा यादव ,डॉ बृजेश कुमार ,समग्र समन्वयक डॉ सुनीता जेटली ,छात्र समन्वयक गौरव आनंद । स्वास्थ्य मेला 2025 आरंभ कुलगीत से हुआ और विशिष्ट व्याख्यान की औपचारिक शुरुआत हुई मुख्य वक्ता के रूप में प्राचार्य प्रो. रसाल सिंह ने मुख्य वक्ता का अभिनंदन करते हुए कहा कि स्वास्थ्य ही प्रथम सम्पत्ति है और विद्यार्थियों को निःशुल्क जांच कराने के लिए जागरूक किए ।विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ डिम्पल चौधरी, डॉ कमलेश सैनी ,डॉ बलराम रा. जपुरिया और डॉ सुनीता जेटली एसोसिएट प्रोफेसर आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय। स्वास्थ्य मेले में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और उपचार ,नेत्र जांच , दंत चिकित्सा,रक्तचाप, ई.सी.जी., बी.एम.आई., ब्लड प्रेशर , डायबिटीज, बी.एम. डी. ,आर. बी. एस. ,तनाव , परीक्षा का दबाव, अवसाद और चिंता से निपटने के उपाय बताए गए । महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रसाल सिंह और विद्यार्थी और अध्यापक समेत सभी ने जांच कराई । स्वास्थ्य मेले में 18 विद्यार्थियों ने रक्तदान दिया , महाविद्यालय में 236 विद्यार्थी व शिक्षकों ने निःशुल्क स्वास्थ्य मेले का लाभ उठाया। स्वास्थ्य ही जीवन की प्रथम सम्पत्ति है और विद्यार्थियों में बहुत ही उत्साह के साथ स्वास्थ्य में अपनी जांच कराई और उन्हें स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया।

देश में इस साल गेहूं की अच्छी फसल होगीः कृषि मंत्री चौहान

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अधिक रकबे में खेती और अनुकूल मौसम की स्थिति के कारण भारत में चालू रबी सत्र के दौरान गेहूं की अच्छी फसल होने की उम्मीद है। भारत ने वर्ष 2023–24 में रिकॉर्ड 1,132.92 लाख टन गेहूं का उत्पादन किया था। चौहान ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इस साल हमारे यहां गेहूं का बंपर उत्पादन होगा। फसल की सेहत अच्छी है।'' फसल वर्ष 2024–25 (जुलाई–जून) के रबी सत्र में गेहूं का रकबा 320 लाख हेक्टेयर रहा, जबकि पिछले साल यह रकबा 315.63 लाख हेक्टेयर था। कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने भी अधिक रकबे के कारण वर्ष 2024–25 में गेहूं का अच्छा उत्पादन होने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि अब तक फसल की स्थिति अच्छी है और दिन–रात का तापमान सामान्य है। बृहस्पतिवार को खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए गेहूं की स्टॉक रखने की सीमा को कड़ा किया गया है। विभाग ने यह भी कहा कि देश में खाद्यान्न का पर्याप्त भंडार है। वह कीमतों को नियंत्रित करने और देश में आसानी से उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गेहूं की स्टॉक स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है। देश में उपभोक्ताओं के लिए मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए यह उचित हस्तक्षेप करता है। 31 मार्च तक लागू होने वाली संशोधित स्टॉक सीमा के अनुसार, व्यापारी एवं थोक विक्रेता पहले के 1,000 टन के मानदंड के मुकाबले केवल 250 टन गेहूं रख सकते हैं। खुदरा विक्रेताओं के लिए, स्टॉक सीमा को प्रत्येक खुदरा दुकान के लिए चार टन तक संशोधित किया गया है। पहले यह सीमा पांच टन थी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''गेहूं की कीमतों को नियंत्रित करने के निरंतर प्रयासों के तहत, केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2025 तक लागू गेहूं की स्टॉक सीमा को संशोधित करने का निर्णय लिया है।'' बड़े खुदरा बिक्री श्रृंखला के लिए, प्रत्येक बिक्रीकेन्द्र के लिए स्टॉक सीमा चार टन होगी, जो उनके सभी बिक्रीकेन्द्र और डिपो पर अधिकतम मात्रा (चार गुना आ. उटलेट की कुल संख्या) टन स्टॉक के अधीन होगी। सभी गेहूं स्टॉकिंग संस्थाओं को गेहूं स्टॉक सीमा पोर्टल पर पंजीकरण करना और हर शुक्रवार को स्टॉक की स्थिति को अद्यतन करना आवश्यक है। सरकार ने कहा कि कोई भी संस्था जो पोर्टल पर पंजीकृत नहीं पाई गई या स्टॉक सीमा का उल्लंघन करती पाई गई, उस पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 6 और 7 के तहत उचित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसमें कहा गया है, ''यदि उपरोक्त संस्थाओं के पास स्टॉक उपरोक्त निर्धारित सीमा से अधिक है, तो उन्हें अधिसूचना जारी होने के 15 दिनों के भीतर इसे निर्धारित स्टॉक सीमा तक लाना होगा।''